गिरिराज सिंह का राहुल गांधी पर... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

क्या क्रिकेटर तिलक वर्मा को डेट... 11

वर्ष - 02, अंक - 48 | गाजियाबाद / शुक्रवार 22 मई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

दो फीसदी बढ़ा यूपी के कर्मचारियों का डीए

- 16 लाख कर्मियों को अब मिलेगा 60 फीसदी महंगाई भत्ता

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के राज्य कर्मचारियों के लिए गुड न्यूज आई है। योगी आदित्यनाथ सरकार ने राज्य कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दे दिया है। सरकार राज्यकर्मियों का महंगाई भत्ता यानी डीए में 2 फीसदी की वृद्धि की है। इसके साथ ही अब महंगाई भत्ता बढ़कर 58 से 60 फीसदी हो गया। सबसे बड़ी बात यह है कि राज्यकर्मियों की मई माह की सैलरी से 2 फीसदी बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता जुड़कर आएगा। महंगाई भत्ता का भुगतान एक जनवरी 2026 की तिथि से दिया जाएगा। इस प्रकार मई की सैलरी के साथ बकाया आने की भी घोषणा की गई है। इस संबंध में सरकार के अपर मुख्य सचिव ने जानकारी दी।

रिटायर होने वाले कर्मियों को नकद भुगतान

अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार की ओर से जारी आदेश में रिटायर होने वाले अधिकारी एवं कर्मचारियों के लिए अलग इंतजाम किए गए हैं। आदेश के तहत जिन अधिकारियों-कर्मचारियों की सेवाएं इस शासनादेश के जारी होने की तिथि से पहले समाप्त हो गयी होंगी अथवा जो अधिकारी-कर्मी 1 जनवरी, 2026 से शासनादेश जारी होने की तिथि के बीच रिटायर हुए होंगे।

ईरान जंग पर ट्रम्प नेतन्याहू में टकराव

- अमेरिका डील चाहता है, इजराइल का युद्ध से किनारा

तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। ईरान युद्ध को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू चाहते हैं कि ईरान पर हमले जारी रहें, जबकि ट्रम्प फिलहाल बातचीत और डील को मौका देना चाहते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, मंगलवार को दोनों नेताओं के बीच करीब एक घंटे तक फोन पर बातचीत हुई। अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि नेतन्याहू ने ट्रम्प से कहा कि ईरान पर प्रस्तावित हमले रोकना गलती है और सैन्य कार्रवाई जारी रहनी चाहिए। ट्रम्प ने बताया था कि अमेरिका हमले नहीं करेगा।

ट्रम्प बोले- ईरान की नेवी और एयरफोर्स खत्म

यूएस कोस्टगार्ड एकेडमी में ट्रम्प ने दावा किया कि ईरान की नौसेना और वायुसेना लगभग खत्म हो चुकी है। उन्होंने कहा कि अब सवाल सिर्फ यह है कि अमेरिका आगे पूरी कार्रवाई करेगा या ईरान समझौता करेगा। आईआरजीसी ने दावा किया कि पिछले 24 घंटे में 26 जहाज ईरानी मंजूरी के बाद होर्मुज स्ट्रेट से गुजरे। इनमें तेल टैंकर और कॉमर्शियल जहाज शामिल थे। जिन्हें नहीं रोका गया।

नीट पेपर लीक केस

लातूर से डॉक्टर गिरफ्तार

- बेटे के लिए गेस पेपर खरीदा था, अब सीबीआई के शिकंजे में

मुख्य आरोपी 'एम सर' स्कूल और कॉलेज खोलने वाला था

लातूर (एजेंसी)। नीट पेपर लीक में सीबीआई ने महाराष्ट्र के लातूर से एक डॉक्टर को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि डॉ मनोज शिरुरे ने बेटे के लिए नीट कोचिंग के संचालक और आरोपी शिवराज मोटेगांवकर उर्फ 'एम सर' से गेस पेपर खरीदे थे। सीबीआई ने बुधवार को पुणे में पूछताछ के बाद अरेस्ट कर लिया। जानकारी आज सामने आई है। इस मामले में किसी पेरेंट्स की यह पहली गिरफ्तारी है। नीट पेपर लीक में यह 11वीं गिरफ्तारी है। इससे पहले महाराष्ट्र से 6, राजस्थान से 3 और हरियाणा से एक व्यक्ति को अरेस्ट किया। इनमें 2 महिलाएं भी हैं। उधर, इस मामले में लगातार नए खुलासे भी हो रहे हैं। सीबीआई जांच में पता चला है कि शिवराज लातूर में 8 एकड़ जमीन पर स्कूल-कॉलेज खोलने की तैयारी में था। नीट कोचिंग के संचालक शिवराज लातूर के खोपेगांव शिवार में 8 एकड़ जमीन पर स्कूल-कॉलेज खोलने की तैयारी में था। वहां बहुमंजिला इमारत का निर्माण तेजी से चल रहा था। सीबीआई उसके फंडिंग स्रोत, जमीन खरीद और आर्थिक लेनदेन की भी जांच कर रही है। एजेंसी ने उसकी पत्नी और बेटे से भी पूछताछ की है।

गिरोह पहले टोकन मनी लेता था

जांच एजेंसी को यह भी पता चला है कि गिरोह ने गेस पेपर को 5 से 50 लाख रुपए तक बेचा। यह गिरोह पेपर देने से पहले छात्र के परिवार की आर्थिक स्थिति देखते थे। इसके बाद रकम तय की जाती थी। सिर्फ टोकन मनी ली जाती थी। इसके लिए ब्लैंक चेक और छात्रों के डॉक्यूमेंट रख लेते थे। डील यह थी कि आंसर-की आने के बाद अगर यह साबित हो जाए कि दिया गया 'क्वेश्चन बैंक' असली पेपर से मेल खाता है, तब बाकी रकम ली जाएगी। परीक्षा के बाद कई परिजन ने पैसे देने से इनकार करना शुरू कर दिया। उनका कहना था कि फिजिक्स के कुछ सवाल मेल नहीं खा रहे। कुछ ने आधी रकम दी और बाकी रिजल्ट के बाद देने की बात कही।

- तमिलनाडु में कांग्रेस विधायक ने शपथ में राहुल जिंदाबाद कहा

गवर्नर ने टोका, बोले-ये शपथ का हिस्सा नहीं, विजय कैबिनेट में 23 मंत्री शामिल

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में विजय सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार में गुरुवार को फिर विवाद हो गया। कांग्रेसी विधायक राजेश कुमार ने शपथ के दौरान 'कामराज अमर रहें', 'राजीव गांधी अमर रहें' और 'जननायक राहुल गांधी जिंदाबाद' कहा। इस पर गवर्नर राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने टोक दिया। गवर्नर ने कहा- ये आपकी शपथ का हिस्सा नहीं है। वहीं, दूसरा विवाद तमिल गीत बजाने को लेकर भी हुआ। समारोह में तमिलनाडु का राज्य गीत 'तमिल थाई वाझ्थु' सबसे आखिर में बजाया गया।

कांग्रेसी विधायक राजेश कुमार ने लगाए नारे

किलियूर विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक दल के नेता एस राजेश कुमार ने शपथ मंत्री पद की शपथ ली। उन्होंने 'कामराज अमर रहें', 'भारत रत्न राजीव गांधी अमर रहें' और 'जननायक राहुल गांधी जिंदाबाद' के नारे लगाए। इस पर राज्यपाल ने मुस्कुराते हुए कहा, 'यह आपकी शपथ का हिस्सा नहीं है।' राजेश कुमार भी मुस्कुराए और इसके बाद शपथ दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने चले गए।

सूखे की आहट!

- सुपर अल-नीनो से डराने वाले संकेत

भारत में कहीं सूखा तो कहीं बाढ़ की आहट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के अधिकांश हिस्सों में पारा 45 से 48 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत इस समय भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। आने वाले दिनों में इस भीषण गर्मी और लू से राहत मिलने के आसार नहीं दिख रहे हैं। दरअसल, वैज्ञानिकों की मानें तो भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में एक शक्तिशाली सुपर अल-नीनो आकार ले रहा है, जो 1877 के बाद की सबसे विनाशकारी मौसम संबंधी घटना साबित हो सकता है। इसका सीधा असर भारत पर भी देखने को मिलेगा, क्योंकि अल-नीनो भारत की लाइफलाइन कहे जाने वाले दक्षिण-पश्चिम मानसून को भी प्रभावित करने वाला है।

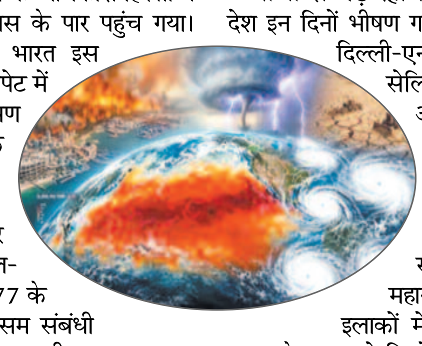

तेजी से बढ़ रहा तापमान, हर ओर त्राहिमाम- देश इन दिनों भीषण गर्मी से जूझ रहा है। बुधवार को दिल्ली-एनसीआर में पारा 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया, अहमदाबाद और नागपुर जैसे शहरों में पारा 41 से 43 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा, और उत्तर प्रदेश के बांदा में लगातार दूसरे दिन तापमान 47 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा। यही नहीं महाराष्ट्र के विदर्भ जैसे दक्षिणी इलाकों में भी भीषण गर्मी पड़ रही है। भारत के एक बड़े हिस्से में भीषण गर्मी का खतरा बना हुआ है, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने देश के कई हिस्सों में लू से लेकर भीषण लू चलने की चेतावनी जारी की है।

1877 की घटना से भी भयंकर हो सकते हैं हालात

मौसम विशेषज्ञ इसे प्रशांत महासागर में बन रहे सुपर एल-नीनो से जोड़ रहे हैं। अल नीनो का संबंध दक्षिण-पश्चिम मानसून से है, जिसके कारण मानसून पर निश्चित रूप से संकट बढ़ेगा। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि यह मौसम संबंधी घटना 1877 की घटना से भी बदतर हो सकती है, जिसके कारण उस समय वैश्विक आबादी के लगभग चार प्रतिशत तक लोगों की व्यापक मृत्यु हुई थी। यानी यह अल नीनो लगभग 150 साल पुराने रिकार्ड को तोड़ सकता है। अल-नीनो एक मौसम संबंधी प्राकृतिक जलवायु घटना है, यह घटना पूर्वी प्रशांत सागर में समुद्र का तापमान सामान्य से अधिक होने पर बनती है। एल-नीनो के असर से पूर्वी प्रशांत महासागर की सतह का पानी असामान्य रूप से गर्म हो जाता है। इस गर्मी से वैश्विक पवन पैटर्न कमजोर या परिवर्तित हो जाते हैं, जिससे एक श्रृंखला प्रतिक्रिया शुरू हो जाती है जो दुनिया भर की मौसम प्रणालियों को बाधित करती है। पूर्वी प्रशांत महासागर की सतह का पानी असामान्य रूप से गर्म होने के साथ पूर्व की ओर बढ़ने लगता है, जिससे भारत के मौसम पर असर पड़ता है। ऐसी स्थिति में भयानक गर्मी का सामना करना पड़ता है और सूखे के हालात बनने लगते हैं। यह घटना आमतौर पर हर दो से सात साल में घटित होती है और एक साल तक चल सकती है।

- 7.20 पर जिंदा ऊपर गई, 8.20 पर नीचे आई लाश

एफआईआर में मौत का वक्त 10,50 हैरान कर रही कहानी

भोपाल (एजेंसी)। पूर्व मॉडल और एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत का मामला अब पूरी तरह से एक उलझी हुई मर्डर मिस्ट्री में तब्दील हो चुका है। बुधवार को भोपाल की एक अदालत में सुनवाई के दौरान मृतका के वकील ने पुलिस तफ्तीश और एम्स की पोस्टमार्टम प्रक्रिया की धज्जियां उड़ाकर रख दीं। कोर्ट में वो सवाल उठाए गए, जिन्होंने यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या 12 मई की रात को छत पर जो हुआ, क्या उसे दबाने की कोशिश की जा रही है।

सीसीटीवी ने उड़ाई पुलिस की नींद- केस में सबसे बड़ा और सनसनीखेज मोड़ सीसीटीवी फुटेज की टाइमिंग से आया है। कोर्ट में दी गई दलील के मुताबिक, 12 मई की शाम 7,20 बजे ट्विशा को जिंदा सीढ़ियों से ऊपर छत की तरफ जाते देखा गया।

- **पोस्टमार्टम से गायब थी बेल्ट, हाइट भी बदली-** ट्विशा के वकील ने एम्स भोपाल की पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर भी गंभीर उंगलियां उठाई हैं। कोर्ट को बताया गया कि जिस बेल्ट से फंदा लगाने का दावा किया जा रहा है, उसे समय पर अस्पताल भेजा ही नहीं गया। ऐसे में डॉक्टरों ने गले के निशानों का मिलान कैसे किया। यही नहीं, पुलिस की केस डायरी और एम्स की पीएम रिपोर्ट में ट्विशा की लंबाई में भी अंतर पाया गया है। इसके अलावा, एफआईआर में ट्विशा की उम्र एक जगह 1987 के हिसाब से लिखी है।

13 साल की बच्ची की 42 वर्षीय युवक से शादी

- पोते की शादी के लिए कर दिया खुद की पोती का सौदा

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के रंगवासा क्षेत्र से बाल विवाह का मामला सामने आया है। यहां पारिवारिक रिश्तों के ताने-बाने और सामाजिक दबाव के चलते एक 13 साल की बच्ची की शादी जबरन 42 साल के युवक से करा दी गई। राऊ पुलिस ने बुधवार को दूल्हे, उसके परिजन और बच्ची के दादा-दादी सहित कुल 13 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी रजनीश सिन्हा ने बताया कि यह पूरा मामला एक शर्त और पारिवारिक दबाव के कारण हुआ। रंगवासा निवासी बुजुर्ग दादा को अपने 19 साल के पोते के लिए बहू लाना थी।

रात में उज्जैन ले जाकर रचाया ब्याह- इस बाल विवाह की भनक महिला एवं बाल विकास विभाग को पहले ही लग गई थी। 25 अप्रैल को होने वाले इस विवाह को लेकर फ्लाइंग स्क्वाड की टीम ने दोनों पक्षों को बुलाकर समझाइश दी थी, जिसके बाद परिजन ने लिखित आश्वासन दिया था कि वे शादी नहीं करेंगे। 26 अप्रैल की रात को लड़के वाले इंदौर आए और बच्ची को ले गए।

पीओके में आतंकी हमजा बुरहान की गोली मारकर हत्या

- पुलवामा हमले का मास्टरमाइंड था, आतंकी जाकिर मूसा-बुरहान वानी का करीबी था

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पुलवामा आतंकी हमले में शामिल आतंकी हमजा बुरहान की पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। मुजफ्फराबाद के कॉलेज के बाहर अज्ञात हमलावरों ने उस पर कई गोलियां चलाईं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। भारत ने 2022 में हमजा बुरहान को यूएपीए के तहत आतंकी घोषित किया था। वह अबू दुजाना, अबू कासिम, बुरहान वानी और जाकिर मूसा का करीबी था। उसे 2019 के पुलवामा आतंकी हमले के मास्टरमाइंड्स में से एक माना जाता था, इस हमले में 40 जवान शहीद हुए थे।

भारत से पाकिस्तान गया, फिर आतंकी संगठन से जुड़ा- सरकार के मुताबिक, अर्जुमंद गुलजार डार उर्फ हमजा बुरहान उर्फ डॉक्टर पुलवामा के रत्वीपोरा इलाके का रहने वाला था। 23 साल का हमजा, आतंकी संगठन अल बद्र से जुड़ा हुआ था। अल बद्र को सरकार ने आतंकवादी संगठन घोषित किया हुआ है। वह कानूनी तरीके से पाकिस्तान गया था। वहां जाकर वह अल बद्र में शामिल हो गया और बाद में संगठन का सक्रिय आतंकी और कमांडर बन गया। अभी वह पाकिस्तान से ही काम कर रहा था। उस पर आरोप है कि वह युवाओं को अल बद्र में शामिल होने के लिए उकसाता था और फंडिंग भी करता था। 2020 में जवानों पर ग्रेनेड हमले किए थे।

पुलवामा अटैक में 40 सीआरपीएफ जवान शहीद हुए थे

14 फरवरी 2019 को जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर आत्मघाती आतंकी हमला हुआ था। श्रीनगर-जम्मू हाईवे पर लेथपोरा इलाके में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी आदिल अहमद डार ने विस्फोटकों से भरी बसों से टकरा दी थी। धमाका इतना जबरदस्त था कि दो बसों के परखच्चे उड़ गए और 40 जवान शहीद हो गए। जांच में सामने आया कि हमले से पहले सुरक्षा एजेंसियों को कई इंटेलीजेंस इनपुट मिले थे, लेकिन आतंकी साजिश को रोका नहीं जा सका। बाद में एनआईए ने अपनी चार्जशीट में मसूद अजहर को मास्टरमाइंड बताया था।

एअर इंडिया की दिल्ली-बेंगलुरु फ्लाइट रनवे से टकराई

नई दिल्ली (एजेंसी)। एअर इंडिया की दिल्ली से बेंगलुरु जा रही फ्लाइट एआई 2651 गुरुवार को लैंडिंग के दौरान रनवे से टकरा गई। फ्लाइट के पीछे का हिस्सा जमीन से टच हो गया। घटना को एविएशन भाषा में 'टेल स्ट्राइक' कहा जाता है। फ्लाइट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं, जिसमें उसके निचले हिस्से पर स्क्रैच दिख रहा है। फ्लाइट को सुरक्षित तरीके से उतार लिया गया। घटना में किसी यात्री या क्रू सदस्य के घायल होने की सूचना नहीं है। सभी को बाहर निकाल लिया गया है। घटना के बाद विमान को जांच के लिए ग्राउंड कर दिया गया है। एयरलाइन और एयरपोर्ट अधिकारियों ने सुरक्षा जांच शुरू कर दी है। नागरिक उड्डयन नियामक को भी घटना की जानकारी दी गई है। बेंगलुरु से दिल्ली जाने वाली वापसी फ्लाइट एआई 2652 रद्द कर दी गई है।

एअर इंडिया की फ्लाइट रनवे से टकराई

बंगलूरू (एजेंसी)। बंगलूरू हवाई अड्डे पर उतरते समय गुरूवार को एअर इंडिया के एक विमान में टेलस्ट्राइक की घटना हुई। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली से आ रहा विमान सुरक्षित रूप से उतर गया और चालक दल और यात्री सामान्य रूप से विमान से उतर गए। दरअसल, टेकऑफ या लैंडिंग के दौरान जब विमान का पिछला हिस्सा रनवे के संपर्क में आता है, तब टेलस्ट्राइक की घटना होती है। टेलस्ट्राइक के बाद सभी विमानों की संरचनात्मक समस्याओं के लिए जांच की जाती है।फ्लाइट में 181 यात्री सवार थे।घटना में किसी यात्री या क्रू सदस्य के घायल होने की सूचना नहीं है। सूत्रों के अनुसार, लैंडिंग से ठीक पहले विमान 'वेक टर्बुलेंस' की चपेट में आ गया। इसके बाद पायलट ने नियमों के तहत 'गो-अराउंड' करने का फैसला लिया।पायलट ने लैंडिंग टाल दी और फ्लाइट वापस हवा में ले ली। इसी दौरान उसका पिछला हिस्सा रनवे से टकरा गया।

नीट लीक मामला : कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन : शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

जयुपर (एजेंसी)। राजस्थान के जयपुर में गुरुवार को नीट पेपर लीक मामले को लेकर कांग्रेस ने जोरदार प्रदर्शन किया।इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तीखी झड़प हुई, जिसमें पुलिस को वाटर कैनन का इस्तेमाल कर प्रदर्शनकारियों को पीछे धकेलना पड़ा। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के नेतृत्व में कार्यकर्ता कांग्रेस मुख्यालय से पैदल मार्च करते हुए शहीद स्मारक पहुंचे, जहां से वे बीजेपी मुख्यालय का घेराव करने की कोशिश कर रहे थे। प्रदर्शन के दौरान शहीद स्मारक पर कार्यकर्ताओं ने डोटासरा को कंधे पर उठा लिया। वहीं, पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास पुलिस कमिश्नरेट के सामने सड़क पर धरने पर बैठ गए। पुलिस ने विधायक मुकेश भाकर और पूर्व विधायक वेद प्रकाश सोलंकी को धक्का देकर आगे बढ़ने से रोका, जबकि विधायक मनीष यादव को बैरिकेड्स पर चढ़ने का प्रयास करते हुए नीचे उतारा गया। डोटासरा ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर तीखा हमला कर उनके तत्काल इस्तीफे की मांग की। उन्होंने प्रधान को चोर और धोखेबाज करार देकर कहा कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) पर लोगों का विश्वास नहीं रहा है और एनटीए को भंग कर देना चाहिए। डोटासरा ने केंद्र सरकार पर जिम्मेदारी से बचने का आरोप लगाकर कहा कि 22 लाख छात्रों के भविष्य को देखते हुए नीट पेपर लीक मामले की जांच सर्वोच्च न्यायालय की निगरानी में सीबीआई से कराई जानी चाहिए, ताकि दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो सके।

अमृतसर में घर में भीषण धमाका, दो महिलाएं झुलसीं

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के अमृतसर के अनगढ़ इलाके में गुरुवार सुबह एक घर में हुए जोरदार धमाके से पूरा इलाका दहल गया।घटना के कारण घर में भीषण आग लग गई और चारों ओर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में दो महिलाएं गंभीर रूप से झुलस गईं, जिन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। अधिकारियों के मुताबिक, एक महिला की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है और दूसरी भी बुरी तरह घायल है। आशंका है कि एक महिला की मौत हो सकती है, हालांकि इसकी पुष्टि अस्पताल की रिपोर्ट के बाद होगी। बात दें कि धमाका इतना तेज था कि घर की छत में गहरी दरारें पड़ गईं और बाहर लगे शीशे भी टूटकर बिखर गए। आग बहुत तेजी से फैली, जिससे घर को भारी नुकसान पहुंचा। फायर ब्रिगेड को सुबह करीब 11-45 बजे कंट्रोल रूम से सूचना मिली, जिसके बाद तुरंत गाड़ियां मौके के लिए रवाना की गईं। टीम जब पहुंची, तब स्थानीय लोग आग बुझाने में मदद कर रहे थे। फायर ब्रिगेड की टीमों ने लगभग 20 से 25 मिनट में आग पर सफलतापूर्वक काबू पा लिया। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और लोग आग लगने के कारणों को लेकर तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं। कुछ लोगों ने पटाखों या अन्य ज्वलनशील पदार्थों से धमाके जैसी आवाज सुनने का दावा किया है।हालांकि, पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर मौजूद हैं और सभी कोणों से मामले की गहन जांच की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभी तक आग लगने का कोई अंतिम कारण सामने नहीं आया है और विस्तृत जांच के बाद ही सच्चाई का पता चलेगा। पुलिस मौके से सबूत जुटाकर उचित कानूनी कार्रवाई करेगी।

राजनीतिक फैसले और बीजेपी में जाने को लेकर की जा रही आलोचना

-हाईकोर्ट ने राघव की याचिका पर कहा- यह प्राइवेसी उल्लंघन का मामला नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने व्यक्तिगत अधिकारों की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। जस्टिस सुब्रह्मण्यम प्रसाद की बेंच ने इस मामले में सुनवाई करते हुए कहा कि राघव चड्ढा के व्यक्तिगत अधिकारों के उल्लंघन का मामला नहीं बनता। उनकी आलोचना उनके राजनीतिक फैसले को लेकर और बीजेपी में जाने को लेकर की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली हाईकोर्ट ने राघव चड्ढा की उस याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया जिसमें उनके खिलाफ अपमानजनक सामग्री हटाने की मांग की गई थी।

हाईकोर्ट ने कहा कि व्यक्तित्व अधिकारों का कमर्शियल इस्तेमाल और आलोचना करने में अंतर है। हाईकोर्ट ने राघव चड्ढा से कहा कि आपके राजनीतिक फैसले और बीजेपी में जाने की आलोचना हो रही है। प्रथम दृष्टया इसमें व्यक्तित्व अधिकारों के उल्लंघन का मामला नहीं बनता। कोर्ट ने कहा निस्संदेह आज़ादी के समय से ही हम आरके लक्ष्मण के कार्टून देखते आए हैं। उस दौर में शायद सोशल मीडिया इतना प्रभावशाली नहीं था, जितना आज है। बता दें राघव चड्ढा की याचिका में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित एआई-जनरेटेड डीपफेक, छेड़छाड़ वाले वीडियो, फैब्रिकेटेड भाषण और भ्रामक सामग्री को हटाने की मांग की गई है। कोर्ट ने राघव चड्ढा से कहा है कि ऐसे मामलों में मानहानि का केस दर्ज किया जा सकता है। पार्टी बदलना एक सार्वजनिक फैसला है, व्यक्तिगत नहीं। कोर्ट ने एआई से बने वीडियो पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर इन वीडियो पर आपत्ति है, तो विशेष याचिका दाखिल करें। व्यापक रूप से रोक लगाने की मांग नहीं की जा सकती।

गोहत्या के खिलाफ आंदोलन चला रहे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने किया ऐलान

शंकराचार्य गो-एलएक्स पर गाय खरीदेंगे और बेचेंगे

वाराणसी (एजेंसी)। गोहत्या के खिलाफ आंदोलन चला रहे शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने अब गायों की ऑनलाइन खरीद-फरोख्त का ऐलान किया है। शंकराचार्य ने गो-एलएक्स नाम से एक वेबसाइट शुरू करने का फैसला किया है, जिसके माध्यम से गायों की खरीद की जाएगी। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि हम एक वेबसाइट बनवा रहे हैं। इस वेबसाइट के जरिए हम गायों को खरीदेंगे। जो पशुपालक या व्यापारी अपनी गाय बेचना चाहता है, वह वेबसाइट पर विज्ञापन दे सकता है। अगर कोई हिंदू अपनी गाय बेचना चाहता है, तो मुझे बेचे। हम खरीदने के लिए तैयार हैं। हम गायों को कटने नहीं देंगे और किसी गोहत्यारे को गाय खरीदने नहीं देंगे।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने गुरुवार को एक वीडियो जारी किया। वीडियो में उन्होंने कहा कि हम गायों को खरीदकर उनकी सेवा करेंगे। हिंदुओं के कहने पर ही अपने वेबसाइट बनाई है। हमने इसका नाम गो-एलएक्स रखा है। लोग अपनी गाय यहां बेच सकते हैं। गो संरक्षण को समर्पित लोग भी उन गायों को खरीदकर सेवा कर सकेंगे। गायों को ऑनलाइन खरीदने का फैसला लेने की वजह बताते हुए शंकराचार्य ने कहा कि सोशल मीडिया और कुछ समाचार माध्यमों से यह नैरेटिव फैलाया जा रहा कि यदि मुसलमान गाय खरीदना बंद कर देंगे या गो मांस खाना छोड़ देंगे तो हिंदू पशुपालक आर्थिक संकट में आ जाएंगे।

गो-एलएक्स का मकसद, गायों को कटने से बचाना है

शंकराचार्य ने कहा कि गो-एलएक्स मंच का उद्देश्य किसी भी परिस्थिति में गाय को कत्लखाने जाने से रोकना है। यह मंच ओएलएक्स की तर्ज पर कार्य करेगा। जहां गाय बेचने की इच्छा रखने वाले लोग संपर्क कर सकेंगे। गो सेवक और गो भक्त गायों को संरक्षण के लिए खरीद सकेंगे। उन्होंने कहा कि वह ऐसी गायों को खरीदेंगे जो दूध देना बंद कर दी हैं या जिनको कसाई को बेचा जा रहा। पशुपालक उन गायों को हमारी वेबसाइट पर सीधे बेच सकेंगे और हम उसकी खरीदी करेंगे।कोई भी सच्चा हिंदू अपनी गाय को कटने के लिए नहीं बेच सकता। यदि किसी व्यक्ति में वास्तविक हिंदुत्व है, तो वह कभी भी गाय को कसाई के हाथों में नहीं सौंपेगा।

मुस्लिम समाज भी गोहत्या बंदी के समर्थन में...

शंकराचार्य ने कहा कि भारत में गो हत्या बंदी के समर्थन में मुस्लिम समाज भी है। मुस्लिम समाज के काफी लोग साथ हैं। उन्होंने यह स्वीकार किया है कि इस्लाम में गो मांस खाना कोई अनिवार्य धार्मिक कर्तव्य नहीं है। हम ऐसे लोगों का स्वागत करते हैं। यदि देश में गोहत्या और गोमांस भक्षण बंद होता है, तो इससे सामाजिक सौहार्द और आपसी सद्भाव को बल मिलेगा।

इबोला वायरस को लेकर भारत सरकार ने किया अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने अफ्रीका में फैले इबोला वायरस को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और युगांडा में फैले इबोला को पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न घोषित किए जाने के बाद भारत सरकार हालात पर नजर बनाए हुए है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डीजीएचएस ने सभी इंटरनेशनल एयरपोर्ट्स को एडवाइजरी भेजी है खासकर उन यात्रियों के लिए जो डीआर कांगो, युगांडा और साउथ सूडान जैसे हाई रिस्क देशों से आ रहे हैं।एडवाइजरी में कहा है कि अगर किसी यात्री में बुखार, सिरदर्द, कमजोरी, उल्टी-दस्त, गले में खराश या खून बहने जैसे लक्षण हैं तो उसे इमिग्रेशन से पहले ही एयरपोर्ट हेल्थ ऑफिसर को रिपोर्ट करना होगा। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्पष्ट किया कि भारत में फिलहाल इबोला का कोई मामला सामने नहीं आया है और देश के लिए वर्तमान खतरा बेहद कम है।हालांकि सावधानी के तौर पर निगरानी और तैयारियों को और मजबूत किया जा रहा है। एडवाइजरी में ये भी कहा गया है कि अगर कोई व्यक्ति संक्रमित मरीज के खून या बॉडी फ्लूइड के संपर्क में आया है तो उस पर भी नजर रखी जाएगी। सरकार ने साफ किया है कि भारत आने के बाद 21 दिनों के अंदर अगर लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें और अपनी ट्रैवल हिस्ट्री बताएं। बता दें एयरपोर्ट हेल्थ ऑर्गनाइजेशन इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी कर रहा है।इबोला एक बेहद खतरनाक बीमारी है इसलिए केंद्र सरकार ने यात्रियों से हेल्थ स्क्रीनिंग में पूरा सहयोग करने की अपील की है।

उत्तर भारत में सूरज उगल रहा आग, यूपी के बांदा में पारा 48 पर पहुंचा

-भारत के बड़े हिस्से में 40 से 47 के बीच तापमान बना रहने की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के उत्तर भारत में भीषण गर्मी जारी है। उत्तर भारत आग की भट्टी में तब्दील हो गया है। कई इलाकों में तापमान 45 डिग्री से पार है, जिससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है। लू की तेज हवाएं तेज धूप और उमस भरी गर्मी ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक बुधवार को देश के करीब 50फीसदी हिस्से में अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा। यूपी, मध्य प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, विदर्भ और ओडिशा जैसे राज्यों में भारी गर्मी पड़ रही है। यूपी के बांदा में सबसे ज्यादा तापमान 48.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पूरे देश में सबसे ज्यादा है।

वहीं सबसे ज्यादा गर्मी यूपी, मध्य प्रदेश और विदर्भ (महाराष्ट्र) के इलाकों में पड़ रही है। बांदा, खजुराहो, वर्धा, रोहतक और नागपुर जैसे शहर इस समय सूरज की तपिश में जल रहे हैं। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक मई के अंत तक गर्मी से राहत मिलने के आसार कम हैं। उत्तर-पश्चिम भारत, पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत और उत्तरी प्रायद्वीपीय भारत के बड़े हिस्से में 40 से 47 डिग्री सेल्सियस के बीच तापमान बना रहने की संभावना है। लू की स्थिति भी जारी रहेगी। इस भीषण गर्मी में दिन के समय बाहर निकलना मुश्किल है। खेतों में काम करने वाले किसान, मजदूर और सड़क पर काम करने वाले लोग सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को दोपहर में बाहर न निकलने, खूब पानी पीने, ओआरएस लेने और हल्के रंग के ढीले कपड़े पहनने की सलाह दी है। सरकार और प्रशासन भी हाई अलर्ट पर हैं। स्कूलों के समय में बदलाव, पशुओं के लिए छाया और पानी की व्यवस्था जैसी तैयारियां की जा रही हैं। उत्तर भारत इस समय वाकई आग की भट्टी बना है। अगले कुछ दिनों में अगर कोई ठंडी हवा या प्री-मानसून की बारिश नहीं हुई तो स्थिति और बिगड़ सकती है।

गिरिराज सिंह का राहुल गांधी पर तीखा पलटवार: कांग्रेस अब माओवादी, मुस्लिम पार्टी

खुद भ्रष्टाचार के दलदल में फंसे हुए हैं और जमानत पर बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने गुरवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई टिप्पणियों पर कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की है। राहुल गांधी पर तीखा पलटवार कर उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अब वह पार्टी नहीं रही, बल्कि एक माओवादी, मुस्लिम कांग्रेस में बदल गई है। यह बयान उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक से पहले दिया।

केंद्रीय मंत्री सिंह ने स्पष्ट किया कि मंत्रिपरिषद की यह बैठक पहले से ही तय थी और इस राहुल गांधी के बयानों के जवाब में नहीं बुलाया गया था, क्योंकि मंत्रिपरिषद की बैठकें नियमित रूप से होती रहती हैं। कांग्रेस नेता पर सीधा हमला कर केंद्रीय मंत्री सिंह ने दावा किया कि देश में राहुल गांधी की पकड़ कमजोर हो गई है और कांग्रेस का स्वरूप पूरी तरह बदल चुका है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं पर प्रधानमंत्री मोदी को बार-बार अपशब्द कहने का आरोप लगाया, लेकिन कहा कि इन तमाम गालियों के बावजूद देश की जनता आज भी प्रधानमंत्री मोदी को पंसद करती है। राहुल गांधी पर व्यक्तिगत रूप से निशाना साधकर केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि वे खुद भ्रष्टाचार के दलदल में फंसे हुए हैं और जमानत पर बाहर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी के लिए जिस भाषा का राहुल गांधी ने इस्तेमाल किया है, वह किसी विपक्ष के नेता के लिए कतई उपयुक्त नहीं है।

केंद्रीय मंत्री सिंह ने राष्ट्रीय संकटों के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के मजबूत नेतृत्व का बचाव किया, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी हर संकट में देश के साथ मजबूती से खड़े रहे हैं और आगे भी ऐसा ही होगा। गिरिराज सिंह की यह तीखी प्रतिक्रिया राहुल गांधी द्वारा एक जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी पर हमला करने के बाद आई है। राहुल गांधी ने चेतावनी दी थी कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास की अशांति के कारण भारत पर आर्थिक तूफान आने वाला है। उन्होंने आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री देश को इसतरह के संकट के लिए तैयार करने में विफल रहे हैं। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी की इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ हुई मुलाकात पर कटाक्ष कर कहा था कि प्रधानमंत्री मेलोनी के साथ टॉफियां खा रहे थे और वीडियो बना रहे थे, जबकि देश पर संकट मंडरा रहा था।

अमरनाथ यात्रा : 3.6 लाख से अधिक पंजीकरण, दुर्गम रास्तों पर तैयारियां तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा के लिए श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह दिख रहा है।अब तक 3.6 लाख से अधिक भक्त अपना पंजीकरण करा चुके हैं, और प्रशासनिक अधिकारियों को उम्मीद है कि यह संख्या 5 लाख के आंकड़े को छू सकती है।57 दिवसीय यात्रा 3 जुलाई को शुरू होकर 28 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन समाप्त होगी।इस यात्रा के दोनों मार्गों बालटाल-सोनमर्ग और नुनवान-पहलगाम पर अभी भी कई स्थानों पर 10 से 12 फीट तक बर्फ जमी हुई है।हालांकि, सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) इन दुर्गम रास्तों को बहाल करने में तेजी से जुटा है।बीआरओ के अधिकारियों का दावा है कि 15 जून तक दोनों मार्ग यात्रा के लिए पूरी तरह तैयार कर दिए जाएंगे।रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से शुरू हुए थे और अब पंजाब नेशनल बैंक, जम्मू-कश्मीर बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और यस बैंक की निर्धारित शाखाओं के माध्यम से व्यक्तिगत या छोटे समूहों के लिए जारी हैं, जबकि 5 से 30 लोगों के समूह के लिए पंजीकरण बुधवार को बंद हो गए।इस साल श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है।बेस कैंप में पारंपरिक टेंट की जगह अब प्री-फैब्रिकेटेड और फाइबर स्ट्रक्चर तैयार किए जा रहे हैं।

सांसद सायोनी घोष का सिर कलम करने पर एक करोड़ का रखा ईनाम

- बाद में धमकाने वाले भाजपा नेता ने खेद जताया

सिकंदराबाद (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल से टीएमसी सांसद सायोनी घोष का सिर कलम करने वाले को एक करोड़ रुपये का इनाम देने की घोषणा करने वाले उत्तर प्रदेश के भाजपा नेता और सिकंदराबाद नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. प्रदीप दीक्षित अब अपने बयान से बैकफुट पर आ गए हैं। सोशल मीडिया पर विवादित वीडियो वायरल होने और चौतरफा घिरने के बाद उन्होंने बुधवार शाम एक नया वीडियो जारी कर अपने बयान पर खेद व्यक्त किया है।

यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब बुलंदशहर के सिकंदराबाद में करीब पांच दिन पहले आयोजित एक धर्म ध्वज यात्रा के दौरान डॉ. प्रदीप दीक्षित ने यह भड़काऊ बयान दिया था। वीडियो सामने आने के बाद राजनीति गर्मा गई। टीएमसी सांसद सायोनी घोष ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने इसे एक महिला जनप्रतिनिधि को दी गई खुली धमकी करार दिया। सायोनी घोष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और नितिन गडकरी को टैग करते हुए स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। साथ ही उन्होंने पश्चिम बंगाल और कोलकाता पुलिस से इस मामले में तत्काल कड़ी कार्रवाई की अपील करते हुए कहा कि वह ऐसी धमकियों से डरने वाली नहीं हैं और लोकतंत्र में अपनी आवाज उठाती रहेंगी। दरअसल, यह पूरा विवाद साल 2015 की एक पुरानी सोशल मीडिया पोस्ट (शिवलिंग पर कथित कार्टून) से जुड़ा है। सायोनी घोष ने इस पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि वह पोस्ट उन्होंने नहीं की थी और उस समय वह महज 22 वर्ष की थीं। वह इस विषय पर पहले ही सार्वजनिक रूप से माफी मांग चुकी हैं और सभी धर्मों का सम्मान करती हैं।

भाजपा नेता ने दी सफाई

सांसद सायोनी घोष के कड़े रुख और पुलिस कार्रवाई की मांग के बाद भाजपा नेता डॉ. प्रदीप दीक्षित ने बैकफुट पर आते हुए बुधवार शाम एक वीडियो संदेश जारी किया। उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि सायोनी घोष उस पुरानी विवादित तस्वीर को लेकर पहले ही खेद जता चुकी हैं। उन्होंने कहा कि वह किसी भी तरह की हिंसा के समर्थक नहीं हैं। उन्होंने अपने बयान पर खेद जताते हुए लोगों से अपील की कि न तो किसी को हिंसा की बात करने का अधिकार है और न ही किसी की धार्मिक भावनाओं को आहत करने का।

बंगाल के मदरसों में गाना पड़ेगा वंदे मातरम

-शुभेंदु सरकार ने जारी किए आदेश

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल सरकार ने एक बड़ा कदम उठाते हुए राज्य के सभी मदरसों में 'वंदे मातरम्' गाना अनिवार्य कर दिया है। इस संबंध में मदरसा शिक्षा निदेशालय की तरफ से आदेश जारी कर दिया गया है। जारी किए गए आधिकारिक आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि पहले के सभी निर्देशों और प्रथाओं को निरस्त करते हुए अब राज्य के मदरसों में दैनिक कक्षाएं शुरू होने से पहले होने वाली सुबह की प्रार्थना में 'वंदे मातरम्' गाना बेहद जरूरी होगा।

यह नया नियम राज्य के सभी सरकारी मॉडल मदरसों (इंग्लिश मीडियम), मान्यता प्राप्त सरकारी सहायता प्राप्त मदरसों, अप्रूव्ड एमएसके, अप्रूव्ड एसएसके और मान्यता प्राप्त गैर-सहायता प्राप्त मदरसों पर समान रूप से लागू होगा। सरकार ने निर्देश दिया है कि इस आदेश को तत्काल प्रभाव से पूरे राज्य में सख्ती से लागू किया जाए। मदरसा शिक्षा निदेशक की तरफ से इस आदेश की प्रतिलिपि सभी जिलाधिकारियों, जिला शिक्षा अधिकारियों, पश्चिम बंगाल बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन और अन्य संबंधित विभागों को अनुपालन के लिए भेज दी गई है। आदेश में बताया गया है कि इसे सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बाद ही जारी किया गया है। पश्चिम बंगाल सरकार का यह फैसला ऐसे समय में आया है जब हाल ही में केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् को राष्ट्रगान जन गण मन के बराबर का दर्जा देने का एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है। अधिकारियों के मुताबिक, इस फैसले का मुख्य उद्देश्य वंदे मातरम् को भी उसी कानूनी दायरे में लाना है, जिसके तहत अभी राष्ट्रगान को सुरक्षा और सम्मान मिला हुआ है। इस नए प्रस्तावित संशोधन के लागू होने के बाद, देश में वंदे मातरम गाए जाने के दौरान किसी भी तरह का अपमान करना या उसमें बाधा डालना एक संज्ञेय अपराध की श्रेणी में माना जाएगा। मौजूदा कानूनी नियमों के तहत, यदि कोई व्यक्ति जान-बूझकर राष्ट्रगान गाने से रोकता है या उसमें किसी प्रकार का व्यवधान पैदा करता है, तो उसे 3 साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों भुगतने पड़ सकते हैं। वहीं, बार-बार इस अपराध को दोहराने वालों के लिए कम से कम एक साल की अनिवार्य जेल का प्रावधान है। अब यही कड़े कानूनी प्रावधान और सजा वंदे मातरम् के अपमान पर भी लागू होंगे।

ट्रेनों में हो रही लगातार आग की घटनाएं किसी साजिश का हिस्सा हैं?

-रेलवे ने किया खुलासा, असामाजिक तत्वों की संलिप्तता की ओर किया इशारा

नई दिल्ली (एजेंसी)।भारतीय रेलवे ने हाल के दिनों में ट्रेनों में अचानक आग लगने की घटनाओं को लेकर खुलासा किया है। रेलवे ने बुधवार को इन हादसों को महज इत्तेफाक या तकनीकी खराबी मानने के बजाय, इसके पीछे साजिश की आशंका जताई है। आधिकारिक बयान में स्पष्ट किया गया है कि अब तक हुई जांच के नतीजे असामाजिक तत्वों की संलिप्तता की ओर साफ इशारा कर रहे हैं। इस खुलासे के बाद सुरक्षा एजेंसियों और रेलवे में हड़कंप मच गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रेलवे प्रशासन ने खासतौर पर चार अलग-अलग जगहों पर हुई घटनाओं का जिक्र किया है, जिन्होंने सुरक्षा तंत्र की नींद उड़ा दी है। इनमें राजस्थान के अमरपुरा और कोटा में सामने आई घटनाएं शामिल हैं। इसके अलावा, बिहार के सासाराम और पश्चिम बंगाल के हावड़ा में भी ट्रेनों में भड़की आग ने इस शक को और पुख्ता कर दिया है कि इसके पीछे कोई साजिश हो सकती है। रेलवे का कहना है कि इन सभी घटनाओं को बेहद गंभीरता से लिया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक अमरपुरा में जहां ट्रेन के बेडरोल में आग लगाने की कोशिश की गई, वहीं हावड़ा की घटना में तो कोच के बाथरूम से पेट्रोल से सना हुआ एक कपड़ा बरामद हुआ है, जिसने साजिश के शक को और पुख्ता कर दिया है। इसी तरह कोटा में राजधानी एक्सप्रेस के बाथरूम से लपटें उठती देखी गईं। वहीं, बिहार के सासाराम स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 6 पर खड़ी सासाराम-पटना पैसेंजर ट्रेन के एक खाली कोच में किसी अज्ञात शख्स ने कोई जलती हुई चीज फेंक दी। हालांकि, शुरुआती जांच में सासाराम की घटना के पीछे शॉर्ट सर्किट का अंदेशा जताया गया था, लेकिन अब इसमें भी तोड़फोड़ का एंगल सामने आ रहा है। लगातार हो रही इन घटनाओं के बाद रेलवे प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड पर आ गया है। मामलों की तह तक जाने के लिए रेलवे सुरक्षा बल को जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आरपीएफ की स्पेशल टीमें हर मामले की हर एंगल से बारीकी से जांच कर रही हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि देश की जीवनरेखा माने जाने वाले रेलवे नेटवर्क को निशाना बनाने के पीछे किन लोगों का हाथ है। इन घटनाओं के मद्देनजर रेलवे ने यात्रियों से भी अतिरिक्त सतर्कता बरतने की अपील की है। रेलवे ने एडवाइजरी जारी कर कहा कि सभी यात्रियों से अनुरोध है कि वे अलर्ट और सुरक्षित रहें। अगर आपको ट्रेन या स्टेशन पर कोई भी संदिग्ध गतिविधि नजर आए तो बिना कोई देर किए तुरंत रेलवे के हेल्पलाइन नंबर 139 पर कॉल कर सूचना दें।

जनगणना 2027 : नगर आयुक्त की अध्यक्षता में हुई नगर निगम मुख्यालय पर बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। अपर प्रमुख जनगणना अधिकारी व नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने चार्ज अधिकारियों के साथ जनगणना को त्रुटिहीन संपन्न कराए जाने हेतु बैठक की। बैठक में सभी वरिष्ठ संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे। बैठक में शुरू हो रही मकान सूचीकरण की कार्यवाही के बारे में चर्चा हुई। लगभग 5000 प्रगणक और सुपरवाइजर द्वारा मकान सूचीकरण का कार्य घर-घर जाकर किया जाएगा, जिसके लिए ड्यूटी बैग चार्ज अधिकारियों से प्राप्त करते हुए कार्य को करें। जनगणना के प्रथम चरण में चल रही कार्यवाही को संपन्न करने के लिए पूरी लगन के साथ कार्य करने के आदेश दिए। नगर जनगणना अधिकारी जंग बहादुर यादव अपर नगर आयुक्त ने बताया कि 22 मई से लेकर 20 जून तक घर-घर जाकर मकान सूचीकरण का कार्य किया जाना है, जिसके लिए ड्यूटी करने वालों को प्रॉपर ट्रेनिंग भी दी गई है। गाजियाबाद नगर निगम सीमा इलाके को 3885 ब्लॉक में बांटा गया है, जिसके लिए अनिवार्य रूप से ड्यूटी बैग प्राप्त करते हुए कार्य प्रारंभ किया जाना है। उपस्थिति दर्ज नहीं कराने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी। वहीं जनगणना अधिनियम 5 और 11 की धारा के अंतर्गत लापरवाह कर्मियों पर एफआईआर भी दर्ज

कराई जा सकती है। जनगणना के लिए प्रगणक और सुपरवाइजर अपने-अपने क्षेत्र में कार्य करेंगे। अपर प्रमुख जनगणना अधिकारी विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा राष्ट्रीय हित में प्रारंभ हो रहे जनगणना के कार्य में शहर वासियों को सहयोग करने के लिए अपील की। गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत मकान सूचीकरण हेतु घर-घर जाकर आवश्यक जानकारी ली जाएगी, जिसमें निवासियों से जनगणना के कार्यों को संपन्न कराने में सहयोग करने की अपील की गई है। गाजियाबाद नगर निगम से प्रभारी जनगणना डॉ. अनुज भी मौके पर उपस्थित रहे।

ईद-उल-अजहा : नहीं होगी खुले में नमाज, थाना विजयनगर पर हुई पीस कमेटी की मीटिंग

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। ईद-उल-अजहा के मद्देनजर पुलिस प्रशासन ने तैयारियां तेज करते हुए एसीपी उपासना पाण्डेय की अध्यक्षता में पीस कमेटी की मीटिंग थाना विजयनगर पर आयोजित की गई। मीटिंग में पार्षदों सहित विभिन्न धर्मों के संभ्रांत लोगों ने प्रतिभाग गया। बैठक में त्योहार को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। एसीपी कोतवाली ने मीटिंग में स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी ऐसी गतिविधि नहीं की जाए, जिससे सामाजिक और सांप्रदायिक सौहार्द प्रभावित हो। प्रशासन की तरफ से खुले में नमाज अदा करने पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए है। यदि किसी स्थान पर नमाजियों की संख्या अधिक होती है तो वहां दो शिफ्ट में नमाज अदा कराई जाए, लेकिन किसी भी स्थिति में सड़क या खुले स्थान पर नमाज नहीं होने दी जाएगी। मीटिंग में प्रतिबंधित पशुओं की कुबार्नी को लेकर भी सख्त चेतावनी दी गई और किसी भी हालत में प्रतिबंधित पशु की कुबार्नी नहीं होने दी जाएगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। इसके अलावा कुबार्नी के बाद निकलने वाले अवशेष और कचरे को निगम की गाड़ियों में डालने के निर्देश दिए गए, ताकि साफ-सफाई व्यवस्था बनी रहे। पानी, बिजली और सफाई व्यवस्था को लेकर संबंधित विभागों को भी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए है। त्योहार के दौरान सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने के लिए संवेदनशील इलाकों में सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी, जबकि गश्ती पुलिस बल लगातार इलाके में भ्रमण करेगा। अराजक तत्वों पर विशेष नजर रखी जा रही है, जिससे लॉ एंड आर्डर मेंटेन रहे और त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जा सके। थाना क्षेत्र के अंदर सभी सीसीटीवी को चालू रखने के आदेश भी उन्होंने दिए।

गन्ना किसानों के हित में सांसद ने केंद्र सरकार को दिए महत्वपूर्ण सुझाव

मोदीनगर (शिखर समाचार)। बागपत मोदीनगर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने नई दिल्ली में केंद्रीय उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी से मुलाकात कर उत्तर प्रदेश के गन्ना किसानों के हितों से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। सांसद ने गन्ना नियंत्रण आदेश-2026 में किसानों के हित में कई प्रावधान शामिल करने की मांग करते हुए केंद्रीय मंत्री को एक पत्र भी सौंपा।
सांसद ने बताया कि वर्तमान समय में गन्ना खरीद एवं भुगतान व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए गन्ना नियंत्रण आदेश-2026 तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में बड़ी संख्या में किसान चीनी मिलों पर निर्भर हैं, लेकिन समय पर गन्ना मूल्य भुगतान नहीं मिलने के कारण किसानों को आर्थिक संकट और परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसी समस्या के समाधान के लिए उन्होंने केंद्र सरकार के समक्ष कई व्यवहारिक सुझाव रखे हैं। डॉ. राजकुमार

सांगवान ने मांग की कि जो चीनी मिलें निर्धारित समय सीमा के भीतर किसानों का भुगतान नहीं कर रही हैं, उनके गन्ना खरीद केंद्रों के क्षेत्रफल में कमी की जाए। वहीं जो मिलें समय पर भुगतान कर रही हैं, उनके खरीद केंद्रों का क्षेत्रफल बढ़ाया जाए। उनका कहना है कि इससे चीनी मिलों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी तथा किसानों को समय पर भुगतान मिल सकेगा। सांसद ने यह भी सुझाव दिया कि प्रत्येक चीनी मिल द्वारा न्यूनतम एक हजार रुपये प्रति हेक्टेयर की दर से गन्ना क्षेत्र के विकास, किसानों के प्रशिक्षण, तकनीकी विस्तार तथा आधारभूत सुविधाओं पर व्यय किया जाए, जिससे खेती की गुणवत्ता और उत्पादन क्षमता में वृद्धि हो सके।
इसके अलावा उन्होंने छोटे गुड़ निर्माण केंद्रों यानी कोल्हुओं को पंजीकरण की बाध्यता से मुक्त करने की मांग की। साथ ही चीनी मिलों के बीच निर्धारित दूरी संबंधी बाध्यता समाप्त करने का सुझाव भी दिया, ताकि क्षेत्र में उद्योगों का विस्तार हो और किसानों को अधिक विकल्प उपलब्ध हो सकें। सांसद ने बताया कि केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने उनके सभी सुझावों पर गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया है।

राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर कांग्रेस कार्यकताओं ने किया नमन, कंप्यूटर और संचार क्रांति में योगदान को किया याद

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय, सेंट्रल मार्केट पुराने बस अड्डे गाजियाबाद में जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा की अध्यक्षता में पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न राजीव गांधी की पुण्यतिथि मनाई गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने राजीव गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके द्वारा देशहित में किए गए कार्यों को याद किया।
कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि राजीव गांधी देश के सबसे युवा प्रधानमंत्री थे, जिन्होंने मात्र 40 वर्ष की आयु में देश की बागडोर संभाली और भारत को आधुनिक तकनीक तथा संचार क्रांति की दिशा में आगे बढ़ाया। उनके कार्यकाल में कंप्यूटर और दूरसंचार क्षेत्र में जो क्रांति शुरू हुई, उसी का परिणाम है कि आज देश डिजिटल युग में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वक्ताओं ने कहा कि उस समय कंप्यूटर तकनीक का विरोध करने वाले लोग आज उसी तकनीक का लाभ लेकर सत्ता में बैठे हैं,

लेकिन राजीव गांधी के योगदान का उल्लेख नहीं करते।
सभा में यह भी कहा गया कि राजीव गांधी ने युवाओं को लोकतंत्र से जोड़ने के लिए मतदान की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया था, जिससे देश के करोड़ों युवाओं को मतदान का अधिकार प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित सभी कार्यकताओं और पदाधिकारियों ने राजीव गांधी के योगदान पर अपने विचार व्यक्त किए और जब तक सूरज चांद रहेगा, राजीव तेरा नाम रहेगा तथा राजीव गांधी अमर रहें के नारे लगाए।
इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा, पूर्व मंत्री सतीश शर्मा, सुशांत गोयल, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी एवं पूर्व महानगर अध्यक्ष लोकेश चौधरी, पार्षद सुनील चौधरी, सलमान मंसूरी, एनएसयूआई अध्यक्ष जितेंद्र कुमार शर्मा, सुरेंद्र कुमार शर्मा, मोहम्मद इरफान, रियाज अहमद सैफी, आबिद, आशुतोष गुप्ता, जिला मीडिया प्रभारी पंडित सुरेंद्र दोसा सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अश्वनी त्यागी ने किया।
इसके अतिरिक्त जयप्रकाश दुबे, पन्नालाल शर्मा, राजीव शर्मा, हरपाल सिंह, धीरेंद्र ध्यान, धर्मवीर, जाकिर हुसैन, सीमा, नजमीन, रूबी मलिक, हाजी खुर्शीद खान, शाहरुख, राजू शर्मा, हरेंद्र सिंह बाबा, आशीष त्यागी, मयंक त्यागी, अमित शर्मा, अरविंद गौतम, महेश चंद, श्रीपाल सिंह सहित सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।
कार्यक्रम के अंत में सभी मंडल एवं बूथ अध्यक्षों को मतदाता सूची भौतिक सत्यापन के लिए उपलब्ध कराई गई। निर्देश दिए गए कि प्रत्येक बूथ कार्यकर्ता अपने अपने क्षेत्र में मतदाता सूची का व्यक्तिगत रूप से सत्यापन कर वास्तविक रिपोर्ट तैयार करेंगे और जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा को सौंपेंगे। इसके बाद जिला अध्यक्ष द्वारा रिपोर्ट को जिलाधिकारी कार्यालय में आपत्ति एवं अनापत्ति के साथ जमा कराया जाएगा।

पढ़ाई से प्रतियोगिता तक संगोष्ठी में हापुड़ की तीन शिक्षिकाएं सम्मानित

हापुड़ (शिखर समाचार)। वाराणसी में मिशन शिक्षण संवाद के तत्वावधान में आयोजित पढ़ाई से प्रतियोगिता तक राज्य स्तरीय एक दिवसीय शिक्षक सम्मान एवं शैक्षिक संगोष्ठी में जनपद हापुड़ की तीन शिक्षिकाओं को उत्कृष्ट शैक्षिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया। संगोष्ठी में शिक्षा की गुणवत्ता, निपुण भारत मिशन तथा विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार विमर्श किया गया। मुख्य अतिथि पूनम मौर्य ने कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र के वास्तविक निमार्ता होते हैं। उनकी मेहनत, धैर्य और विश्वास ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखता है। उन्होंने शिक्षकों के समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि भावी पीढ़ी के निर्माण में उनकी भूमिका सर्वोपरि है। कार्यक्रम में प्राथमिक विद्यालय नंगला छज्जू (धौलाना) की पारुल प्रियम, प्राथमिक विद्यालय पिलखुआ की शिक्षामित्र शहाना शैफी तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय घुंघराला की पूजा चतुर्वेदी को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। पारुल प्रियम ने बताया कि पढ़ाई से प्रतियोगिता तक टीम विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को निःशुल्क शैक्षिक सामग्री एवं ऑनलाइन कक्षाएं उपलब्ध करा रही है, जिससे हजारों छात्र छात्राएं लाभान्वित हो रहे हैं।

नगर निगम के मोहन नगर जोनल कार्यालय का नगर आयुक्त ने किया औचक निरीक्षण

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने मोहन नगर जोनल कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। वह सुबह 10 बजे मोहन नगर जोनल प्रभारी सुशील प्रताप सिंह, कर अधीक्षक रामबली पाल को अनुपस्थित देख नाराजगी जाहिर की। उन्होंने तत्काल प्रभाव से वेतन काटने की निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने जन्म मृत्यु कार्यालय का भी निरीक्षण किया गया। 10 बजने पर भी कार्यालय न खुलने को देखते हुए संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिए गए। नगर आयुक्त ने कर विभाग में हाउस टैक्स और यूजर चार्ज जमा करने के लिए आए हुए आगंतुकों से भी वार्ता की। मौके पर अनियमितता सामने आने पर और रिकॉर्ड का रख रखाव सही प्रकार से ना की जाने पर स्पष्टीकरण मांगा। इसके अलावा श्याम पार्क साहिबाबाद की निवासी इंद्र मोहन शर्मा की समस्या का समाधान कराया और उन्हें

डेथ सर्टिफिकेट दिलवाया गया। हाउस टैक्स के नाम चेंज हेतु कार्यवाही को तेजी से करने के निर्देश दिए गए।नगर आयुक्त ने आगंतुकों के प्रति सद्भाव रखते हुए तेजी से समस्या के समाधान में कार्य करने के निर्देश टीम को दिए। आगंतुकों के लिए आवश्यक बैठने की व्यवस्था को बढ़ाने, बेंच लगवाने, पेयजल की व्यवस्था सभी आगंतुकों हेतु करने के निर्देश भी मौके पर दिए गए। उपस्थित रीगन नागर कर निरीक्षक, प्रमोद रावल रेवेन्यू इंस्पेक्टर, लिपिक राकेश निगम को संबंधित दस्तावेज और फाइलों के रखरखाव हेतु निर्देश दिए गए। अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार को प्रति सप्ताह समस्त जोनल कार्यालयों का निरीक्षण करने और निगरानी रखते हुए निदेर्शों का पालन कराने के आदेश दिए गए।

समाधान समारोह विशेष लोक अदालत को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित, अधिकाधिक नोटिस तामीला के निर्देश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शों के अनुपालन में माननीय उच्चतम न्यायालय में 21 से 23 अगस्त 2026 तक आयोजित होने वाले ह्लसमाधान समारोहह्व विशेष लोक अदालत के सफल आयोजन को लेकर गुरुवार को समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर की सचिव शिवानी रावत ने की। बैठक में सम्मन सेल प्रभारी के साथ विशेष लोक अदालत में चिन्हित वादों के पक्षकारों को अधिक से अधिक नोटिस तामीला सुनिश्चित कराने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। सचिव शिवानी रावत ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि नोटिस तामीला की प्रक्रिया प्रभावी ढंग से पूरी की जाए, ताकि अधिकाधिक मामलों का निस्तारण लोक अदालत के माध्यम से कराया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने समाधान समारोह विशेष लोक अदालत के संबंध में जनसामान्य के बीच व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किए जाने के भी निर्देश दिए, जिससे अधिक से अधिक लोग इस व्यवस्था का लाभ उठा सकें। बैठक में प्रभारी सम्मन सेल रोहताश सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

आईपीएल सट्टेबाजी गिरोह पर पुलिस का बड़ा प्रहार, छह सटोरिए गिरफ्तार

हापुड़ (शिखर समाचार)। आईपीएल मैचों में अवैध सट्टेबाजी के बढ़ते कारोबार पर हापुड़ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए छह सटोरियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 1.30 लाख रुपये नकद, छह मोबाइल फोन और एक टैबलेट बरामद किया है। शहर में तेजी से फैल रहे इस अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस की यह कार्रवाई अहम मानी जा रही है। थाना प्रभारी निरीक्षक मनीष चौहान ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर न्यू शिवपुरी निवासी निखिल गोयल और आवास विकास कॉलोनी निवासी सौरभ आनंद को गिरफ्तार किया गया। जांच के दौरान बरामद मोबाइल और टैबलेट में कई संदिग्ध एप्लीकेशन तथा लेन-देन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं। आरोपी इंटरनेट और मोबाइल फोन के माध्यम से लोगों से संपर्क कर सट्टा खिलाने का कार्य कर रहे थे। वहीं दूसरी कार्रवाई में पुलिस ने मोदीनगर रोड क्षेत्र से आदर्शनगर कॉलोनी निवासी रिंकू कुमार, आकाश, रोहित और विकास कुमार उर्फ रिंकू को सट्टा खेलते हुए गिरफ्तार कर नगदी बरामद की। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर पूरे नेटवर्क और उससे जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है। कॉल डिटेल और चैट रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है।

सिटी क्लब के रक्तदान शिविर में उमड़ा जनसहयोग, दर्जनों यूनिट रक्त संग्रहित

हापुड़ (शिखर समाचार)। विष्णु प्लाजा, रेलवे रोड स्थित सिटी क्लब द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए मानवता की मिसाल पेश की। शिविर का उद्घाटन दंत चिकित्सक डॉ. शशांक गर्ग ने फीता काटकर किया। इसके बाद आभार ब्लड चैरिटेबल सेंटर की टीम ने स्वास्थ्य मानकों का पालन करते हुए रक्त संग्रहण की प्रक्रिया संपन्न कराई। सिटी क्लब के सचिव नितिन गोयल ने बताया कि समाजहित में इस प्रकार के जनकल्याणकारी आयोजन समय-समय पर क्लब द्वारा आयोजित किए जाते हैं। डॉ. शशांक गर्ग ने कहा कि रक्तदान जीवन बचाने का सबसे बड़ा माध्यम है और शिविर में प्रत्येक रक्तदाता की स्वास्थ्य जांच के बाद ही रक्त एकत्रित किया गया। रक्तदान करने वालों में शिवम, सुमित, मुस्कान, छवि, आशीष, तरुण, अक्ष, हेमा, साक्षी, दीपक, संजय, विवेक, मयंक, कामाक्षी, नितिन, शशांक, चंचल, ग्रेसी, आसिफ सहित अनेक लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में नितिन गर्ग, मोहित गोयल, ऋषव गोयल, डॉ. सचिन बंसल, डॉ. सुरभि, डॉ. राहुल और डॉ. अश्वनी समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

साइबर ठगी के शिकार युवक को मिली राहत, पुलिस ने लौटाए 23 हजार रुपये

हापुड़ (शिखर समाचार)। साइबर अपराध के बढ़ते मामलों के बीच थाना हाफिजपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ठगी के शिकार युवक की 23 हजार रुपये की धनराशि वापस उसके खाते में दिला दी। रकम वापस मिलने पर पीड़ित ने पुलिस का आभार व्यक्त किया। थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद चौधरी ने बताया कि गांव नान निवासी कुनाल शर्मा के बैंक खाते से साइबर ठगों ने यूपीआई के माध्यम से 23 हजार रुपये निकाल लिए थे। मोबाइल पर लेन-देन का संदेश मिलने के बाद उन्हें धोखाधड़ी का पता चला। इसके बाद उन्होंने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए संबंधित राशि को होल्ड कराया और आवश्यक न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद बुधवार को पूरी रकम पीड़ित के खाते में वापस करा दी। पुलिस ने लोगों से साइबर अपराधियों से सतर्क रहने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना देने की अपील की है।

कन्हा श्याम रेस्टोरेंट में भीषण आग, 10 लाख रुपये का सामान जलकर राख

हापुड़(शिखर समाचार)। पिलखुवा क्षेत्र स्थित कन्हा श्याम रेस्टोरेंट एवं मंडप में गुरुवार सुबह अचानक भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हादसे में करीब 10 लाख रुपये के नुकसान का अनुमान है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह अचानक रेस्टोरेंट से धुआं उठता दिखाई दिया और देखते ही देखते आग ने पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें दूर-दूर तक दिखाई दे रही थीं। फायर कर्मियों ने लगातार प्रयास कर आग को आसपास के हिस्सों में फैलने से रोका। मंडप संचालक विक्रम सिंह ने बताया कि आग में रेस्टोरेंट का फर्नीचर, फ्रिज, एयर कंडीशनर समेत अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पूरी तरह जलकर नष्ट हो गए। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। पुलिस और अग्निशमन विभाग मामले की विस्तृत जांच कर रहे हैं।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
विकास पथ गाजियाबाद
(ISO 9001 :2015 एवं ISO 14001 :2015 प्रमाणित संस्था)

पत्रांक: 672/पी०ए०-टी०/2026-27 दिनांक : 21/05/2026

"ई-निविदा आमन्त्रण सूचना"

उपाध्यक्ष, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की ओर से विभिन्न कार्यों हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा सम्बन्धी समस्त विवरण व शर्तें गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की वैबसाइट **www.gdaghaziabad.in** पर उपलब्ध हैं एवं **UPLC** की वैबसाइट **https://etender.up.nic.in** पर निविदा विक्रय की तिथि में उपलब्ध होंगी। सम्बन्धित निविदाओं को ई-निविदा आमंत्रण सूचना में उनके सम्मुख दर्शायी गयी तिथियों पर डाउनलोड व अपलोड किया जा सकता है एवं प्राप्त ई-निविदाओं को उनके सम्मुख दर्शायी गयी तिथियों पर खोला जायेगा। निविदा में कोई भी संशोधन/परिमार्जन/परिवर्तन व अतिरिक्त सूचनाओं को वैबसाइट पर ही प्रकाशित किया जायेगा।

मुख्य अभियन्ता

ई-मेल : helplinegda@gmail.com, : @ Gda Ghaziabad : @ gdagzb
हेल्पलाईन 0120-4418 384, व्हाट्सएप: 9990988004 वेबसाईट: www.gdaghaziabad.in
एक सुन्दर शहर .... हमारा संकल्प

संक्षिप्त समाचार

एलएलबी परीक्षा तिथि बढ़ाने की मांग, विवि के गेट पर छात्रों ने जड़ा ताला

आगरा , एजेंसी। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय में एलएलबी परीक्षा की तिथि बढ़ाने की मांग को लेकर मंगलवार को छात्रों ने जमकर प्रदर्शन किया। अपनी मांगें लेकर बड़ी संख्या में छात्र पहले नियंत्रक ऑफिस पहुंचे, लेकिन वहां कोई अधिकारी या कर्मचारी मौजूद नहीं मिला। इससे नाराज छात्रों ने विश्वविद्यालय के मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया और कई कार्यालय बंद कराकर कर्मचारियों को बाहर निकाल दिया। छात्रों का कहना था कि लगातार समस्याएं उठाने के बावजूद उनकी सुनवाई नहीं की जा रही है। इसके बाद छात्र खंदारी परिसर स्थित कुलपति आवास पहुंच गए। यहां छात्रों ने भीषण गर्मी के बीच कई घंटे तक धरना-प्रदर्शन किया। छात्रों का आरोप था कि लंबे इंतजार के बावजूद कुलपति बाहर नहीं आईं और उनकी समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया गया। काफी देर बाद डीन एकेडमिक प्रो. मनु प्रताप मौके पर पहुंचे और छात्रों से ज्ञापन लिया। छात्रों ने मांग है कि एलएलबी परीक्षा 25 मई से बढ़ाकर 10 जून के बाद की जाए। उन्होंने छात्रों को जल्द निर्णय से अवगत कराने का आश्वासन दिया। प्रदर्शन के दौरान विकास यादव, सोनू, अंकित राजपूत, आशिका, रेखा, गौतम यादव, तनिष्क आदि सहित बड़ी संख्या में छात्र मौजूद रहे।

लेखपाल भर्ती और संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा की परखीं तैयारियां

लखनऊ , एजेंसी। कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार ने लेखपाल भर्ती की मुख्य लिखित परीक्षा तथा उप्र संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा-2026 की तैयारियों की समीक्षा के दौरान कहा कि परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए सतर्कता एवं समन्वय सुनिश्चित किया जाए। जिन जिलों में सर्वाधिक अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे, वहां विशेष सतर्कता बरतें। वह मंगलवार को मंडलायुक्तों, डीएम और जिलों के पुलिस प्रभारियों को परीक्षाओं के आयोजन के संबंध में दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि परीक्षा ड्यूटी में लगे सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का प्रशिक्षण कराया जाए, ताकि किसी चूक की संभावना न रहे। कोषागार से प्रश्नपत्र एवं अन्य गोपनीय सामग्री की निकासी निर्धारित केंद्र एवं सीरीज के अनुसार करें। अभ्यर्थियों की चेकिंग गंभीरता से हो। रेलवे स्टेशनों एवं बस अड्डों पर अभ्यर्थियों और उनके परिजनों की सुरक्षा एवं सुविधा के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात करें और होल्डिंग एरिया बनाएं।

तेज रफ्तार डंपर ने बाइक को रौंदा, सुसराल से लौट रहे युवक की मौत

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में घाटमपुर के पतारा कस्बे में बुधवार की सुबह तेज रफ्तार डंपर बाइक सवार को टक्कर मारते हुए कुचलकर भाग निकला। हादसे में बाइक सवार की मौके पर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। इस दौरान चौकी इंचार्ज को युवक के पास से मिले 50 हजार रुपए पुलिस ने परिजनों को सौंप दिया। कौशांबी जिले के अनेठा, कैमा गांव निवासी संजय (48) दो दिन पूर्व अपनी ससुराल जगदीशपुर गांव निवासी बब्बू सिंह के यहां पर आए थे। बुधवार सुबह ससुराल में कार खड़ी करके बाइक से वापस घर लौट रहे थे। जैसे ही वह कानपुर-सागर हाईवे पर कस्बा स्थित तिलसड़ा मोड के पास पहुंचे। तभी तेज रफ्तार डंपर बाइक सवार को टक्कर मारकर कुचलते हुए भाग निकला। हादसे में युवक की मौके पर मौत हो गई। राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पतारा चौकी पुलिस ने परिजनों को सूचना देकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया। थाना प्रभारी मनोज सिंह भदौरिया ने बताया कि तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, हादसे की सूचना मिलते मृतक की पत्नी माया और बेटी काजल का रो-रोकर बुरा हाल है।

सिद्धार्थ विहार की एसजी शिखर हाइट सोसाइटी में बिजली संकट गहराया, आक्रोशित निवासियों ने दी आंदोलन की चेतावनी

गाजियाबाद (शिखर समाचार)
सिद्धार्थ विहार स्थित एसजी शिखर हाइट सोसाइटी में लगातार बिगड़ती बिजली व्यवस्था और अन्य मूलभूत समस्याओं को लेकर निवासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। गुरुवार देर रात करीब डेढ़ बजे लगातार हो रही बिजली ट्रिपिंग और कटौती से परेशान लोगों ने सामूहिक रूप से संबंधित अधिकारियों और प्रबंधन के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। लोगों का आरोप है कि सोसाइटी में लंबे समय से बिजली व्यवस्था बदहाल बनी हुई है, लेकिन शिकायतों के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा। करीब 670 फ्लैटों वाली इस बहुमंजिला सोसाइटी में लगभग 70 प्रतिशत परिवार निवास कर रहे हैं। निवासियों के अनुसार दिनभर में 10 से 12 बार बिजली ट्रिपिंग होना आम बात बन चुकी है। आसपास की अन्य सोसाइटियों में बिजली आपूर्ति सामान्य रहने के बावजूद केवल एसजी शिखर हाइट के लोगों को लगातार परेशानी झेलनी पड़ रही है। लोगों ने आरोप लगाया कि बिल्डर एसजी स्टेटस और मेंटेनेंस प्रबंधन को कई बार

शिकायतें दी गईं, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया।

भीषण गर्मी के बीच घंटों बिजली बाधित रहने से बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लगातार वोल्टेज में उतार-चढ़ाव के कारण एसी, फ्रिज, टीवी और वॉशिंग मशीन जैसे महंगे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी खराब हो रहे हैं। निवासियों का कहना है कि सोसाइटी की आंतरिक बिजली व्यवस्था और लोड प्रबंधन पूरी तरह विफल हो चुका है, जिससे शॉर्ट सर्किट और आग लगने जैसी बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी हुई है।

बिजली कटौती के चलते ड३२ की लिफ्टें भी बार-बार बीच में बंद हो रही हैं। कई बार बच्चे, महिलाएं और वरिष्ठ नागरिक लिफ्ट में फंस चुके हैं। लोगों ने सवाल उठाया कि यदि भविष्य में कोई बड़ा हादसा होता है तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा।

निवासियों ने बताया कि केवल बिजली ही नहीं बल्कि कई अन्य गंभीर समस्याएं भी लंबे समय से बनी हुई हैं। इनमें लिफ्टों की लगातार खराबी, पार्किंग व्यवस्था में अनियमितताएं, सीवेज शोधन संयंत्र से जुड़ी समस्याएं, सिविल कार्यों में खामियां और सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही प्रमुख हैं।

सोसाइटीवासियों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद बिल्डर, मेंटेनेंस प्रबंधन और संबंधित विभाग केवल आश्वासन दे रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही। लोगों ने मांग की है कि तत्काल संयुक्त तकनीकी जांच कराई जाए और यह स्पष्ट किया जाए कि समस्या बिजली विभाग की आपूर्ति में है या सोसाइटी के आंतरिक ढांचे में।

निवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो वे बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन और आंदोलन करने को मजबूर होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विभागों और प्रबंधन की होगी।

गर्ल्स कॉलेज की जर्जर बिल्डिंग में अब नहीं होगी पढ़ाई

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी के हुसैनगंज स्थित चुटकी भंडार गर्ल्स इंटर कॉलेज की जर्जर बिल्डिंग में अब पढ़ाई या कोई भी शिक्षण कार्य नहीं होगा। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार पांडेय को निर्देश दिया कि सप्ताह भर में कालेज में पढ़ाई या कोई भी शैक्षणिक कार्य न होना सुनिश्चित करें।

न्यायमूर्ति आलोक माथुर और न्यायमूर्ति बृजराज सिंह की खंडपीठ ने डीआईओएस को स्पष्ट रूप से आदेश दिया है कि जिस भवन में चुटकी भंडार गर्ल्स इंटर कॉलेज संचालित हो रहा है, उसकी अत्यंत जर्जर स्थिति को देखते हुए, समस्त शैक्षणिक कार्यों को बंद करके सभी विद्यार्थियों को निकटवर्ती विद्यालयों में स्थानांतरित किया जाए। कोर्ट ने यह आदेश विजय कुमार पांडेय की जनहित याचिका पर दिया। इसमें, कॉलेज की दयनीय स्थिति और छात्राओं की सुरक्षा का मुद्दा उठाया गया था।

अदालत ने कहा कि मामले में पहले डीआईओएस तथा लोक

निर्माण विभाग के अभियंताओं से कॉलेज भवन का निरीक्षण कराए जाने का निर्देश दिया गया था। इसकी निरीक्षण रिपोर्ट 28 अप्रैल को पेश की गई है। इसके अनुसार विद्यालय भवन की अधिकांश दीवारों में शीयर फेल्योर क्रैक तथा स्ट्रक्चरल फेल्योर के स्पष्ट संकेत पाए गए हैं। भवन की छत प्रबलित ईंटों (री इंफोर्स्ड ब्रिक) से निर्मित है तथा उक्त संरचना की मरम्मत की कोई संभावना नहीं है।

ऐसे में संपूर्ण भवन को असुरक्षित घोषित किया गया है। ऐसी असुरक्षित संरचना में कक्षाओं का संचालन भी अनुमति योग्य नहीं है। कोर्ट ने आदेश में कॉलेज में काम कर रही सभी शिक्षकों, चतुर्थ श्रेणी व तृतीय श्रेणी शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को भी एक सप्ताह के अंदर आसपास के स्कूलों में समायोजित करने के निर्देश दिए हैं।

बिजनौर में कल से शुरू होगा मकानों की गणना का महाअभियान, 7952 कार्मिक तैनात

बिजनौर (शिखर समाचार)। भारत की जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत जनपद में 22 मई से मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य प्रारंभ किया जाएगा। प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी एवं जिलाधिकारी जसजीत कौर ने बताया कि यह अभियान 20 जून 2026 तक लगातार संचालित रहेगा।

इस वृहद अभियान को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। जनपद की सभी पांच तहसीलों और 18 नगर निकायों में एक साथ गणना कार्य किया जाएगा। पूरे बिजनौर जनपद को कुल 7,971 मकानसूचीकरण ब्लॉकों में विभाजित किया गया है। घर-घर जाकर जानकारी एकत्र करने के लिए कुल 7,952 अधिकारी एवं कर्मचारियों की तैनाती की गई है। इनमें 6,843 प्रगणक तथा 1,109 पर्यवेक्षक शामिल हैं।

जिलाधिकारी ने बताया कि धामपुर तहसील में सर्वाधिक 1,888 कार्मिक लगाए गए हैं। इसके अलावा नजीबाबाद में 1,231,

चांदपुर में 1,220, नगीना में 873 तथा बिजनौर तहसील में 854 कर्मचारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि वे इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य को पूरी गंभीरता, पारदर्शिता और सटीकता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करें। साथ ही उन्होंने आमजन से अपील की कि वे अपने घर आने वाले प्रगणकों को सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराकर अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें।

बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर प्रशासन सतर्क, जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने की बैठक

हापुड़ (शिखर समाचार)। आगामी बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी कविता मीना एवं पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद स्तरीय अधिकारियों को पर्व के दौरान सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने कहा कि बकरीद के अवसर पर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

बैठक में बताया गया कि अपर

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित कर विभिन्न समुदायों के धर्मगुरुओं एवं संभ्रांत नागरिकों से आपसी सौहार्द बनाए रखने की अपील की गई है।

प्रशासन द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि कुबार्नी केवल पूर्व निर्धारित एवं चिन्हित स्थलों पर ही की जाएगी। खुले स्थान, सड़क अथवा सार्वजनिक स्थलों पर कुबार्नी पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। गोवंशीय पशुओं की कुबार्नी पर भी पूर्ण प्रतिबंध रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिका परिषद हापुड़, गढ़मुक्तेश्वर एवं पिलखुवा को कुबार्नी के बाद अवशेषों के तत्काल निस्तारण और साफ-सफाई के लिए विशेष टीम गठित करने के निर्देश दिए गए हैं।

सुरक्षा व्यवस्था के तहत सभी थाना क्षेत्रों के संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा तथा मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में लगातार गश्त की जाएगी। इसके अलावा पर्व के दिन निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विद्युत विभाग को भी आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ बकरीद का पर्व मनाएं तथा किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल कंट्रोल रूम नंबर 0122-2304834 या डायल 112 पर देने की अपील भी की गई।

पांच हजार उपभोक्ताओं को बड़ी राहत, खंदौली में नया विद्युत उपकेंद्र शुरू; 8 करोड़ की लागत से हुआ तैयार

आगरा, एजेंसी। आगरा के खंदौली क्षेत्र की बिजली व्यवस्था को दुरुस्त करने की दिशा में मंगलवार को बड़ी सौगात मिली। करीब आठ करोड़ 15 लाख रुपये की लागत से बनकर तैयार 10 एमवीए क्षमता वाले खंदौली टाउन विद्युत उपकेंद्र का उद्घाटन केंद्रीय राज्यमंत्री एसपी सिंह बघेल और एत्मादपुर के भाजपा विधायक धर्मपाल सिंह चौहान ने किया। उपकेंद्र के चालू होने से क्षेत्र के करीब पांच हजार उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत आपूर्ति मिलेगी।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों ने कहा कि सरकार ग्रामीण एवं कस्बाई क्षेत्रों में विद्युत ढांचे को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। नए उपकेंद्र के शुरू होने से ओवरलोड की समस्या कम होगी और उपभोक्ताओं को बार-बार होने वाली बिजली कटौती से राहत मिलेगी।

अधीक्षण अभियंता सोनवीर सिंह ने बताया कि पुराने सेमरा फीडर क्षेत्र को भी इस उपकेंद्र से जोड़ा जाएगा। अब तक उजरई फीडर से आने वाली पुरानी एचटी लाइन के कारण आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित रहती थी, लेकिन नए उपकेंद्र के संचालन से बिजली व्यवस्था अधिक सुचारु हो सकेगी। इस दौरान अधिशासी अभियंता मनोज कुमार, उपखंड अधिकारी नेहा तोमर, अरुण कुमार, यतेंद्र सिंह, अवर अभियंता शिव सिंह, नीलेश सक्सेना, विनोद शर्मा, हरिओम जूरैल, यशपाल जूरैल, जिला पंचायत सदस्य बब्बू चौहान और भाजपा नगर महामंत्री मुकेश गुप्ता आदि मौजूद रहे।

9 दिन तक रोजाना 2 घंटे रहेगी बिजली कटौती

आगरा ग्वालियर रोड 33/11बाद फीडर के अवर अभियंता राहुल चौधरी ने बताया है कि विद्युत विभाग की ओर से ट्रांसफार्मर को बचाने के लिए फ्यूज बॉक्स प्रत्येक ट्रांसफॉर्मर पर लगाए जा रहे हैं। इसके चलते फीडर इटौरा, बाद, कबूलपुर, सिंगेचा, रोहता, इटौरा 2 फीडरों पर प्रत्येक दिन दो घंटे की कटौती 20 मई से 28 मई तक रहेगी।

बरेली बवाल: मौलाना तौकीर रजा पर कानूनी शिकंजा कसने की तैयारी, मॉनीटरिंग सेल पैरवी करेगी तेज

बरेली, एजेंसी। बरेली में पिछले साल 26 सितंबर को शहर में बवाल कराने के आरोपी मौलाना तौकीर रजा और उसके साथियों को सख्त सजा दिलाने की तैयारी है। मुख्य आरोपी मौलाना तौकीर रजा समेत 94 आरोपियों के खिलाफ दर्ज सभी मुकदमों में चार्जशीट दाखिल करने के बाद अब मॉनीटरिंग सेल कोर्ट में कानूनी पैरवी तेज करेगी।

26 सितंबर को आई लव मुहम्मद विवाद की आड़ में बरेली में आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां ने माहौल भड़काया था। मौलाना ने जुमे की नमाज के बाद लोगों से इस्लामिया मैदान पर जुटकर विरोध करने की अपील की थी। इसके बाद सड़कों पर उतरी हजारों की भीड़ ने पुलिस पर हमला कर वाहनों व दुकानों में तोड़फोड़ की और पुलिस पर भी फायरिंग कर दी। पुलिस ने आंसू गैस छोड़कर लोगों को खदेड़ा। भागते हुए आरोपियों ने पेट्रोल बम फोड़े थे।

बवाल के लिए मंगाए गए थे असलहा

बवाल की जांच में पता लगा कि बहेड़ी इलाके से असलहों की खेप भी मंगवाई गई थी। इन्हीं असलहों से की गई फायरिंग में कई पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। श्यामगंज में हालात इस कदर बिगड़ गए कि खुद एसएसपी अनुराग आर्य को लाठी फटकार कर बवालियों को खदेड़ना पड़ा था। बवाल के बाद शहर के पांच थानों में दस मामले दर्ज किए गए थे। इसमें 125 लोगों को नामजद करने के साथ ही करीब तीन हजार लोगों को आरोपी बनाया गया था।

पुलिस ने मौलाना तौकीर रजा समेत 94 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। मौलाना फिलहाल फतेहगढ़ सेंट्रल जेल में बंद है। कुछ लोगों की जमानत हो चुकी है तो कई अब भी जेल में हैं। कुछ मामलों में गिरफ्तारी न होने पर विवेचना पार्ट पेंडिंग में चल रही है।

एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि मौलाना तौकीर के खिलाफ दर्ज सभी मामलों में चार्जशीट पहले ही दाखिल हो चुकी है। अब मॉनीटरिंग सेल कोर्ट में ट्रायल के दौरान मॉनीटरिंग तेज करेगी।

किसानों की समस्याओं को लेकर भाकियू ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

शामली (शिखर समाचार)
आलोक यादव से गुरुवार को भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने मुलाकात कर किसानों एवं ग्रामीण क्षेत्रों की विभिन्न समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग उठाई।

ज्ञापन में भाकियू नेताओं ने कहा कि ग्राम चौन्दाहेड़ी में करीब 20 वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री सड़क योजना के अंतर्गत बनी सड़क जर्जर हालत में पहुंच चुकी है, जिसका पुनर्निर्माण कराया जाए। इसके अलावा गांव चौन्दाहेड़ी को सिकंदरपुर बिजलीघर के स्थान पर नौनांगली बिजलीघर से जोड़ने की मांग की गई। उनका कहना था कि नौनांगली बिजलीघर गांव से मात्र एक किलोमीटर दूर है, जबकि वर्तमान बिजली आपूर्ति 5 से 6 किलोमीटर दूर स्थित सिकंदरपुर

बिजलीघर से हो रही है।

भाकियू पदाधिकारियों ने ग्राम भैसानी इस्लामपुर में जर्जर हाईटेंशन बिजली पोल बदलवाने की मांग भी उठाई। वहीं जनपद में यूरिया और डीएपी खाद की किल्लत एवं कालाबाजारी पर चिंता जताते हुए आरोप लगाया कि निजी दुकानदार किसानों पर खाद के साथ कीटनाशक दवाइयां खरीदने का दबाव बनाते हैं। साथ ही सहकारी समितियों की अपेक्षा निजी दुकानदारों को अधिक खाद उपलब्ध कराए जाने का भी आरोप लगाया।

ज्ञापन में जल जीवन मिशन के तहत हुए कार्यों की जांच कराने की मांग करते हुए कहा गया कि जनपद में बनी पानी की टंकियों एवं चालू परियोजनाओं की धरातलीय जांच कराई जाए। किसानों को सिंचाई के लिए निर्धारित 10 घंटे के स्थान पर केवल 5 से 6 घंटे ही बिजली मिलने का मुद्दा भी उठाया गया।

इसके अलावा जनपद में बढ़ते एमएसडब्ल्यू वेस्ट के उपयोग, ग्राम करौदा हाथी में बंदरों के आतंक तथा ग्राम राझड़ के ग्राम पंचायत अधिकारी पर फोन न उठाने और कार्यालय में अनुपस्थित रहने के आरोप भी ज्ञापन में शामिल किए गए।

भाकियू नेताओं ने जिलाधिकारी से सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने की मांग की। इस दौरान बाबा संजय कालखाड़े, आशीष चौधरी, जावेद तोमर, प्रभात मलिक एवं कविता चौधरी मौजूद रहे।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को कांग्रेसियों ने किया नमन, बोले- देश को दी नई तकनीकी दिशा

शामली (शिखर समाचार)। गुरुवार को शहर के एसटी तिराहा स्थित एकता पार्क में जिला कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं ने राजीव गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके योगदान को याद किया।

सहारनपुर कोऑर्डिनेटर ओमप्रकाश शर्मा ने कहा कि राजीव गांधी ने भारत में सूचना प्रौद्योगिकी और दूरसंचार क्रांति की नींव रखी। उन्होंने युवाओं को 18 वर्ष की आयु में मतदान का अधिकार दिलाने और पंचायती राज व्यवस्था को सशक्त बनाने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी

दूरदर्शी नेता थे, जिन्होंने देश को आधुनिक सोच के साथ आगे बढ़ाने का प्रयास किया। कार्यक्रम में मौजूद कांग्रेस कार्यकताओं ने उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरान ओमवीर उपाध्याय, शेखरपाल, रविंद्र आर्य, सोहिल धीमान, पंडित ज्योति प्रसाद, श्रीराम शर्मा, डॉ. श्रीपाल सिंह, सागर चौधरी, मास्टर नरेंद्र सिंह और आदेश कश्यप सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भविष्य उन्मुख शिक्षा को लेकर उत्तर प्रदेश में राज्य स्तरीय विचार मंथन, कॉरपोरेट सहयोग बढ़ाने पर जोर

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा भविष्य उन्मुख शिक्षा को बढ़ावा देने तथा कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के माध्यम से शिक्षा क्षेत्र में सहयोग को सशक्त बनाने के उद्देश्य से नोएडा में उत्तर प्रदेश सीएसआर राउंड टेबल 2026 ऑन फ्यूचर रेडी एजुकेशन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन इन्वेस्ट यूपी एवं सीएसआरबॉक्स के सहयोग से किया गया, जिसमें कॉरपोरेट संस्थानों, सीएसआर फाउंडेशनों और विकास क्षेत्र से जुड़े 100 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संदीप सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा, महानिदेशक बेसिक शिक्षा मोनिका रानी सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। गोलमेज बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, निपुण भारत मिशन तथा पीएम श्री योजना के अनुरूप शिक्षा क्षेत्र की विभिन्न प्राथमिकताओं पर विस्तार से चर्चा की गई। विचार-विमर्श के प्रमुख विषयों में आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान, डिजिटल और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित शिक्षा, विद्यालयी आधारभूत संरचना को मजबूत करना, शिक्षक क्षमता विकास,

बालिका शिक्षा तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास से जुड़े मुद्दे शामिल रहे।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न संस्थाओं द्वारा डिजिटल शिक्षा, विज्ञान-प्रौद्योगिकी-इंजीनियरिंग-गणित शिक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता शिक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण, छात्रवृत्ति और व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्रों में सहयोग के लिए आशय पत्र प्रस्तुत किए गए।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए संदीप सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार का लक्ष्य प्रदेश को शिक्षा के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाना है। उन्होंने कहा कि सरकार प्रत्येक बच्चे तक स्मार्ट कक्षाओं सहित तकनीक आधारित शिक्षा पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में समान विचारधारा वाले साझेदारों के साथ मिलकर शिक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सशक्त बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

बैठक में क्ल॰१२३ वढ द्वारा संचालित सीएसआर सहयोग मॉडल की सराहना करते हुए राज्य में ऐसे समर्पित सीएसआर सहयोग प्रकोष्ठ को और मजबूत बनाने पर बल दिया गया, जो शासन और सीएसआर संस्थाओं के बीच समन्वय तथा क्रियान्वयन में सहयोग प्रदान कर सके।

कार्यक्रम के अंत में बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग ने गुणवत्तापरक, समावेशी, तकनीक-सक्षम और परिणामोन्मुख शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कॉरपोरेट एवं विकास साझेदार संस्थाओं के साथ समन्वित प्रयास जारी रखने की प्रतिबद्धता की।

नगीना में एनएचएम संविदा स्वास्थ्य कर्मियों का कार्य बहिष्कार, वेतन न मिलने पर धरना

नगीना / बिजनौर (शिखर समाचार)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगीना में नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) के तहत कार्यरत संविदा डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों ने पिछले दो माह से वेतन न मिलने के विरोध में गुरुवार सुबह से अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार और धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया।

एनएचएम ब्लॉक कोतवाली और सीएचसी नगीना यूनियन के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कर्मचारी सुबह अस्पताल परिसर में एकत्र हुए। कर्मचारियों ने ह्लवेतन नहीं तो काम नहींह्व के नारे के साथ अस्पताल के मुख्य द्वार के सामने दरी बिछाकर धरना दिया।

प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों का कहना है कि उनका दो माह का वेतन पहले से बकाया है, जबकि तीसरे माह का वेतन भी देय हो चुका है। आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे कर्मचारियों ने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत शांतिपूर्ण ढंग से कार्य बहिष्कार शुरू किया है।

धरने में डॉक्टर नवेद इकबाल, डॉक्टर माज जलील शमसी, डॉक्टर प्रज्वल, डॉक्टर राहुल, डॉक्टर विशाल कुमार, डॉक्टर आरएसएम जैदी और डॉक्टर मीनाक्षी रस्तोगी शामिल रहे। इनके साथ स्वास्थ्य कर्मी गौरव, अरुण, हितेश, दीपक, पूजा विश्नोई, स्वाति, रमनजीत कौर, अर्चना सिंह, प्रमोद देवी, शक्ति सिंह, मनीष कुमार, पीयूष कुमार, सना उल हक, मीनाक्षी, बबीता, फैजान और अभिषेक समेत समस्त एनएचएम व एएनएम स्टाफ धरने पर मौजूद रहा।

स्वास्थ्य कर्मियों की इस हड़ताल से सीएचसी नगीना की सामान्य स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि जब तक बकाया वेतन का भुगतान नहीं किया जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

डीएम आलोक यादव ने झिंझाना व गढ़ीपुख्ता नगर पंचायतों का किया निरीक्षण, सफाई व व्यवस्था सुधारने के दिए निर्देश

शामली (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी आलोक यादव ने गुरुवार को नगर पंचायत झिंझाना एवं नगर पंचायत गढ़ीपुख्ता कार्यालयों का निरीक्षण कर साफ-सफाई, अभिलेख व्यवस्था, कर वसूली तथा जनहित कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए व्यवस्थाओं में सुधार लाने के निर्देश दिए।

नगर पंचायत झिंझाना कार्यालय के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पुराने व अनुपयोगी सामान को हटाने तथा आगामी जनगणना की तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने नगर में बेहतर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए सड़क किनारे ठेला लगाने वाले दुकानदारों को डस्टबिन रखने के लिए प्रेरित करने को कहा। साथ ही नगर के सौंदर्यीकरण को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष सुरेश पाल कश्यप एवं अधिशासी अधिकारी समीर कश्यप मौजूद रहे।

इसके बाद जिलाधिकारी ने नगर पंचायत गढ़ीपुख्ता कार्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने रिकॉर्ड रूम में अभिलेखों को व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए तथा कहा कि निलंबित कर्मचारी सत्येंद्र कुमार यदि दो दिन के भीतर चार्ज नहीं देते हैं तो उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने आईजीआरएस रजिस्टर का भी निरीक्षण किया और शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता की जांच की। उन्होंने शिकायतकताओं से फोन पर वार्ता कर फीडबैक भी प्राप्त किया। आगामी मानसून को देखते हुए नालों की समय से सफाई कराने के निर्देश भी दिए गए।

कर संग्रह कक्ष के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निकाय की आय बढ़ाने के उद्देश्य से उपविधि बनाकर जलकर लागू करने के निर्देश दिए। साथ ही विभिन्न निर्माण कार्यों के एस्टीमेट तैयार कर शासन को भेजने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष प्रमोद कुमार, अधिशासी अधिकारी विनोद कुमार सोलंकी सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

नाबालिग का धर्मांतरण कराने वाला आरोपी वसीम हिरासत में

अभिषेक झा, एसपी बिजनौर

बिजनौर (शिखर समाचार)। जनपद के बहुचर्चित नाबालिग धर्मांतरण मामले में पुलिस ने आरोपी वसीम को हिरासत में ले लिया है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने बताया कि 18 मई को थाना शहर कोतवाली में एक व्यक्ति ने तहरीर देकर आरोप लगाया था कि गांव काजीवाला निवासी वसीम उसके नाबालिग पुत्र को सैलून का काम सिखाने के बहाने जम्मू-कश्मीर ले गया था। पुलिस जांच के अनुसार आरोपी ने नाबालिग को अपनी पुत्री से विवाह का प्रलोभन दिया और कुपवाड़ा जिले के मनीगांव स्थित एक मस्जिद में उसका धर्म परिवर्तन करा दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू की और नाबालिग को बरामद कर लिया। गुरुवार को पुलिस ने आरोपी वसीम को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में पता चला कि आरोपी नाबालिग से पहले से परिचित था। पुलिस अब मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की तैयारी कर रही है। दूसरी ओर, कुछ संगठनों द्वारा नाबालिग की सनातनी परंपरा के अनुसार वापसी कराए जाने की भी सूचना प्राप्त हुई है। पुलिस प्रशासन क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्क है।

तेज रफ्तार कार नमो भारत ट्रैक के पिलर से टकराकर पलटी, दो युवकों की मौत, चार घायल

मृतक अंकित तिवारी का फाइल फोटो

मृतक आदेश कसाना का फाइल फोटो

मोदीनगर (शिखर समाचार)। दिल्ली-मेरठ मार्ग पर सौदा रोड के पास बृहस्पतिवार तड़के तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर नमो भारत रेलवे ट्रैक के पिलर और डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गई। भीषण हादसे में कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार मेरठ के परतापुर थाना क्षेत्र के कुंडा गांव निवासी आदेश कसाना, कुलदीप कसाना, रोहित कसाना और आदेश पाल के अलावा मेरठ के रिठानी निवासी हिमांशु पाल तथा लोनी निवासी अंकित तिवारी कार से लोनी में अपने एक दोस्त की जन्मदिन पार्टी में शामिल होने गए थे। बृहस्पतिवार तड़के सभी लोग वापस मेरठ लौट रहे थे।

बताया गया कि जैसे ही उनकी कार दिल्ली-मेरठ मार्ग पर सौदा रोड से आगे कर्मचारी राज्य बीमा चिकित्सालय के सामने पहुंची, तभी अचानक चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। तेज रफ्तार कार नमो भारत ट्रेन ट्रैक के डिवाइडर और पिलर से टकराने के बाद कई पलटियां खाती चली गई। हादका इतना भीषण था कि टक्कर की आवाज काफी दूर तक सुनाई दी। दुर्घटना के बाद कार से धुआं निकलने लगा और कुछ हिस्से में आग भी लग गई, जिसे आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल बुझा दिया।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कार में फंसे युवकों को बाहर निकालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस ने औजारों से कार के हिस्से काटकर घायलों और मृतकों को बाहर निकाला तथा अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने 30 वर्षीय आदेश कसाना और 25 वर्षीय अंकित तिवारी को मृत घोषित कर दिया।

हादसे में घायल रोहित कसाना को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, जबकि कुलदीप कसाना, आदेश पाल और हिमांशु पाल की हालत गंभीर होने पर उन्हें मेरठ के अस्पताल में रेफर किया गया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जिस स्थान पर हादसा हुआ वहां एक सफाई कर्मी सफाई कार्य कर रही थी और डिवाइडर पर एक व्यक्ति सोया हुआ था। गनीमत रही कि दोनों इस भीषण हादसे में बाल-बाल बच गए।

एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि दोनों मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए हैं तथा दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

अखिल भारतीय अग्रवाल समाज ट्रस्ट ने मेधावी छात्र छात्राओं को किया सम्मानित

शामली। (शिखर समाचार) अखिल भारतीय अग्रवाल समाज ट्रस्ट रजि. शामली द्वारा गुरुवार को नगर पालिका सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक एवं मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कोतवाली शामली प्रभारी सचिन शर्मा, संस्था अध्यक्ष आकाश गुप्ता तथा समाजसेवी सुमित बंसल ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

बैठक को संबोधित करते हुए आकाश गुप्ता ने कहा कि संस्था समाज हित में लगातार विभिन्न कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि हाल ही में छात्र-छात्राओं के उत्थान के लिए आयोजित कैरियर काउंसलिंग कैम्प में जिलेभर से हजारों विद्यार्थियों ने प्रतिभाग कर लाभ प्राप्त किया था।

इस अवसर पर कोतवाली प्रभारी सचिन शर्मा ने कहा कि समाज को सशक्त और संगठित बनाने के लिए ऐसे सामाजिक संगठनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इनके माध्यम से समाज को नई दिशा और मजबूती मिलती है। कार्यक्रम के दौरान समाज के 45 मेधावी छात्र-छात्राओं को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

इस मौके पर राहुल तायल, नीरज संगल, उत्तम जिंदल, राजीव गोयल, नीरज मित्तल, प्रवीन गोयल, रजत बिंदल, पंकज बंसल, अमित मित्तल, पंकज गर्ग तथा संजीव संगल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कानपुर में किशोर के साथ कथित जाति आधारित हिंसा पर लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास ने सौंपा ज्ञापन

शामली। (शिखर समाचार) लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के पदाधिकारियों ने सचेंडी थाना क्षेत्र के गांव झखरा संभरपुर में एक किशोर के साथ हुई कथित जाति आधारित हिंसा की घटना की निंदा करते हुए मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन एसडीएम सदर को सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि 2 मई 2026 को गांव झखरा संभरपुर में 16 वर्षीय किशोर शिवम कोरी के साथ कथित रूप से अमानवीय व्यवहार किया गया। आरोप है कि दबंगों ने बाल्टी छूने को लेकर धर्म भ्रष्ट होने का आरोप लगाते हुए किशोर के साथ मारपीट की तथा जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया।

पार्टी पदाधिकारियों ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि दोषियों के विरुद्ध अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेजा जाए तथा पीड़ित परिवार को न्याय दिलाया जाए। ज्ञापन में कहा गया कि ऐसी घटनाएं समाज में जातिवाद जैसी गंभीर समस्या को बढ़ावा देती हैं, इसलिए भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कठोर कदम उठाए जाने आवश्यक हैं। इस दौरान जिलाध्यक्ष गुलफाम मीर, वाजिद, बबलू, अंकुश, सनोज, सोनू कोरी, गुलरोज खान, शाबीन आदि मौजूद

दोस्तों संग हरिद्वार घूमने गया युवक संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

रखूपुरा (शिखर समाचार)। कस्बा रखूपुरा के मोहल्ला शहीद नगर निवासी एक युवक दोस्तों के साथ हरिद्वार घूमने जाने के बाद संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। युवक के परिजनों ने किसी अनहोनी की आशंका जताते हुए पुलिस से शिकायत की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और युवक के साथ गए दोस्तों से पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार मोहल्ला शहीद नगर निवासी अमित वर्मा (41) 10 मई को कस्बे के ही अपने कुछ दोस्तों के साथ टैक्सी कार से हरिद्वार घूमने के लिए गया था। बताया गया कि हरिद्वार भ्रमण के बाद उसके सभी दोस्त 16 मई को वापस रखूपुरा लौट आए, लेकिन अमित उनके साथ घर नहीं पहुंचा। परिजनों का आरोप है कि युवक के वापस न आने के बावजूद उसके दोस्तों ने कई दिनों तक परिवार को इसकी जानकारी नहीं दी। करीब पांच दिन तक अमित के घर नहीं लौटने और कोई संपर्क न होने पर परिजनों की चिंता बढ़ गई। गुरुवार को परिवार के लोगों ने पुलिस को शिकायत देकर युवक के साथ किसी अनहोनी की आशंका जताई तथा उसे जल्द तलाशने की मांग की। इस संबंध में पुलिस का कहना है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए अमित के साथ हरिद्वार गए उसके दोस्तों से पूछताछ की जा रही है। युवक की तलाश के लिए आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई है और विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

गाली-गलौज का विरोध करने पर तीन लोगों पर फायरिंग का आरोप, एक घायल

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर क्षेत्र के गांव धनसिया में गाली-गलौज का विरोध करने पर तीन लोगों पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग करने का आरोप लगा है। घटना में गोली के छर्रे लगने से एक व्यक्ति घायल हो गया, जिसका कस्बे के एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। गांव धनसिया निवासी नीरज ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका एक मैरिज होम है। बुधवार को उनका भाई हिमांशु मैरिज होम पर बैठा हुआ था। इसी दौरान वहां तीन लोग पहुंचे और हिमांशु के साथ गाली-गलौज करने लगे। नीरज ने बीच-बचाव कर उन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी नहीं माने। विरोध करने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से चले गए। पीड़ित का आरोप है कि रात में आरोपी उनके घर पहुंच गए और गेट खोलने के लिए आवाज लगाने लगे। जब नीरज ने गेट खोला तो आरोपियों ने उन पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। फायरिंग में नीरज बाल-बाल बच गए, लेकिन उनके पास खड़े चाचा नरेश गोली के छर्रे लगने से घायल हो गए। परिजनों ने उन्हें तत्काल एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस का कहना है कि शिकायत प्राप्त होने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई है तथा आरोपियों की तलाश की जा रही है।

दहेज में अतिरिक्त 11 लाख की मांग पूरी न होने पर महिलाओं के उत्पीड़न का आरोप

जेवर (शिखर समाचार)। सूरजपुर निवासी एक व्यक्ति ने जेवर की आर एंड आर कॉलोनी, नगला शरीफ खां निवासी अपनी दो बेटियों के ससुराल पक्ष पर अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर उत्पीड़न और मारपीट करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर 9 नामजद समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सूरजपुर निवासी शकील सैफी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उन्होंने अपनी दो बेटियों रजिया और नईमा का विवाह 22 मार्च 2023 को दानिश और सालिम के साथ किया था। आरोप है कि शादी में करीब 25 लाख रुपये खर्च किए गए तथा पर्याप्त दान-दहेज भी दिया गया था, लेकिन इसके बावजूद ससुराल पक्ष दहेज से संतुष्ट नहीं था। पीड़ित का आरोप है कि विवाह के कुछ समय बाद ही ससुराल पक्ष ने अतिरिक्त 11 लाख रुपये की मांग शुरू कर दी। आरोप है कि बेटियों के साथ मारपीट और मानसिक उत्पीड़न किया जाने लगा। शिकायत में कहा गया है कि विवाद बढ़ने पर पीड़ित ने आरोपियों को दो लाख रुपये भी दिए थे। उस समय आरोपियों ने आगे बेटियों को परेशान न करने का भरोसा दिया था, लेकिन इसके बाद भी कथित उत्पीड़न जारी रहा। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने दोनों बेटियों के पति, सास, ससुर, देवर, ननद समेत 9 नामजद और अन्य लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बिजली कटौती से नाराज युवकों ने बिजलीघर में घुसकर एसएसओ से की मारपीट

दादरी (शिखर समाचार)। भीषण गर्मी और लगातार हो रही बिजली कटौती को लेकर लोगों का गुस्सा अब बिजली विभाग के कर्मचारियों पर फूटने लगा है। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के जीटी रोड स्थित बिसनोली बिजलीघर पर बुधवार देर रात कुछ युवक पहुंच गए और वहां तैनात एसएसओ के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर दी। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, जिसके बाद मामला शांत हुआ। बताया गया है कि क्षेत्र में लगातार हो रही बिजली कटौती से लोग काफी परेशान हैं। बुधवार रात भी लंबे समय तक बिजली आपूर्ति बाधित रहने पर कुछ युवक गुस्से में बिजलीघर पहुंच गए। आरोप है कि वहां मौजूद एसएसओ से युवकों ने अभद्रता शुरू कर दी और विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की। शोर-शराबा सुनकर बिजलीघर पर तैनात अन्य कर्मचारी भी मौके पर पहुंच गए और बीच-बचाव का प्रयास किया। घटना के दौरान मौजूद लोगों ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो बना लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में युवकों द्वारा हंगामा और अभद्र व्यवहार करते हुए देखा जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि भीषण गर्मी में लगातार बिजली कटौती से बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रात में अंधेरा रहने से चोरी और अन्य आपराधिक घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। सूचना मिलने पर बादलपुर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस के पहुंचने के बाद युवक वहां से लौट गए। मामले को लेकर बिजली विभाग ने नाराजगी जताई है। अधिशासी अभियंता प्रवीण कुमार ने बताया कि बिजलीघर पर तैनात एसएसओ के साथ मारपीट और अभद्रता की घटना सामने आई है। कुछ युवक बाउंसर जैसे दिखाई दे रहे थे, जिनकी पहचान की जा रही है। पूरे मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मिठाई व्यापारी से रंगदारी मांगने का आरोप, हिस्ट्रीशीटर पर मुकदमा दर्ज

मोदीनगर (शिखर समाचार)। बेगमाबाद क्षेत्र में एक मिठाई व्यापारी से कथित रूप से रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। पुलिस ने व्यापारी की शिकायत पर एक हिस्ट्रीशीटर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बेगमाबाद निवासी सुधीर मित्तल की मिठाई की दुकान है। आरोप है कि 14 मई को एक युवक उनकी दुकान पर पहुंचा और ईशु नेहरा के नाम पर बिना पैसे दिए मिठाई मांगने लगा। व्यापारी द्वारा मुफ्त में मिठाई देने से इनकार करने पर कुछ देर बाद कथित रूप से ईशु नेहरा का फोन आया। पीड़ित व्यापारी का आरोप है कि फोन पर उन्हें मुफ्त में मिठाई देने के साथ-साथ हर माह 20 हजार रुपये देने की धमकी दी गई। घटना से घबराए व्यापारी ने मामले की शिकायत पुलिस से की। एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि व्यापारी की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले की गंभीरता से जांच कराई जा रही है तथा आरोपों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

संपादकीय

भीषण गर्मी, बढ़ता मानसून और बदलता मौसम चक्र: क्या भारत जलवायु आपदा के नए दौर में प्रवेश कर चुका है?

मई 2026 का महीना देश के लिए केवल तपती धूप और पसीने की परेशानी लेकर नहीं आया है, बल्कि यह भारत के सामने खड़े उस बड़े संकट की चेतावनी भी बन गया है जिसे अब केवल मौसम की मार कहकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। देश के अधिकांश हिस्सों में पड़ रही भीषण गर्मी ने जनजीवन को अस्त व्यस्त कर दिया है। उत्तर भारत से लेकर मध्य भारत तक तापमान लगातार 45 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है। कई शहरों में गर्म हवाओं ने लोगों का घरों से निकलना मुश्किल कर दिया है। अस्पतालों में हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इसी बीच भारतीय मौसम विभाग ने 17 राज्यों में आंधी और बारिश का अलर्ट जारी कर दिया है, जहां 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। दूसरी ओर मानसून भी तेजी से आगे बढ़ रहा है और अगले कुछ घंटों में अंडमान निकोबार द्वीप समूह में इसका असर स्पष्ट दिखाई देने लगेगा। यह पूरा घटनाक्रम केवल मौसमी बदलाव नहीं, बल्कि उस असंतुलित जलवायु चक्र का संकेत है जो धीरे धीरे भारत की सामाजिक, आर्थिक और कृषि व्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। आज स्थिति यह है कि एक तरफ देश का बड़ा हिस्सा झुलसा देने वाली गर्मी से जूझ रहा है तो दूसरी ओर कई क्षेत्रों में अचानक तेज बारिश, ओलावृष्टि और तूफानी हवाएं तबाही मचा रही हैं। यह विरोधाभास बताता है कि मौसम का पारंपरिक स्वरूप तेजी से बदल रहा है। पहले जहां मानसून के आने का एक निश्चित समय और क्रम होता था, वहीं अब उसकी गति, दिशा और तीव्रता में अप्रत्याशित परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं। मौसम वैज्ञानिक लगातार यह चेतावनी दे रहे हैं कि जलवायु परिवर्तन के कारण भारत में चरम मौसमी घटनाओं की आवृत्ति बढ़ रही है। कभी लंबे सूखे की स्थिति बनती है तो कभी कुछ घंटों की बारिश ही बाढ़ जैसी परिस्थितियां पैदा कर देती है। यही कारण है कि आज मौसम केवल चर्चा का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर मुद्दा बन चुका है। देश की अर्थव्यवस्था पर भी इसका सीधा प्रभाव दिखाई दे रहा है। सबसे अधिक संकट कृषि क्षेत्र पर मंडरा रहा है। किसान पहले से ही महंगे बीज, खाद और डीजल की कीमतों से परेशान हैं, ऊपर से अनियमित मौसम उनकी मेहनत पर पानी फेर रहा है। गेहूं की कटाई के समय असमय बारिश और तेज हवाओं ने फसलों को नुकसान पहुंचाया, जबकि कई राज्यों में गर्मी के कारण सब्जियों और फलों का उत्पादन प्रभावित हुआ है। मौसम के इस असंतुलन का असर बाजारों में बढ़ती महंगाई के रूप में भी सामने आ रहा है। यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले महीनों में खाद्यान्न संकट और मूल्य वृद्धि जैसी समस्याएं और गहरा सकती हैं। ऊर्जा क्षेत्र भी इस संकट से अछूता नहीं है। रिकॉर्ड गर्मी के कारण बिजली की मांग लगातार बढ़ रही है। एयर कंडीशनर, कूलर और पानी की मोटरों के बढ़ते उपयोग ने बिजली व्यवस्था पर भारी दबाव डाल दिया है। कई राज्यों में बिजली कटौती की शिकायतें सामने आ रही हैं। दूसरी तरफ जलाशयों का जलस्तर घटने से पेयजल संकट भी गहराने लगा है।

~ मौलिक चिंतन ~

जमीन से गहरे तक जुड़ा व्यक्ति ही आकाश की ऊंचाइयों को छू पाता है।

~~~~~~~~~

©
विनय संकोची

प्रकृति का मौन क्रंदन, खतरे में जीवन की श्रृंखला

योगेश कुमार गोयल

धरती पर जीवन का आधार केवल मनुष्य नहीं है बल्कि जीव-जंतु, पक्षी, कीट-पतंगे और पेड़-पौधे भी इस पारिस्थितिकी तंत्र का उतना ही अहम हिस्सा हैं। फिर भी मनुष्य ने अपने स्वार्थों और तथाकथित विकास के नाम पर जिस प्रकार वनों की अंधाधुंध कटाई, वन्य जीवों के आवासों का विनाश और प्राकृतिक संसाधनों का दोहन किया है, उसने धरती की जैव विविधता को गहरे संकट में डाल दिया है। जैव विविधता केवल कुछ जीवों या पौधों की गिनती भर नहीं है, यह पूरी पारिस्थितिकी का वह संतुलन है, जो जीवन को संभव और सुरक्षित बनाता है लेकिन आज यह संतुलन बुरी तरह से बिगड़ चुका है और इसके गंभीर परिणाम पूरी दुनिया भुगत रही है। धरती पर अनेक वन्य प्रजातियां या तो पूरी तरह से विलुप्त हो चुकी हैं या विलुप्त होने के कगार पर हैं। यही नहीं, हजारों प्रजातियां आज संकटग्रस्त मानी जाती हैं, जिनके अस्तित्व पर हर बीतते वर्ष के साथ खतरा और अधिक बढ़ रहा है। यह संकट केवल जीव-जंतुओं तक ही सीमित नहीं है बल्कि वनस्पतियों की विविधता भी उसी तीव्र गति से घट रही है। जैव विविधता के महत्व को रेखांकित करने और लोगों को इसके संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए हर वर्ष 22 मई को अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया जाता है। इसकी शुरूआत 20 दिसंबर 2000 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पारित प्रस्ताव के माध्यम से की गई थी, जिसे 193 देशों ने समर्थन दिया था। 22 मई 1992 को नैरोबी एक्ट के तहत जैव विविधता पर अभिसमय को स्वीकार किया गया था, इसी कारण 22 मई को यह दिवस तय किया गया। इस वर्ष यह दिवस ह्यवैश्विक प्रभाव के लिए स्थानीय स्तर पर कार्य करनाह्ल विषय के अंतर्गत मनाया जा रहा है. जो इस तथ्य को उजागर करता है कि पृथ्वी को बचाने की शुरूआत छोटे-छोटे स्थानीय प्रयासों से ही होती है। आज स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि जंगलों के उजड़ने से हजारों पक्षी और जानवर अपने प्राकृतिक आवास से वंचित हो गए हैं। पक्षियों की वे प्रजातियां, जो किसानों के हित में कीट नियंत्रण का काम करती थी, जैसे गिद्ध, कौए, चील, बाज, तीतर, बटेर, मोर आदि, अब संकटग्रस्त हो चुकी हैं। यह केवल जैव विविधता का नुकसान नहीं बल्कि कृषि और खाद्य सुरक्षा के लिए भी खतरे की घंटी है। ऐसे पक्षी खेतों में कीटों का प्राकृतिक नियंत्रण करते थे लेकिन इनके लुप्त होने से अब कृत्रिम कीटनाशकों की निर्भरता बढ़ रही है, जो मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए घातक है। पर्यावरणीय असंतुलन, प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों का अनियंत्रित उपयोग और लगातार बढ़ती आबादी जैव विविधता संकट के प्रमुख कारक हैं। एक ओर जहां जंगलों की अंधाधुंध कटाई के चलते पशु-पक्षियों के प्राकृतिक आवास खत्म हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पेड़-पौधों की दुर्लभ प्रजातियां भी मानव गतिविधियों के कारण धीरे-धीरे मिट रही हैं। यही कारण है कि जैव विविधता का संरक्षण आज केवल पर्यावरणविदों का मुद्दा नहीं बल्कि यह पूरी मानव जाति के अस्तित्व से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन गया है। वन्यजीव और वनस्पतियां धरती पर जीवन की लंबी विकास यात्रा की अहम कड़ियां हैं। ये सभी प्रजातियां अरबों वर्षों के जैविक और पारिस्थितिक विकास का परिणाम हैं। वन्य जीवन में वे सभी जीव-जंतु और पौधे शामिल होते हैं, जिन्हें मनुष्य द्वारा पाला तो नहीं जाता लेकिन उनका अस्तित्व भी मानवीय गतिविधियों से सीधे तौर पर प्रभावित होता है। जैसे-जैसे जंगल उजड़ते हैं, इन प्रजातियों का जीवन संकटग्रस्त होता जाता है। दुर्भाग्य की बात यह है कि मनुष्य ने अपने भौतिक विकास और बढ़ती जनसंख्या के दबाव में इस पारिस्थितिक तंत्र के संतुलन की अनदेखी की है। यह तथ्य अब वैज्ञानिक रूप से भी प्रमाणित हो चुका है कि जैव विविधता के घटने से पर्यावरण का असंतुलन बढ़ता है और इससे प्राकृतिक आपदाएं, जलवायु परिवर्तन, अकाल, सूखा, बाढ़, रोगों का प्रसार जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। मेरी पुस्तक ह्यप्रदूषण मुक्त सांसेंह्ल में इस विषय पर विस्तार से चर्चा की गई है कि जैव विविधता में आ रही कमी किस प्रकार हमारे संपूर्ण जीवन और पर्यावरण को अस्थिर बना रही है। यह केवल प्रकृति का संकट नहीं बल्कि यह हमारे भविष्य पर मंडराता हुआ खतरा है। धरती पर हर देश की अपनी विशिष्ट जलवायु और पारिस्थितिक पहचान होती है, जिससे वहां की जैव विविधता भी विशिष्ट होती है लेकिन वनों की कटाई, खनन, शहरीकरण, औद्योगीकरण, रासायनिक खेती, प्लास्टिक प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन जैसे मानवीय कारकों ने इस विविधता को संकट में डाल दिया है। दुर्भाग्य से यह संकट केवल कुछ स्थानीय प्रजातियों तक सीमित नहीं रहा बल्कि अब यह वैश्विक स्तर पर विनाश की ओर बढ़ रहा है। आज मानव अपने स्वार्थ और भौतिक जीवन के मोह में यह भूल गया है कि जीवन की आधारशिला प्रकृति ही है। वनों की कटाई, प्राकृतिक संसाधनों का दोहन और पारिस्थितिक तंत्र की अनदेखी मानव को उस दिशा में ले जा रही है, जहां जीवन का अस्तित्व ही खतरे में पड़ सकता है। यदि समय रहते हमने चेतना नहीं दिखाई तो आने वाले समय में ऐसी कई प्रजातियां होंगी, जो केवल पुस्तकों और संग्रहालयों में ही मिलेंगी। विकास अनिवार्य है, इसमें कोई संदेह नहीं परंतु वह विकास, जो प्राकृतिक संसाधनों को खत्म करके हासिल हो, वह आत्मघाती है। हमें ऐसा विकास मॉडल अपनाने की आवश्यकता है, जिसमें प्रकृति के साथ सहअस्तित्व को महत्व दिया जाए। यदि पेड़ कटेंगे, जल स्रोत सूखेंगे, जीव-जंतु लुप्त होंगे और पक्षी गायब होंगे तो यह केवल जैव विविधता की हानि नहीं होगी बल्कि पूरी मानव सभ्यता के अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न लग जाएगा।

घुसपैठियों और अतिक्रमणकारियों के पास अचानक इतने पत्थर कहां से आ जाते हैं?

नीरज कुमार दुबे

मुंबई के लिए मुसीबत बने बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को पुलिस और प्रशासन ने करारा सबक सिखाकर देश की आर्थिक राजधानी को बड़ी राहत दिलाई है। बांद्रा रेलवे स्टेशन के पास गरीब नगर इलाके में पश्चिम रेलवे द्वारा चलाया जा रहा अब तक का सबसे बड़ा अतिक्रमण विरोधी अभियान न केवल रेलवे भूमि को मुक्त कराने की दिशा में अहम कदम साबित हुआ, बल्कि इस कार्रवाई ने यह भी उजागर कर दिया कि किस तरह अवैध कब्जाधारी कानून व्यवस्था को चुनौती देने से भी पीछे नहीं हटते। कार्रवाई के दौरान पुलिस और रेलवे अधिकारियों पर जमकर पत्थरबाजी की गई, जिससे एक बार फिर यह सवाल खड़ा हो गया कि देश के किसी भी हिस्से में अतिक्रमण हटाने या अवैध कब्जों के खिलाफ अभियान चलते ही इन घुसपैठियों और अतिक्रमणकारियों के पास अचानक इतने पत्थर कहां से आ जाते हैं?

उल्लेखनीय है कि पश्चिम रेलवे ने बांद्रा रेलवे स्टेशन के निकट गरीब नगर में फैले अवैध कब्जों को हटाने के लिए व्यापक अभियान शुरू किया है। यह मुंबई में रेलवे की अब तक की सबसे बड़ी अतिक्रमण हटाओ कार्रवाई मानी जा रही है। रेलवे के अनुसार लगभग पांच हजार दो सौ वर्ग मीटर भूमि को खाली कराया जा रहा है, जिसकी कीमत करीब छह सौ करोड़ रुपये आंकी गई है। यह इलाका हार्बर लाइन की पटरियों और बिजली व्यवस्था के बेहद करीब पहुंच चुका था, जिससे रेल संचालन और यात्रियों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडरा रहा था।

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक यहां कई बहुमंजिला झुग्गियां फुटओवर पुलों की ऊंचाई से भी ऊपर तक बना दी गई थीं। इससे भविष्य की रेलवे परियोजनाओं और ट्रेनों की आवाजाही में बाधा उत्पन्न हो रही थी। रेलवे लंबे समय से इस भूमि को खाली कराना चाहता था, क्योंकि बांद्रा स्टेशन और बांद्रा कुर्ला परिसर के पास स्थित यह इलाका रणनीतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है।

इस मामले में कानूनी प्रक्रिया वर्ष 2017 से पहले शुरू हो चुकी थी। सार्वजनिक परिसर अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए 27 नवंबर 2017 को बेदखली आदेश जारी किए गए थे। इसके बाद मामला बंबई उच्च न्यायालय और फिर उच्चतम न्यायालय तक पहुंचा। इस वर्ष 29 अप्रैल को उच्च न्यायालय ने अवैध अतिक्रमण हटाने की अनुमति दी थी। बाद में उच्चतम न्यायालय ने भी इस आदेश पर रोक नहीं लगाई। इसके बाद प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी।

पश्चिम रेलवे ने करीब पांच सौ झुग्गियों को हटाने के लिए चिन्हित किया, जबकि संयुक्त सर्वेक्षण में पात्र पाए गए लगभग एक सौ ढांचों को फिलहाल नहीं छुआ गया। रेलवे का कहना है कि भविष्य में इस जमीन का उपयोग उपनगरीय और लंबी दूरी की रेल सेवाओं के विस्तार के लिए किया जाएगा। कार्रवाई को सफल बनाने के लिए भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई। करीब चार सौ पुलिसकर्मी, चार सौ रेलवे सुरक्षा बल और सरकारी रेलवे पुलिस के जवान तथा लगभग दो सौ रेलवे अधिकारी और कर्मचारी तैनात किए गए। बांद्रा स्टेशन और बांद्रा टर्मिनस के आसपास कई रास्तों को बंद कर दिया गया, जिससे भारी यातायात जाम लग गया और यात्रियों को सामान लेकर पैदल चलना पड़ा।

शुरूआत में कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से चल रही थी, लेकिन दूसरे दिन दोपहर बाद माहौल अचानक तनावपूर्ण हो गया। अधिकारियों ने जब एक अवैध मस्जिद और वहां लगाए गए निजी दूरसंचार टावर को हटाने की कोशिश की तो भीड़ उग्र हो गई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस और प्रशासनिक टीमों पर पत्थर, बर्तन और अन्य सामान फेंकना शुरू कर दिया। इसके बाद पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा।

इस हिंसा में सात पुलिसकर्मी और छह प्रदर्शनकारी घायल हुए। पुलिस ने दस लोगों को हिरासत में लिया और निर्मल नगर पुलिस थाने में गैरकानूनी जमावड़ा, दंगा और सरकारी कर्मचारियों पर हमला करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया। घायलों का उपचार भाभा अस्पताल और वीएन देसाई अस्पताल में कराया गया। एक पुलिसकर्मी और एक प्रदर्शनकारी को अस्पताल में भर्ती करना पड़ा, हालांकि दोनों की हालत स्थिर बताई गई है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अभिनव देशमुख ने चेतावनी दी है कि हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दूसरी ओर कुछ निवासियों ने दावा किया कि वह कई दशकों से यहां रह रहे थे और उनके पास हाउस टैक्स, वाटर टैक्स तथा बिजली कनेक्शन से जुड़े दस्तावेज भी हैं। कई परिवारों ने आरोप लगाया कि उन्हें घर खाली करने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया और पुनर्वास की समुचित व्यवस्था भी नहीं की गई। कुछ लोगों ने यह भी कहा कि ईद से ठीक पहले की गई कार्रवाई ने उनकी मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

हालांकि इन दावों और मानवीय पक्ष के बीच सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर अवैध कब्जों के खिलाफ हर कार्रवाई के दौरान पत्थरबाजी की घटनाएं क्यों सामने आती हैं? चाहे देश का कोई भी राज्य हो, अतिक्रमण हटाने पहुंची पुलिस और प्रशासन पर हमला करना अब एक तयशुदा रणनीति जैसा दिखाई देता है। इससे साफ है कि कुछ तत्व कानून व्यवस्था को बिगाड़कर सरकारी कार्रवाई को रोकना चाहते हैं। मुंबई जैसे संवेदनशील और आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण शहर में इस तरह की हिंसा न केवल चिंताजनक है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा और शहरी व्यवस्था दोनों के लिए गंभीर चुनौती भी है।

तमिलनाडु में तमिल राजनीति के उदय से उम्मीद की नई किरणें

विनोद कुमार सिंह

तमिलनाडु के इस जनादेश ने एक बार फिर यही सिद्ध किया है कि लोकतंत्र में अंतिम शक्ति जनता के हाथ में ही होती है।विगत विधान सभा के चुनाव 26 का परिणाम केवल सत्ता परिवर्तन की कहानी नहीं है।यह बदलती पीढ़ी,नई आकांक्षाओं,क्षेत्रीय स्वाभिमान और राजनीतिक पुनर्जागरण की कहानी भी है।भविष्य के आने वाले वर्षों में भारतीय राजनीति का नया अध्याय दक्षिण भारत से ही लिखा जाए।

तमिलनाडु विधान सभा चुनाव 26 के बदलते जनादेश ने तमिल द्रविड़ राजनीति से 'नई तमिल राजनीति' भारतीय लोकतंत्र को दिया नया संदेश...
वैश्विक राजनीतिक पटल पर सैदव ही भारत व भारतीय लोकतंत्र की चर्चा होती रहती है।भारत में संविधान ही सर्वोपरि है।जो अपने नागरिको मौलिक अधिकारो व कर्तव्यों की स्पष्ट उल्लेख किया है। यहाँ के नागरिकों को मताधिकार दिया है।भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत रही है कि यहाँ जनता समय-समय पर सत्ता, समीकरण और राजनीतिक विचार घारों व धारणाओं को बदलती रही है।भारतीय राजनीति में कोई भी राजनीतिक दल की शक्ति स्थायी नहीं होती।कभी राष्ट्रीय राजनीतिक दलों का प्रभाव चरम पर होता है,तो कभी क्षेत्रीय अस्मिता नई राजनीतिक धारा बनकर उभरती है। विगत दिनों दक्षिण भारत का तमिलनाडु राज्य इसी राजनीतिक परिवर्तन का सबसे बड़ा उदाहरण रहा है।सर्वविदित रहे कि सन 1967 में जब सी एन अन्ना दुरई के नेतृत्व में द्रविड़ राजनीति ने कांग्रेस के लंबे राजनीतिक वर्चस्व को समाप्त कर सत्ता के सिंघासन हासिल की थी,तब शायद किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि आने वाले दशकों में तमिलनाडु भारतीय राजनीति की सबसे प्रभावशाली राजनीतिक प्रयोगशाला बन जाएगा।उस दौर में द्रविड़ आंदोलन केवल चुनाव जीतने का माध्यम नहीं था,बल्कि सामाजिक न्याय, भाषायी अस्मिता,क्षेत्रीय स्वाभिमान और राजनीतिक आत्मसम्मान का बड़ा आंदोलन बन चुका था।तमिल समाज ने पहली बार यह महसूस किया कि दिल्ली की राजनीति से अलग उनकी अपनी भी एक राजनीतिक पहचान हो सकती है।यही वह दौर था जब राजनीति और सिनेमा ने मिलकर दक्षिण भारत में एक नई सामाजिक चेतना को जन्म दिया।तमिल फिल्मों के संवाद केवल मनोरंजन नहीं रहे,बल्कि राजनीतिक संदेश बन गए।फिल्मी के सुनहरे पर्दे पर गरीबों के रक्षक और अन्याय के विरुद्ध लड़ने वाले नायक जनता की वास्तविक राजनीति के नायक बनते चले गए।

इसी राजनीतिक-सांस्कृतिक वातावरण से एम जी रामा चन्द्रन जैसे करिश्माई नेता उभरे,जिन्होंने जनता के दिलों पर ऐसा प्रभाव स्थापित किया कि फिल्मों की लोकप्रियता सीधे राजनीतिक जनसमर्थन में बदल गई।उनके जे जयललिता ने भी उसी परंपरा को आगे बढ़ाया और तमिल राजनीति में महिला नेतृत्व की एक अलग पहचान बनाई।दक्षिण भारत में फिल्म और राजनीति का यह अनूठा संगम धीरे-धीरे आंध्र प्रदेश तक पहुँचा,जहाँ एन टी रामा राव ने तेलुगु अस्मिता को राजनीतिक शक्ति में बदल दिया।यह वह नया दौर था जब राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के सामने क्षेत्रीय दलों की शक्ति तेजी से बढ़ रही थी।लगभग छह दशकों तक तमिलनाडु की राजनीति द्रविड़ दलों के इर्द-गिर्द धुमती रही।कभी डी एम के सत्ता में आई तो कभी ए आई ए डी एम के लेकिन राजनीतिक केंद्र वहीं बना रहा।जनता के सामने विकल्प बदलते रहे,किन्तु राजनीति का मूल स्वर द्रविड़ विचारधारा ही बनी रही,किन्तु समय हमेशा एक जैसा नहीं रहता।राजनीति में भी पीढ़ियाँ बदलती हैं,प्राथमिकताएँ बदलती हैं और जनता की अपेक्षाएँ भी बदल जाती हैं।वर्ष 2026 का तमिलनाडु विधानसभा चुनाव इसी परिवर्तन का सबसे बड़ा संकेत बनकर सामने आया।इस चुनाव ने न केवल राजनीतिक पंडितों के सभी अनुमान उलट दिए,बल्कि यह भी साबित कर दिया कि जनता जब परिवर्तन का मन बना लेती है,तो दशकों पुरानी राजनीतिक संरचनाएँ भी हिल जाती हैं।तमिल फिल्म जगत के लोकप्रिय अभिनेता विजय के नेतृत्व में उभरी नई राजनीतिक धारा ने पहली बार तमिलनाडु की राजनीति को द्रविड़ बनाम द्रविड़ की पारंपरिक लड़ाई से बाहर निकालने का प्रयास किया।विजय ने स्वयं को केवल अभिनेता के रूप में प्रस्तुत नहीं किया,बल्कि 'नई तमिल राजनीति' के नायक के रूप में स्थापित करने की कोशिश की।उनकी सभाओं में उमड़ती युवाओं की भीड़,सोशल मीडिया पर असाधारण लोकप्रियता और पारंपरिक राजनीति के विरुद्ध आक्रोश ने चुनावी वातावरण को पूरी तरह बदल दिया।शुरूआत में राजनीतिक विश्लेषक इसे केवल 'स्टारडम का प्रभाव' मान रहे थे,लेकिन विधान सभा चुनाव के परिणामों ने यह साबित कर दिया कि तमिलनाडु की जनता बदलाव चाहती थी।तमिलनाडु विधानसभा की कुल 234 सीटों में बहुमत के लिए 118 सीटों की आवश्यकता थी।चुनाव परिणामों में विजय की पार्टी टी वी के ने 108 सीटें जीतकर सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में उभरकर सबको चौंका दिया।वहीं डी ए के 59 सीटों पर सिमट गई और ए आई ए डी एम के गठबंधन लगभग 53 सीटों तक सीमित रह गया।कांग्रेस को केवल 5 सीटों से संतोष करना पड़ा।इन परिणामों ने केवल सरकार का गणित नहीं बदला,बल्कि तमिलनाडु की राजनीति की आत्मा में चल रहे परिवर्तन को भी उजागर कर दिया।यह चुनाव भावनात्मक नारों और पारंपरिक राजनीतिक विरासत से आगे बढ़कर नई आकांक्षाओं का चुनाव बन चुका था। युवाओं की नई पीढ़ी रोजगार चाहती है,तकनीकी विकास चाहती है,उद्योग चाहती है,डिजिटल अवसर चाहती है और सबसे अधिक पारदर्शी शासन चाहती है।

पहली बार मतदान करने वाले लाखों युवा मतदाताओं ने जातीय और परंपरागत राजनीतिक निष्ठाओं से ऊपर उठकर 'नए नेतृत्व' पर भरोसा जताया।यही कारण रहा कि शहरी क्षेत्रों,आईटी कॉरिडोर और शिक्षित युवाओं वाले निर्वाचन क्षेत्रों में पारंपरिक दलों को अपेक्षित समर्थन नहीं मिल पाया।राजनीतिक विश्लेषकों की सबसे बड़ी भूल यह रही कि वे तमिलनाडु की राजनीति को पुराने चुनावी गणित से समझने का प्रयास करते रहे,जबकि जनता का मन बदल चुका था।एग्जिट पोल और राजनीतिक सर्वेक्षण जहाँ द्रविड़ दलों की मजबूत वापसी का दावा कर रहे थे,वहीं मतदाताओं ने चुपचाप एक नया राजनीतिक संदेश लिख दिया।दरअसल तमिलनाडु में यह परिवर्तन अचानक नहीं आया।पिछले कुछ वर्षों से जनता के भीतर नेतृत्व को लेकर एक खालीपन महसूस किया जा रहा था।एम करुणा निधि और जयललिता जैसे बड़े नेताओं के जाने के बाद राजनीति में वह भावनात्मक करिश्मा दिखाई नहीं दे रहा था जिसने दशकों तक जनता को जोड़े रखा था।इसी राजनीतिक रिक्तता में नए चेहरे और नई राजनीति के लिए जगह बनी। विजय ने चुनाव प्रचार के दौरान बार-बार 'तमिल अस्मिता' और 'नई पीढ़ी की राजनीति' को केंद्र में रखा।उन्होंने पारंपरिक द्रविड़ राजनीति से दूरी बनाते हुए स्वयं को भविष्य की राजनीति का चेहरा साबित करने का प्रयास किया।इस चुनाव का सबसे बड़ा झटका भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेश को लगा। कभी दक्षिण भारत में मजबूत राजनीतिक आधार रखने वाली कांग्रेस अब गठबंधन की राजनीति तक सीमित दिखाई दे रही है। तमिलनाडु के परिणामों ने यह स्पष्ट कर दिया कि केवल क्षेत्रीय दलों के सहारे राजनीति करने से किसी राष्ट्रीय दल का जनाधार मजबूत नहीं हो सकता।कांग्रेस के सामने सबसे बड़ा संकट स्थानीय नेतृत्व का अभाव है।पार्टी के पास ऐसा कोई करिश्माई चेहरा नहीं दिखता जो तमिलनाडु की जनता के भीतर नई ऊर्जा पैदा कर सके।यही कारण है कि चुनाव परिणामों के बाद कांग्रेस के भीतर संगठनात्मक पुनर्गठन और दक्षिण भारत की नई रणनीति पर गंभीर चर्चा प्रारम्भ हो गई है।राजनीतिक दृष्टि से देखें तो तमिलनाडु का यह जनादेश केवल एक राज्य की घटना नहीं है।यह भारतीय राजनीति में बदलती सामाजिक मानसिकता का संकेत है।आने वाले समय में क्षेत्रीय पहचान,युवा नेतृत्व,डिजिटल राजनीति और सांस्कृतिक स्वाभिमान का प्रभाव और अधिक बढ़ सकता है।राजनीति के विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य की राजनीति अब केवल जातीय समीकरणों और पारंपरिक वोट बैंक के सहारे नहीं चलेगी।सोशल मीडिया,युवा मतदाता और राजनीतिक पारदर्शिता नए निर्णायक कारक बन चुके हैं। तमिलनाडु ने यह संदेश पूरे देश को दे दिया है।दिलचस्प बात यह भी रही कि इस चुनाव में जनता ने 'स्थिरता बनाम परिवर्तन' के बीच परिवर्तन को प्राथमिकता दी।यह लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती है कि जनता जब बदलाव चाहती है,तो सबसे मजबूत राजनीतिक किले भी ढह जाते हैं।तमिलनाडु ने एक बार फिर भारतीय राजनीति को नई दिशा देने का काम किया है।कभी इसी राज्य ने कांग्रेस के प्रभुत्व को चुनौती दी थी,फिर द्रविड़ राजनीति को राष्ट्रीय विमर्श बनाया और अब 'नई तमिल राजनीति' की चर्चा शुरू कर दी है।आज पूरा देश तमिलनाडु के राजनीतिक घटना क्रम को इसलिए ध्यान से देख रहा है क्योंकि वहाँ से उठी राजनीतिक लहर आने वाले समय में राष्ट्रीय राजनीति की दिशा भी बदल सकती है।तमिलनाडु विधान सभा चुनाव 26 के बदलते जनादेश ने तमिल द्रविड़ राजनीति से ह्लनई तमिल राजनीतिह्व भारतीय लोकतंत्र को दिया नया संदेश।दरअसल लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति जनता जनार्दन का मौन निर्णय होता है।राजनीतिक पंडित अक्सर आँकड़ों में उलझ जाते हैं,लेकिन जनता अपने मन का फैसला चुपचाप करती है।तमिलनाडु के इस जनादेश ने एक बार फिर यही सिद्ध किया है कि लोकतंत्र में अंतिम शक्ति जनता के हाथ में ही होती है।विगत विधान सभा के चुनाव 26 का परिणाम केवल सत्ता परिवर्तन की कहानी नहीं है।यह बदलती पीढ़ी,नई आकांक्षाओं,क्षेत्रीय स्वाभिमान और राजनीतिक पुनर्जागरण की कहानी भी है।भविष्य के आने वाले वर्षों में भारतीय राजनीति का नया अध्याय दक्षिण भारत से ही लिखा जाए।अगर यदि ऐसा होता है,तो इतिहास यह अवश्य दर्ज करेगा कि तमिलनाडु ने एक बार फिर देश को राजनीति की नई दिशा दिखाई थी।
~~~~~~~~~

हेल्थ के साथ पाएं वेल्थ

आज आयुर्वेद का जमाना है और लोग अंग्रेजी दवाइयां खाकर ऊब चुके हैं, यही नहीं इन दवाओं के साइड इफेक्ट से लोग हमेशा डरते रहते है। यदि कोई गंभीर बीमारी है तो चेकअप वगैरह कराने में ही दम फूल जाता है।

आम आदमी तो किसी सरकारी हॉस्पिटल की राह देख लेता है, पर अमीर की बात ही कुछ और है, क्यों कि वह हेल्थ इंश्योरेंस के सहारे निजी अस्पतालों में इलाज करा लेता है और उस पर असर नहीं के बराबर पड़ता है।

- आज भागमभाग की जिन्दगी में लोग अपने पुराने आचार-विचार को भूल कर प्रदूषण की दुनिया में जीवन यापन कर रहे हैं। ऐसा कोई घर नहीं है, जहां कोई बीमार ना हो, लेकिन ना तो उनके पास व्यायाम का समय है ना खाने न पीने का। ऐसे में बीमारियों का लगना कौन रोक सकता है।
- लोगों में प्रतिरोधक-शक्ति का विकास हो और आदमी में बीमारी से लड़ने की शक्ति जागृत हो तो छोटी-मोटी बीमारियां आदमी के ऊपर अटैक नहीं कर पाएंगी।
- हर रोज नए आयुर्वेदिक नुस्खे बताए जा रहे हैं और उनको मार्केट में डाला जा रहा है।
- डाबर के उत्पाद बाजार में छाए है बैद्यनाथ, झंडू और भी जाने कितने ही आयुर्वेद की कम्पनी जैसे रामदेव, आसाराम, सुदर्शन महाराज, महर्षि आयुर्वेद काम कर रही हैं।

फायदेमंद नुस्खा

शुगर के मरीजों को अक्सर काफी परेशानियों का सामना करना होता है। जरा से कोई बताए कि फलां औषधि फायदेमंद है, वे या उनके परिजन तुरंत ट्राई करने में लग जाते हैं। लेकिन रिस्क भी काफी रहती है।

- आइए जानते हैं एक नुस्खे के बारे में जो शुगर के मरीजों के लिए फायदेमंद है।
- पनीर डोडा नाम की जड़ी-बूटी आपको अत्तार के दुकान पर आसानी से मिल जाएगी। आधे गिलास पानी में इसके 8-10 फल रात को पानी में भिगो दीजिये। सुबह होते ही इनको मसल के छान लें, अब जो पानी बचा है, उसको सुबह निन्हें मुंह यानी खाली पेट पी लें, एक हफ्ते में आपको लगने लगेगा कि आपका शुगर लेवल काम हो रहा है। यदि आप चाहे तो दो टाइम भी ले सकते हैं, साथ ही सुबह और शाम टहलना जारी रखें।
- खाना ना पचने वालों के लिए भी एक उपाय है। की वह भोजन के दौरान पानी कम पीएं और खाना खाने के बाद दो घंटे बाद कम से कम एक लीटर पानी पीने की आदत डालें।
- यदि आप चाहते हैं कि आपको पथरी की शिकायत ना हो तो आपको चाहिए की खाना खाने के बाद निश्चित रूप से मूत्र विसर्जन करने की आदत डालें।

एलोविरा

आयुर्वेद की दवाइयां काफी प्रचलित हो रही हैं। आपने एलोविरा का नाम तो सुना ही होगा। यदि एलोविरा का बना कोई भी उत्पाद लें तो उसके लाभकारी परिणाम सामने आएंगे?

हर तरह से है लाभकारी

यदि आप एलोवेरा का प्रयोग शुरू करते हैं तो लाभ निश्चित है। कोई भी इसके फायदे को नकार नहीं सकता है।

- एलोविरा जेल के उपयोग से बहुत- सी असाध्य बीमारियां ठीक होती हैं।

आयुर्वेद में कहां से आया वेल्थ

बाजार में बहुत सी आयुर्वेदिक कम्पनी सक्रिय हैं, जिनके उत्पाद सिर्फ अपने सदस्यों को ही देती हैं। साथ ही उस पर इंसेंटिव भी देती है। इनको नेटवर्क से जोड़कर वे लोगों की औसत आमदनी का जरिया बना रही हैं। यदि कोई इनसे जुड़ना चाहता है तो जुड़ भी सकता है। इसका लाभ यह होता है कि इससे किसी लाइलाज बीमारी का इलाज संभव हो जाता है साथ ही दुआएं भी मिलती हैं।

- एक साइट है फॉरएवरलिविंग.कॉम इस पर जाकर इनके प्रॉडक्ट को देखा जा सकता है और किसी के माध्यम से जुड़ सकते हैं।
- यह संस्था दावा करती है कि गठिया, दमा, हृदय रोग, पाचन समस्या, किडनी समस्या, मोटापा एवं त्वचा संबंधी रोग का निदान संभव है।
- नियमित खान-पान और निश्चित व्यायाम आपके शरीर को निरोगी बना सकता है, पर समय देना आपके ऊपर है। ऐसे में आपको निर्णय लेना है कि आप धन देकर सेहतमंद रहना चाहते हैं या नियमित दिनचर्या से।
- शरीर आपका है और आप ही इसकी रखवाले हैं तो निरोगी काया रहेगी तो माया तो कमा ही सकते हैं।

खुशियों का खजाना आपके ही पास है

मालीक्युलर बॉयोलॉजिस्ट से बौद्ध भिक्षु बने मैथ्यू रिकार्ड ने शताब्दियों पुराने बौद्ध दर्शन के बौद्धिक संदेशों को आधुनिक वैज्ञानिक शोधों के निष्कर्षों के साथ जोड़ने का सार्थक प्रयास किया है। उनकी सोच के अनुसार खुश रहना मात्र एक सुखद अहसास, एक सुंदर भाव या एक अच्छे मूड से ही संबंधित नहीं है, बल्कि ये आपका बुनियादी सुखद अस्तित्व है। यह संसार की व्याख्या करने का एक तरीका है। संसार को बदलना मुश्किल होगा, पर संसार को देखने के नजरिए को बदलना तो संभव है।

आइए इस बात को थोड़ा और आसान ढंग से समझते हैं। याद कीजिए कि पिछली बार कब आपने अपने शरीर और आत्मचेतना को तनावमुक्त और गैर बोझिल महसूस किया था। उस मनोदशा की विशिष्ट ऊर्जा ने आपको अपने काम में अच्छा प्रदर्शन करने, लोगों के साथ गहराई से जुड़ने, काम में खुलकर रचनात्मकता की अभिव्यक्ति करने, रेंगते हुए ट्रैफिक में मुस्कराने, जाम के खुलने का मुस्कराते हुए इंतजार करने और घर लौटकर परिवार के साथ प्यार के पलों को बांटने के लिए प्रेरित किया होगा। कल्पना कीजिए इसी खुशी की फसल अगर आप हर दिन काट सकें, तो कितना अच्छा हो? अगर आप अपना ध्यान पूरी तरह से केन्द्रित करें, तो सच्ची प्रसन्नता को हासिल करना कोई मुश्किल काम नहीं है।

निश्चित तरीका नहीं

यह सच है कि खुशी पाने का कोई एक निश्चित तरीका या फार्मूला नहीं है। इसलिए वही तरीका या ढंग अपनाएं, जो आपके लिए उपयुक्त हो। इस संदर्भ में आपको अपने ही अंदर खुशी का खजाना खोजने का दृढ़ संकल्प लेना होगा। आपको कुछ ऐसी आदतों को अपनाना होगा, जिनका पालन शताब्दियों से प्रबुद्ध लोग करते आए हैं। इन प्रबुद्धजनों की बातों को न्यूरो-साइंटिफिक रिसर्च में भी सही पाया गया है।

ध्यान लगाएं

खुश और शांत रहने के लिए मेडिटेशन से अधिक कोई भी अन्य तरीका काम नहीं करेगा। आंखें बंदकर अपना पूरा ध्यान सांस पर केन्द्रित करें। कल्पना कीजिए कि आप अपने शरीर-रूपी मंदिर में प्रवेश कर रहे हैं। शांति की भावना को महसूस करें। प्रारंभ में इस विधि को पांच मिनट तक करें और अभ्यास होने के साथ ही समय बढ़ाती जाएं। मेडिटेशन के लिए ऐसी जगह चुनें, जहां कोई आपको बाधा न पहुंचाए।

माफ करें और भूलना सीखें

सकारात्मक सोच और दूसरों को माफ करने के जज्बे पर भरोसा रखें। क्रोध, ईर्ष्या और जलन जैसे नकारात्मक विचारों से स्वयं को मुक्त रखें, क्योंकि ऐसे विचार हमारे सुख व शांति के अहसास को छीन लेते हैं। दूसरे को माफ करना खुशियां पाने का सशक्त माध्यम है।

न दें अनुचित सुविधाएं

अक्सर लाड़-प्यार के चलते, कई माता-पिता अपने कम उम्र के बच्चों का ड्राइविंग लाइसेंस बनवा देते हैं और कई बार अपनी गन-रिवॉल्वर उनकी पहुंच के अन्दर रखते हैं। इस असावधानी के कारण आए दिन अनेक दुर्घटनाएं घटती हैं और हादसे के शिकार व्यक्तियों का स्वास्थ्य खतरे में पड़ जाता है।

- जब हम स्वयं के साथ शान्ति अनुभव नहीं करते तो हम मानसिक एवम् भावात्मक व्याधियों से ग्रस्त हो जाते है। आक्रामक एवं हिंसात्मक विचार हमारी सोच को नकारात्मक बना देते हैं तथा हमारा हृदय क्रोध, द्वेष और ईर्ष्या से भर उठता है।
- टेलीविजन तथा अन्य संस्थाओं द्वारा बच्चों -वयस्कों के लिए आयोजित रियलिटी शो एवम् अनेक प्रकार की प्रतिस्पर्धाएं अधिकांश प्रतियोगियों की मानसिकता को गलत तरीके से प्रभावित करती हैं।

हम और हमारा स्वास्थ्य

आज वक्त की मांग है कि हम अपने आसपास के वातावरण को साफ-सुथरा रखते हुए स्वयं को स्वस्थ रखें।

- स्वस्थ शरीर, स्वस्थ विचार एवं स्वस्थ बुद्धि का मूर्त रूप ही आरोग्य है। दरअसल, आरोग्य वह अवस्था है, जिसमें हम प्रकृति एवं वातावरण से सामंजस्य स्थापित करते हुए जीवन का आनंद लेते हैं।
- हम वास्तविक रूप से तभी स्वस्थ होते हैं ,जब हम स्वयं को मानसिक, भौतिक, भावात्मक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक स्तर पर स्वस्थ अनुभव करते हैं।

जीवनशैली बदलाव कर इलाज का खर्चा बचाएं

अपनी वर्तमान जीवनशैली में उचित बदलाव लाकर हम अपनी दवाइयों का खर्चा कम कर सकते हैं। केवल उचित खान-पान ही नहीं, वरन उचित विचार एवं उचित आचरण द्वारा ही हम निरोग हो सकते हैं।

- माता-पिता और अभिभावकों को बच्चों को सही आहार और साफ-सफाई से रहने के साथ-साथ एक अच्छा इंसान बनने की भी शिक्षा देनी चाहिए।
- वसायुक्त एवं रेशाहीन आहार तथा शारीरिक श्रम का अभाव डायबिटीस, उच्च रक्तचाप एवं हृदय रोग जैसी बीमारियों के प्रमुख कारण हैं। आज के दौर के पढ़े लिखे माता-पिता भी अपने नन्हे -मुन्नों को पिज्जा और बर्गर खिलाने तथा कोकाकोला आफर करने से गुरेज नहीं करते हैं। इस प्रकार उनका स्वाद फास्ट फूड के लिए विकसित होकर, घर के पौष्टिक खाने को नकारने लगता है।
- अब तो गावों में भी कोकाकोला, चिप्स और ब्रेड का खूब प्रचलन हो गया है। आधुनिकता की अंधी दौड़ में हम जान बूझ कर रोगों के जाल में फंसते चले जा रहे हैं।

स्वस्थ मां की स्वस्थ संतान

किसी भी देश का स्वास्थ्य उसके बच्चों के स्वास्थ्य पर निर्भर करता है और केवल स्वस्थ मां ही एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दे सकती है, परन्तु यह हमारा दुर्भाग्य है कि अधिकांश भारतीय परिवारों में महिलाओं के स्वास्थ्य को वरीयता नहीं दी जाती है।

- पत्नी एवं माता की परम्परागत भूमिका में स्त्री का कर्तव्य परिवार के अन्य सदस्यों की देखभाल करना है, न कि स्वयं अपना भारतीय समाज आज के युग में भी लिंग के आधार पर भूमिकाएं निर्धारित करने में विश्वास रखता है।
- लड़कों को अविचारी और उग्रवादी बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है तथा लड़कियों को शर्मीला और सहनशील बनाने का प्रयास होता है। आगे चल कर यही असमानता अपने रंग दिखाना शुरू कर देती है।
- महिलाओं को जीवन पर्यंत भिन्न प्रकार के तिरस्कारों का सामना करना पड़ता है। फिर चाहे वो लिंग आधारित भ्रूण हत्या हो या दहेज न लाने के नाम पर जलाया जाना हो अथवा बलात्कार का शिकार होना हो। जो देश महिलाओं का सम्मान करना नहीं जानता, वह वास्तव में एक रोगी देश है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) मानव स्वास्थ्य पर शहरीकरण के प्रभावों को विशिष्ट रूप से दर्शाते हुए शहरों को एक बेहतर रहने लायक जगह बनाने पर जोर देता है।

बनें जिम्मेदार नागरिक

जिम्मेदार नागरिकों की हैसियत से हमें अपने रहने के स्थानों में उपवन संस्कृति को फिर से वापस लाना होगा, ताकि खुली हवा में सांस लेते हुए, हम शारीरिक व्यायाम के लाभ उठा सकें। स्कूल, कॉलेजों में खेलकूद और योगाभ्यास को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। मोटर बाइक और कार के स्थान पर युवक -युवतियों में साइकिल चलाना एक आधुनिक फैशन के रूप में विकसित करना होगा।

स्वास्थ्य का रखें ख्याल

- रुपयों की इस अंधी दौड़ में भाग कर हम अपने मानसिक एवम् शारीरिक स्वास्थ्य का सत्यानाश कर रहे हैं। अपनी प्रतिभा का विकास करना अच्छी बात है, परन्तु केवल पैसे कमाने के उद्देश्य से नहीं, हम केवल निर्मल आनंद के लिए अपनी नृत्य, गायन, खेलकूद की रुचियों को विकसित क्यों नहीं करते? आधुनिक युग की चूहा दौड़ हमें एक स्वस्थ इंसान से एक बीमार पशु बना रही है।
- हाल ही में सिंगापुर में हुए एक स्वास्थ्य सेवा सम्मलेन में विशेषज्ञों ने माना कि एशिया की स्वास्थ्य सेवाएं आधुनिक जीवनशैली की व्याधियों के बोझ तले दबी जा रही हैं।
- स्वाइन-बर्ड फ्लू और तपेदिक जैसे संक्रामक रोगों के साथ -साथ आर्थिक सम्पन्नता से जुड़ी हुई असंक्रामक

बीमारियों का भार दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है।

- तम्बाकू एवम् धूम्रपान का व्यसन भी भारत समेत अन्य देशों में लाखों लोगों की सेहत पर सवालिया निशान लगा रहा है।
- सिगरेट एवं गुटखा निर्माताओं की आक्रामक विज्ञापन तकनीक के आगे, सारे तम्बाकू विरोधी अभियान असफल सिद्ध होते प्रतीत हो रहे हैं। ये कम्पनियां मर्दानगी, आधुनिकता और तनाव-मुक्ति के नाम पर जनता को विष बेच रही हैं और इनके विरुद्ध कोई भी कार्यवाही नहीं की जा रही है।
- तम्बाकू सेवन का सीधा सम्बन्ध श्वास एवं फेफड़े की बीमारियों से है। जैसे कि अस्थमा, तपेदिक आदि। क्या ही अच्छा होता यदि हम तम्बाकूयुक्त पानमसाला चबाने के स्थान पर लौंग, इलाइची या सौंफ जैसी गुणकारी वस्तुओं का सेवन करने की बुद्धि रखते।

टीकाकरण और स्वच्छता को बढ़ावा

समाज में ऐसे सुधार लाने की आवश्यकता है, जिनके द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं न केवल टीकाकरण और स्वच्छता को बढ़ावा दें, वरन जन मानस को संतुलित आहार, स्वस्थ जीवन शैली और नैतिक मूल्यों की भी शिक्षा भी प्रदान करें। यदि हमारे मन में शान्ति, प्रेम, अहिंसा के भाव होंगे तथा हम अमीरी के भड़कीले दिखावे से दूर रहेंगे, तो वास्तव में हमारा जीवन रोगमुक्त हो सकेगा। स्वस्थ रहने के लिए प्रसन्न रहना आवश्यक है और प्रसन्नता तभी मिलेगी, जब हम द्वेष के स्थान पर आनंद बांटे, तभी गांव-गांव और शहर- शहर में एक स्वस्थ और खुशहाल वातावरण बन पाएगा।

कच्चे तेल वायदा में जोरदार उछाल, कीमतें 9,500 के पार

हाजिर मांग और वैश्विक तेजी का असर, जून अनुबंध 106 रुपये चढ़ा

नई दिल्ली ।

मजबूत हाजिर मांग और वैश्विक तेजी के संकेतों के बीच मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स)पर कच्चे तेल के वायदा भाव में गुरुवार को जोरदार उछाल देखा गया। जून में आपूर्ति वाले कच्चे तेल का वायदा अनुबंध 106 रुपये बढ़कर 9,569 रुपये प्रति बैरल पर बंद हुआ, जिसमें कारोबारियों ने जमकर दांव लगाए। बाजार विश्लेषकों ने बताया कि प्रतिभागियों द्वारा अपनी स्थिति बढ़ाने से वायदा कारोबार में कच्चे तेल की कीमतों को समर्थन मिला। इस दौरान जून अनुबंध में कुल 4,282 लॉट का कारोबार हुआ। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी कच्चे तेल के दामों में तेजी दर्ज की गई। न्यूयॉर्क में वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट कच्चे तेल का भाव 0.82 प्रतिशत चढ़कर 107.77 डॉलर प्रति बैरल हो गया, जबकि ब्रेंट कच्चा तेल 0.51 प्रतिशत की तेजी के साथ 105.56 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में जारी यह मजबूती भारतीय वायदा बाजार में भी दिखाई दी।

इंडोनेशियाई निर्यात पर सरकारी नियंत्रण, वैश्विक कमोडिटी बाजार पर बड़ा असर

राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने सस्ता निर्यात रोकने के लिए उठाया कदम

जकार्ता ।

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने देश के प्रमुख कमोडिटी निर्यात पर पूर्ण सरकारी नियंत्रण स्थापित करने का ऐलान किया है, जिससे वैश्विक कमोडिटी बाजारों में हलचल मच गई है। इस ऐतिहासिक फैसले के तहत, पाम ऑयल, कोयला और फेरोएलॉय जैसे अहम निर्यात अब केवल सरकार द्वारा चुनी गई एक कंपनी के माध्यम से ही किए जाएंगे। राष्ट्रपति प्रबोवो ने संसद में अपने भाषण में कहा कि पिछले 34 वर्षों में सस्ते दामों पर संसाधनों की बिक्री से इंडोनेशिया को लगभग 908 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है, और अब देश के संसाधनों का लाभ पूरे इंडोनेशिया के लोगों को मिलना चाहिए। दुनिया के सबसे बड़े पाम ऑयल और थर्मल कोयला निर्यातक होने के नाते, इंडोनेशिया के इस कदम का वैश्विक कमोडिटी बाजार पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है। नई व्यवस्था के तहत, शुरुआती चरण में कोयला, पाम ऑयल और फेरोएलॉय को शामिल किया जाएगा, जबकि हर तीन महीने में समीक्षा कर अन्य कमोडिटी को भी जोड़ा जा सकता है। सरकार ने निर्यातकों को तीन महीने की ट्रांजिशन अवधि दी है, जिसमें मौजूदा सौदों को पूरा किया जा सकेगा, लेकिन सरकारी एजेंसी उनकी निगरानी करेगी। बाद में सभी निर्यात संप्रभु संपत्ति कोष डनांतारा इंडोनेशिया की निगरानी में केवल सरकारी नियुक्त कंपनी के जरिए ही होंगे। इस योजना के साथ ही, सरकार ने एक और अहम नियम लागू किया है। 1 जून से, प्राकृतिक संसाधनों का निर्यात करने वाली सभी कंपनियों को अपनी 100 फीसदी विदेशी कमाई इंडोनेशिया के सरकारी बैंकों में जमा करनी होगी। सरकार का दावा है कि यह कदम देश की मुद्रा रुपिया को स्थिर रखने में मदद करेगा।

अडानी पावर जयप्रकाश ग्रुप में बढ़ाएगी 24 फीसदी हिस्सेदारी

यूपी स्थित 180 मेगावॉट का चुर्क थर्मल पावर प्लांट खरीदेगी

मुंबई ।

अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी पावर ने जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेपी एसोसिएट्स) के साथ एक और बड़ी डील की है। गुरुवार को कंपनी ने बताया कि उसने जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड (जेपी पावर) में 24 फीसदी हिस्सेदारी और उत्तर प्रदेश में 180 मेगावॉट का चुर्क थर्मल पावर प्लांट खरीदने के लिए डेफिनिटिव एग्रीमेंट्स किए हैं। ये समझौते जेपी एसोसिएट्स के लिए एनसीएलटी द्वारा अप्रूव्ड रेजॉल्यूशन प्लान के तहत हुए हैं। अडानी पावर ने जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड (जेपी पावर) में 24 फीसदी हिस्सेदारी करीब 2993.6 करोड़ रुपये में खरीदने के लिए शेयर परचेज एग्रीमेंट पर दस्तखत किए हैं। इसके अतिरिक्त, कंपनी चुर्क थर्मल पावर प्लांट और उससे जुड़ी संपत्तियों के साथ-साथ प्रयागराज पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड में जेपी एसोसिएट्स की 11.49 फीसदी हिस्सेदारी भी लगभग 1200 करोड़ रुपये में हासिल करेगी। इन डील्स का कुल मूल्य करीब 4200 करोड़ रुपये बैठता है और इन्हें कैश में पूरा किया जाएगा।

अमेरिकी उद्योग ने भारतीय सब्सिडी पर उठाए सवाल, दंडात्मक शुल्क की मांग

स्टील, फेरोएलॉय और सौर उत्पादों पर लगे आरोप; भारत ने बाजार-संचालित विकास का तर्क दिया

नई दिल्ली ।

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) कार्यालय की धारा 301 के तहत हुई सुनवाई ने भारत और अमेरिका के व्यापार संबंधों में नया टकराव पैदा कर दिया है।

अमेरिकी उद्योग समूहों ने भारत पर सरकारी मदद से अत्यधिक उत्पादन और बेजा सब्सिडी का आरोप लगाते हुए भारतीय सामानों पर दंडात्मक शुल्क लगाने की मांग की है। भारतीय अधिकारियों ने इसका जोरदार बचाव करते हुए कहा कि देश का विनिर्माण विस्तार बाजार-संचालित और वैश्विक व्यापार नियमों के अनुरूप है।

सुनवाई के दौरान अमेरिकी उद्योग समूहों - जिनमें स्टील, मैंगनीज फेरोएलॉय और सौर उत्पाद निर्माता शामिल हैं, ने भारत पर चीन की पुरानी चाल चलने और भारी सब्सिडी, निर्यात प्रोत्साहन व कर छूट देकर अपने उद्योगों को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इससे भारतीय उत्पादों को अमेरिका में निर्यात बढ़ाने में मदद मिली है।

अमेरिकी प्रतिनिधियों के दावों को बेबुनियाद बताते हुए, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने यूएसटीआर से कहा कि जांच अमेरिकी कानून के तहत वैधानिक सीमा को पूरा नहीं करती और इसमें किसी विशिष्ट कार्रवाई योग्य भारतीय नीति की पहचान नहीं की गई। यह जांच रद्द किए गए ट्रंप प्रशासन के जवाबी शुल्कों का संभावित विकल्प है।

बढ़ते एनपीए और घटती सेविंग ने बढ़ाई बैंकों की चिंता

नई दिल्ली ।

देश में बढ़ते कर्ज और लोगों की घटती बचत ने बैंकिंग सेक्टर की चिंता बढ़ा दी है। महंगाई और बदलती जीवनशैली के कारण लोग तेजी से लोन ले रहे हैं, जबकि बचत कम होती जा रही है। बैंकों के अनुसार पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड और वाहन ऋण में लगातार वृद्धि हो रही है। दूसरी ओर सेविंग अकाउंट और फिक्स्ड डिपॉजिट में जमा राशि की रफ्तार धीमी पड़ गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यही स्थिति लंबे समय तक बनी रही तो बैंकों पर एनपीए का दबाव बढ़ सकता है। इससे वित्तीय संतुलन और बैंकिंग व्यवस्था पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

तेल संकट के बीच जापान का व्यापार मजबूत, निर्यात में बंपर उछाल

सेमीकंडक्टर निर्यात 42 फीसदी बढ़ा, युद्ध के बावजूद उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन

तोक्यो ।

ईरान में युद्ध से तेल-गैस आपूर्ति की वैश्विक चुनौतियों के बावजूद जापान का अप्रैल व्यापार उम्मीद से कहीं अधिक मजबूत रहा। वित्त मंत्रालय द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार निर्यात में लगातार आठवीं वृद्धि दर्ज की गई, जिससे व्यापार संतुलन घाटे से निकलकर अधिशेष में आ गया। अप्रैल में निर्यात सालाना आधार पर 14.8 प्रतिशत बढ़ा, जिसमें सेमीकंडक्टर क्षेत्र का अहम योगदान रहा, जिसका निर्यात करीब 42 प्रतिशत बढ़ा। कुल मिलाकर, जापान ने 301.9 अरब येन (1.9 अरब अमेरिकी डॉलर) का व्यापार अधिशेष दर्ज किया, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में घाटा था। चिकित्सकीय उत्पादों, कागज और विद्युत मशीनरी के निर्यात में भी बढ़ोतरी देखी गई। चीन को निर्यात 15.5 और अमेरिका को 9.5 फीसदी बढ़ा। कुल आयात में 9.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, लेकिन मूल्य के हिसाब से जापान का तेल आयात में 50 प्रतिशत और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) आयात में 20 प्रतिशत की उल्लेखनीय कमी आई है। ईरान युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से आपूर्ति बाधित होने से यह कमी आई है। प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची ने राष्ट्रीय तेल भंडार से आपूर्ति जारी करने का निर्देश दिया है। कमजोर येन और ब्रेंट क्रूड के 70 डॉलर से 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंचने के कारण जापान के लिए तेल आयात और महंगा हो गया है, जिससे नेफ्था जैसे उत्पादों का उत्पादन प्रभावित हुआ है।

इंटुइट में 3000 कर्मचारियों की छंटनीः एआई पर बढ़ते फोकस के बीच कंपनी का पुनर्गठन

वाशिंगटन।

ग्लोबल फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी फर्म इंटुइट (इंटुइट) ने अपने वैश्विक कार्यबल के 17 प्रतिशत कर्मचारियों, यानी करीब 3000 लोगों को नौकरी से निकालने की घोषणा की है। यह बड़ा कदम तब उठाया गया है जब कंपनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर अपना ध्यान बढ़ा रही है और अपने संगठनात्मक ढांचे को सरल बनाने की दिशा में काम कर रही है।

कंपनी के आंतरिक मेमो के अनुसार, सीईओ ससन गुडाज़ी ने कर्मचारियों को बताया कि इस पुनर्गठन का मुख्य उद्देश्य जटिलता को कम करना, परिचालन को सुव्यवस्थित करना और ग्राहकों के लिए बेहतर उत्पाद व सेवाएं प्रदान करने के लिए नवाचार की गति को तेज करना है। गुडाज़ी ने बताया कि ये छंटनियां एआई द्वारा कर्मचारियों को बदलने के लिए नहीं की जा रही हैं, बल्कि यह कंपनी की कार्यक्षमता और दक्षता बढ़ाने की एक रणनीतिक पहल का हिस्सा है। इंटुइट अपने संसाधनों को एआई-आधारित प्रौद्योगिकियों की ओर स्थानांतरित कर रहा है। हाल ही में, कंपनी ने अपने क्विकबुक्स जैसे प्रमुख वित्तीय और टैक्स सॉफ्टवेयर में एआई क्षमताओं को जोड़ने के लिए ओपन एआई और एंथ्रोपिक जैसी अग्रणी एआई कंपनियों के साथ साझेदारी की है। यह साझेदारी कंपनी को अपने ग्राहकों को अधिक उन्नत और सहज समाधान प्रदान करने में मदद करेगी। कंपनी का मानना है कि एआई एकीकरण से उसके परिचालन में सुधार आएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका में इस छंटनी से प्रभावित कर्मचारियों को 16 सप्ताह का मूल वेतन दिया जाएगा, साथ ही कंपनी में बिताए गए प्रत्येक वर्ष की सेवा के लिए अतिरिक्त 2 सप्ताह का वेतन भी उनके पैकेज में शामिल होगा।

इंटुइट की इस वैश्विक छंटनी का असर भारत पर भी पड़ना तय है, खासकर बेंगलुरु में, जो कंपनी के वैश्विक हब में से एक है। यहां उत्पाद विकास, इंजीनियरिंग और डेटा साइंस की बड़ी टीमें काम करती हैं, जिसके चलते इन कार्यालयों में भी कुछ भूमिकाएं समाप्त की जा सकती हैं। इसके अतिरिक्त, इंटुइट रेनो, नेवादा और वुडलैंड हिल्स, कैलिफोर्निया में अपने कार्यालय भी बंद कर रहा है।

यह घोषणा उसी दिन हुई जब मेटा ने अपने यहां से 8000 कर्मचारियों की छंटनी का ऐलान किया था, जो मौजूदा टेक उद्योग में व्यापक चुनौतियों और पुनर्गठन के दौर को दर्शाता है।

भारतीय वाणिज्य दूतावास अमेरिकी बाजार में निर्यात बढ़ाने 29 मई को करेगा वेबिनार

यह सत्र भारतीय उत्पादों को वैश्विक मंच पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा

न्यूयॉर्क ।

न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी बाज़ार में प्रवेश दिलाने के उद्देश्य से 29 मई को एक विशेष वेबिनार का आयोजन कर रहा है। प्रमुख अमेरिकी खुदरा कंपनी वॉलमार्ट के सहयोग से आयोजित होने वाला यह सत्र भारतीय उत्पादों को वैश्विक मंच पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। डिस्कवर पाथवे फॉर एक्सपोर्ट टू यूएसए फॉर इंडियन एक्सपोर्टर्स एंड एमएसएमई शीर्षक वाला यह वेबिनार, भारतीय निर्यातकों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को अमेरिकी खुदरा दुकानों तक अपने उत्पाद पहुंचाने के लिए आपूर्ति श्रृंखला और अन्य अनुपालन आवश्यकताओं की विस्तृत जानकारी प्रदान करेगा। वॉलमार्ट के विशेषज्ञ इस दौरान निर्यात प्रक्रिया को समझने में मदद करेंगे, विशेषकर उसके 19 देशों में फैले 10,750 से अधिक स्टोरों के लिए। यह पहल सिएटल स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास द्वारा पिछले महीने कॉस्टको होलसेल कॉर्पोरेशन के साथ आयोजित ऐसे ही एक सफल वेबिनार के बाद आई है, जिसमें 200 से अधिक भारतीय निर्यातकों ने भाग लिया था। ये वेबिनार भारत और अमेरिका के

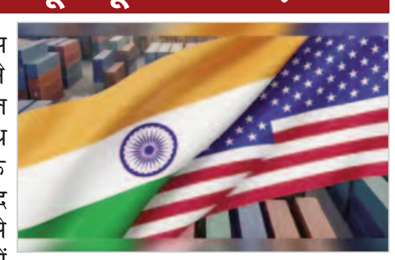

बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा हैं। पिछले महीने, विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने इंडिया-यूएस ट्रेड फैसिलिटेशन पोर्टल का भी अनावरण किया था, जिसका लक्ष्य 2030 तक दोनों देशों के बीच 500 अरब डॉलर के व्यापार लक्ष्य को प्राप्त करना और एमएसएमई व स्टार्टअप्स को समर्थन देना है।

एनवीडिया ने फिर तोड़े सारे रिकॉर्ड, मुनाफ़ा तीन गुना

एआई चिप की भारी मांग ने वॉल स्ट्रीट के अनुमानों को पछाड़ा

न्यूयॉर्क ।

कृत्रिम मेधा (एआई) चिप विनिर्माता एनवीडिया ने एक बार फिर वॉल स्ट्रीट के विश्लेषकों के अनुमानों को पार करते हुए प्रभावशाली तिमाही नतीजे दर्ज किए हैं। उच्च-स्तरीय एआई चिप्स की बढ़ती मांग के कारण कंपनी के राजस्व और मुनाफा में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। कंपनी ने फरवरी-अप्रैल तिमाही में 81.62 अरब अमेरिकी डॉलर का राजस्व दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 44.01 अरब डॉलर से 85 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान उसका शुद्ध लाभ एक वर्ष पहले के 18.78 अरब डॉलर से बढ़कर 58.32 अरब डॉलर हो गया।

विश्लेषकों ने औसतन 78.91 अरब डॉलर के राजस्व और 1.75 डॉलर प्रति शेयर आय (एकमुश्त मदों को छोड़कर) का अनुमान लगाया था, लेकिन एनवीडिया ने सभी उम्मीदों को पीछे छोड़ दिया। एनवीडिया ने अगली तिमाही के लिए भी 91 अरब डॉलर के रिकॉर्ड राजस्व का अनुमान लगाया है, जो विश्लेषकों के 87.29 अरब डॉलर के अनुमान से कहीं अधिक है। पिछले तीन वर्षों से कंपनी लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही है।

400 करोड़ के पावर प्लांट भूमि घोटाले में एसआइटी जांच शुरू

पांच सदस्यीय टीम ने चपरघटा में किया स्थलीय निरीक्षण, ग्रामीणों से भी की पूछताछ

कानपुर ।

पुलिस अधीक्षक द्वारा गठित पांच सदस्यीय विशेष जांच टीम (एसआइटी) ने लगभग 400 करोड़ रुपये के बहुचर्चित पावर प्लांट भूमि घोटाले की जांच शुरू कर दी है। टीम ने पहले दिन चपरघटा स्थित विवादित स्थल का स्थलीय निरीक्षण कर ग्रामीणों से पूछताछ की। अब पुलिस इस पूरे प्रकरण से जुड़े कागजात और प्रक्रिया की गहनता से पड़ताल करेगी। यह घोटाला 2011 में चपरघटा में थर्मल पावर प्लांट लगाने के बजाय, गुरुग्राम की हिमावत पावर प्राइवेट लिमिटेड और उसकी सहयोगी कंपनी लैंको अनपरा पावर लिमिटेड द्वारा 2332 एकड़ जमीन पर 1500 करोड़ रुपये का ऋण लेने से संबंधित है। आरोप है कि कंपनियों ने स्वयं को दिवालिया घोषित कर दिया। बैंकों ने जमीन नीलाम कर 1100 करोड़ रुपये वसूल लिए, लेकिन शेष 400 करोड़ रुपये कंपनियों ने कथित तौर पर हड़प लिए और ऋण लेकर कोई काम भी नहीं किया।

इस मामले में भोगनीपुर तहसीलदार प्रिया सिंह ने तत्कालीन एडीएम भूमि-अध्याप्ति कानपुर नगर ओके सिंह, संबंधित कंपनियों के अधिकारियों और केनरा, पंजाब नेशनल व आइडीबीआइ बैंक की गुरुग्राम स्थित शाखाओं के कर्मियों व अधिकारियों पर मूसानगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। एसपी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एसआइटी का गठन किया था। टीम ने भूमि अधिग्रहित करने वाले कुछ किसानों से भी बातचीत कर जानकारी जुटाई।

साइप्रस ने भारतीय कंपनियों को दिया यूरोप में विस्तार का न्योता

2026 तक मुंबई में व्यापार केंद्र खोलने की घोषणा

मुंबई ।

साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स ने गुरुवार को कहा कि उनका द्वीपीय देश भारतीय कंपनियों के लिए यूरोप में विस्तार करने हेतु एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार के रूप में काम कर सकता है। उन्होंने सीमा-पार साझेदारियों को सुगम बनाने के लिए भारत की वित्तीय राजधानी मुंबई में एक व्यापार केंद्र स्थापित करने की भी घोषणा की। यह मुंबई व्यापार केंद्र 1 सितंबर 2026 से चालू हो जाएगा, जिसका उद्देश्य द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को प्रगाढ़ करना है। साइप्रस-भारत व्यापार मंच को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि साइप्रस यूरोपीय संघ समेत व्यापक पूर्वी भूमध्य, खाड़ी और उत्तरी अफ्रीका के बाजारों तक पहुंच बनाने के लिए एक आधार प्रदान करने को तैयार है।

उन्होंने बताया कि साइप्रस यूरोपीय संघ का सदस्य होने के नाते स्थिर, पारदर्शी और ईयू-अनुरूप कारोबारी माहौल, सामान्य कानून आधारित ढांचा, अंग्रेजी भाषी वातावरण और 15 प्रतिशत की कम कॉर्पोरेट आयकर दर प्रदान करता है। राष्ट्रपति क्रिस्टोडौलाइड्स ने डिजिटल प्रौद्योगिकी, एआई, वित्तीय सेवाओं, नवीकरणीय ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में भारत के साथ सहयोग की मजबूत संभावनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियां, विशेषकर प्रौद्योगिकी और वित्तीय नवाचार में, यूरोप में प्रवेश के लिए तेजी से साइप्रस का उपयोग कर रही हैं।

दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रत्यक्ष हवाई संपर्क स्थापित करने पर भी काम चल रहा है।

एयरटेल का प्रायोरिटी पोस्टपेड धमाका, भीड़भाड़ में भी अब मिलेगी तेज स्पीड

मौजूदा पोस्टपेड ग्राहकों को स्वतः मिलेगा लाभ, प्रीपेड यूजर्स को करना होगा अपग्रेड

नई दिल्ली ।

दूरसंचार कंपनी एयरटेल ने अपने पोस्टपेड ग्राहकों के लिए नई प्रायोरिटी पोस्टपेड सेवा शुरू की है। यह सेवा भीड़भाड़ वाले इलाकों में भी लगातार बेहतर और तेज़ स्पीड प्रदान करने का वादा करती है। एयरटेल ने ग्राहकों को भेजे पत्र में बताया कि मौजूदा पोस्टपेड ग्राहकों को इस सेवा का लाभ स्वतः मिलेगा, जबकि प्रीपेड ग्राहकों को इसका लाभ उठाने के लिए अपनी सेवा को पोस्टपेड में अपग्रेड करना होगा। भारती एयरटेल ने हाल ही में प्रायोरिटी पोस्टपेड 5जी सेवा पेश की थी, जिसका उद्देश्य ग्राहकों को भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में भी अधिक विश्वसनीय दूरसंचार सेवाएं देना है। इस अनूठी सुविधा को नेटवर्क स्लाइसिंग तकनीक का उपयोग करके विकसित किया गया है। यह तकनीक पोस्टपेड ग्राहकों के लिए नेटवर्क का एक समर्पित हिस्सा आवंटित करती है, जिससे वे अन्य सेवा श्रेणियों, विशेषकर प्रीपेड ग्राहकों की बड़ी संख्या से अलग होकर एक तरह से तेज़ लेन में सेवा प्राप्त करते हैं। कंपनी के अधिकारी ने बताया कि कई ग्राहकों ने भीड़भाड़ वाले बाजारों या आयोजनों में वीडियो कॉल या डेटा अपलोड करने में कठिनाई की शिकायत की थी, जिसे हल करने के लिए एयरटेल प्रायोरिटी पोस्टपेड लाया गया है। यह खास तौर पर भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में भी लगातार बेहतर अनुभव सुनिश्चित करेगा। वैश्विक दूरसंचार कंपनियों एरिक्सन और नोकिया ने एयरटेल द्वारा नेटवर्क स्लाइसिंग तकनीक के उपयोग को भारत के मोबाइल सेवा क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि बताया है। नोकिया ने गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी 5जी कोर और स्लाइसिंग क्षमताएं अब भारत में भी उपलब्ध हैं, जबकि एरिक्सन ने इसे भारत के डिजिटल नेतृत्व को मजबूत करने वाला कदम बताया। इस कदम के साथ भारती एयरटेल अब अमेरिका, सिंगापुर जैसे देशों के उन अग्रणी सेवा प्रदाताओं में शामिल हो गया है जो उन्नत 5जी समाधानों के माध्यम से विशिष्ट ग्राहक अनुभव प्रदान कर रहे हैं।

खुदरा ऋण में गोल्ड लोन की चमक, सुरक्षित ऋण की ओर बढ़ रहा भारत

पर्सनल लोन को पछाड़ा, एसेट क्वालिटी में भी आया सुधार

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2026 में भारतीय खुदरा ऋण बाजार में एक निर्णायक बदलाव देखा गया है, जहां सुरक्षित ऋणों की ओर रुझान बढ़ा है। गोल्ड लोन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सबसे तेजी से बढ़ते खंड के रूप में अपनी पहचान बनाई है। यह होम लोन के बाद दूसरा सबसे बड़ा खुदरा ऋण वर्ग बन गया है, जिसने पर्सनल लोन को पीछे छोड़ा है। बाजार में गोल्ड लोन का बढ़ता दबदबा- कुल खपत ऋण 15.3 प्रतिशत बढ़कर 118.6 लाख करोड़ रुपये हुआ, जिसे गोल्ड लोन, पर्सनल लोन और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स ने समर्थन दिया। गोल्ड लोन का प्रदर्शन विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा, जिसमें सालाना आधार पर 50.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो 18.6 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। होम और वाहन ऋण की वृद्धि स्थिर रही, जबकि सोने की बढ़ती कीमतों के कारण गोल्ड लोन का औसत आकार वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में 52 प्रतिशत बढ़कर 2.19 लाख रुपये हो गया। इस असाधारण वृद्धि को नियामक ढील और बढ़ती सोने की कीमतों से बल मिला है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 2.5 लाख रुपये तक के गोल्ड लोन के लिए लोन-टू-वैल्यू सीमा को 85 प्रतिशत तक बढ़ाने के फैसले ने नए उधारकर्ताओं को आकर्षित किया। तेज विस्तार के बावजूद, गोल्ड लोन की संपत्ति

गुणवत्ता में सुधार हुआ है। मार्च 2026 में 31 से 180 दिन का पास्ट ड्यू रेशियो घटकर 1.2 प्रतिशत रह गया, जो एक साल पहले 2 प्रतिशत था। गिरवी संपत्ति की वसूली और सोने की कीमतों में तेजी से इसमें सुधार हुआ।

वैभव सूर्यवंशी की काबिलियत को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता: संजय बांगड़

नई दिल्ली । 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से जहां विपक्षी टीम के गेंदबाजों दहशत मचा रखी है, फैंस और विश्लेषकों को अपना मुरीद बना लिया है। मंगलवार को जयपुर में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के इस सलामी बल्लेबाज ने 38 गेंदों पर 93 रनों की विस्फोटक पारी खेली और अपनी टीम को 7 विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। वैभव की इस पारी को देखने के बाद टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर संजय बांगड़ ने उनकी जमकर तारीफ की है। संजय बांगड़ ने कहा कि जब भी वह सूर्यवंशी को खेलते हुए देखते हैं, तो उनकी तारीफ के लिए शब्द कम पड़ जाते हैं। जियोस्टार पर संजय बांगड़ ने कहा, 'इस लड़के की क्षमता को समझा सके, उसके लिए मेरे पास पर्याप्त शब्द नहीं हैं। मैं उसके साथ न्याय नहीं कर सकता। कुछ शॉट तो बहुत बढ़िया थे, कम से कम इतना तो कह ही सकते हैं। लगातार कवर बाउंड्री के ऊपर से हिट करना, पेस के खिलाफ, स्पिन के खिलाफ, और जब भी बॉल शॉर्ट में डग की गई, वह बहुत बढ़िया था। 'बांगड़ ने आगे कहा, 'लखनऊ सुपर जायंट्स लाइन-अप में सारे गेंदबाज 145 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से गेंद फेंक रहे थे। इससे इस बच्चे को कोई फर्क नहीं पड़ा। उसने सच में एक मास्टरक्लास और शानदार वैभव सूर्यवंशी पारी खेली। जबरदस्त मनोरंजन हुआ। वह जहां भी जाएगा और जहां भी खेलेगा, पक्का भीड़ खींचेगा। '

अभिषेक से आगे पहुंचा आरआर का धुरंधर

200+ चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले टॉप-5 भारतीय

नई दिल्ली । राजस्थान रॉयल्स के 15 वर्षीय युवा ओपनर बैटर वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 के 64वें मैच में चेज करते हुए 93 रन की तूफानी पारी खेली और टीम को जीत दिलाकर प्लेयर ऑफ द मैच बने । वैभव ने अपनी इस पारी के दौरान 10 बेहतरीन छक्के भी लगाए और वो अब आईपीएल इतिहास में 200 या उससे ज्यादा स्कोर चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर आ गए और अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ दिया ।

वैभव सूर्यवंशी निकले अभिषेक शर्मा से आगे–
आईपीएल में 200 या उससे ज्यादा स्कोर चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले अभिषेक शर्मा पहले नंबर पर थे, लेकिन लखनऊ के खिलाफ अपनी पारी के दौरान 10 छक्के लगाकर वैभव सूर्यवंशी ने अब अभिषेक को पीछे छोड़ दिया । आईपीएल में 200 या उससे ज्यादा स्कोर चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में अब वैभव पहले नंबर पर आ गए । उन्होंने अब तक इस लीग में चेज करते हुए 10 पारियों में कुल 42 छक्के लगाए हैं जबकि अभिषेक शर्मा ने 17 पारियों में 41 छक्के लगाए थे । आईपीएल में 200 या उससे ज्यादा स्कोर चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर संजू सैमसन हैं जिन्होंने अब तक 15 पारियों में कुल 40 छक्के लगाए हैं जबकि रोहित शर्मा इस सूची में चौथे स्थान पर हैं जिन्होंने 25 पारियों में 38 छक्के जड़े हैं । केएल राहुल इस लिस्ट में 5वें भारतीय हैं जिन्होंने 200 या उससे ज्यादा का स्कोर चेज करते हुए इस लीग में 22 पारियों में कुल 36 छक्के लगाए हैं ।

200 या उससे ज्यादा स्कोर चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले

टॉप-5 भारतीय

- 42 छक्के : वैभव सूर्यवंशी (10 पारी)
- 41 छक्के : अभिषेक शर्मा (17 पारी)
- 40 छक्के : संजू सैमसन (15 पारी)
- 38 छक्के : रोहित शर्मा (25 पारी)
- 36 छक्के : केएल राहुल (22 पारी

क्रिकेटर मोहम्मद शमी को बड़ी राहत, चेक बाउंस मामले में बरी

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को चेक बाउंस मामले में बड़ी राहत मिली है। शमी को अलीपुर कोर्ट ने उनकी अलग रह रही पत्नी हसीन जहां द्वारा दायर चेक बाउंस मामले में बरी कर दिया है। क्रिकेटर मोहम्मद की पूर्व पत्नी हसीन जहां ने आरोप लगाया था कि शमी द्वारा घर के खर्च के लिए दिया गया 1 लाख रुपए का चेक बाउंस हो गया था। बुधवार को अलीपुर कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए इस मामले में सभी आरोपों से बरी कर दिया है। 'आईएएनएस' से ??बात करते हुए, शमी के वकील सलीम रहमान ने कहा, 'क्रिकेटर मोहम्मद शमी को चार साल पुराने उस मामले में बरी कर दिया गया है, जिन्हें उनकी पत्नी ने दायर किया था।' इस मामले की सुनवाई बुधवार को अलीपुर में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में हुई, जहां शमी को सभी आरोपों से मुक्त कर दिया गया।उल्लेखनीय है कि साल 2018 में, हसीन जहां ने आरोप लगाया था कि शमी ने उन्हें घरेलू खर्चों के लिए 1 लाख रुपए का चेक दिया था, जो बाद में बैंक में जमा करने पर बाउंस हो गया। इसके बाद उन्होंने कोर्ट का रुख किया और शमी के खिलाफ मामला दर्ज कराया। इस मामले के अलावा, उन्होंने शमी और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ कई अन्य शिकायतें भी दर्ज कराई थीं।बुधवार को शमी कोर्ट में पेश हुए। फैसले के बाद मीडिया से बात करते हुए शमी ने कहा कि उन्हें पहले से ही पता था कि फैसला उनके पक्ष में आएगा, क्योंकि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया। उन्होंने कहा, 'मुझे जितने भी पैसे देने थे, मैंने उसका एक-एक रुपया चुका दिया है। चाहे मैदान के अंदर की बात हो या बाहर की, मैं हमेशा हर स्थिति को अपनी पूरी क्षमता से संभालने की कोशिश करता हूं। 'शमी फिलहाल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से अपनी अलग रह रही पत्नी के साथ चल रहे कानूनी विवादों के चलते वे लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं।

लिटन दास और रिजवान भिड़े! बांग्लादेशी खिलाड़ियों ने किया जमकर स्लेज

सिलहट, एजेंसी। बांग्लादेश ने इतिहास रचते हुए पाकिस्तान को अपनी सरजमीं पर दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप कर दिया। ढाका में पहले टेस्ट में बांग्लादेश ने 104 रन से और सिलहट में दूसरे टेस्ट में 78 रन से जीत हासिल की। हालांकि, सिलहट टेस्ट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इस वीडियो में बांग्लादेश के लिटन दास और पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान भिड़ गए। और इसके बाद तो पूरी बांग्लादेश टीम ने मिलकर रिजवान को खूब स्लेज किया। बांग्लादेश क्रिकेटरों ने यहां तक कहा कि रिजवान अच्छी एक्टिंग करता है, इसे बॉलीवुड में भेजो, लेकिन वहां भी इसे कोई नहीं लेगा। इसकी ओवरएक्टिंग इतनी है कि 50 पैसे काट लेंगे।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, सिलहट टेस्ट में बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 437 रन का लक्ष्य दिया था। रिजवान और बांग्लादेशी खिलाड़ियों की लड़ाई पाकिस्तान की दूसरी पारी के दौरान हुई। तब पाकिस्तान का स्कोर पांच विकेट पर 259 रन था। पाकिस्तान की दूसरी पारी के 72वें ओवर में तैजुल इस्लाम गेंदबाजी कर रहे थे। चौथी गेंद पर जब तैजुल ने अपना रनअप लिया तो रिजवान क्रीज से हट गए और साइट स्क्रीन की ओर इशारा करने लगे। तब रिजवान के साथ सलमान आगा क्रीज पर थे। जैसे ही रिजवान ने साइट स्क्रीन की ओर इशारा किया, विकेटकीपिंग कर रहे लिटन भड़क गए।

बांग्लादेशी खिलाड़ियों ने किया स्लेज

इस घटना के बाद तो पूरी बांग्लादेशी टीम रिजवान को स्लेज करने लगी। बांग्लादेशी खिलाड़ी ज्यादा आक्रामक नजर आए और रिजवान को खूब स्लेज किया। जैसे ही तैजुल ने ओवर की पांचवीं गेंद डाली, स्टंप माइक पर किसी बांग्लादेशी खिलाड़ी ने रिजवान को स्लेज करते हुए कहा- थोड़ा रन कर लिया है, अभी एक्टिंग चालू हो जाएगा। फिर दूसरे बांग्लादेशी खिलाड़ी ने कहा- बहुत ज्यादा एक्टिंग हो रही है, बहुत ज्यादा एक्टिंग। तैजुल की आखिरी गेंद से पहले रिजवान का ध्यान भंग हुआ और वह फिर से क्रीज से हट गए। इसके बाद ओवर की आखिरी गेंद पर रिजवान ने एक रन लिया। बांग्लादेशी खिलाड़ी यहां भी नहीं रुके। किसी बांग्लादेशी खिलाड़ी ने रिजवान को स्लेज करते हुए कहा- चलो भाई, बॉलीवुड में जगह मिल जाएगी इसे। तो इस पर एक और बांग्लादेशी क्रिकेटर ने कहा- नहीं भाई। उधर इसे जगह नहीं मिलेगी। इतना सुनते ही रिजवान फिर अंपायर के पास पहुंचकर शिकायत करते दिखे। फिर किसी बांग्लादेशी खिलाड़ी ने कहा- इस ओवरएक्टिंग के लिए हम 50 पैसे काटेंगे। 50 पैसे। एक और बांग्लादेशी क्रिकेटर ने कहा- एक हफ्ते बाद इसकी ट्रेनिंग है भाई बॉलीवुड में।

प्लेऑफ की उम्मीदें अब भी बरकरार

मुंबई पर जीत के बाद तालिका में छठे स्थान पर पहुंची कोलकाता

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने मुंबई इंडियंस को चार विकेट से हराकर प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को जीवित रखा है। बुधवार को ईडन गार्डन्स पर खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 147 रन बनाए। जवाब में केकेआर ने 18.5 ओवर में छह विकेट पर 148 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

इस जीत के साथ कोलकाता की टीम अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई है। उनके खाते में 13 अंक हो गए और नेट रन रेट +0.011 हो गया है। अब केकेआर को उनका आखिरी मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलना है। कोलकाता ने इस जीत के दम पर प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को जीवित रखा है।

मुंबई ने 41 के स्कोर तक अपने चार विकेट खो दिए थे। जब पारी के आठ ओवर पूरे हो गए थे, बारिश ने दखल दिया, लेकिन ब्रेक के बावजूद ओवरों में कटौती नहीं की गई। कप्तान हार्दिक पांड्या ने तिलक वर्मा के साथ पांचवें विकेट के लिए 49 गेंदों में 43 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की। तिलक वर्मा 20 रन बनाकर आउट हुए, जबकि पांड्या ने 26 रन का योगदान टीम के खाते में दिया।

कॉर्बिन बॉश ने दीपक चाहर के साथ आठवें विकेट के लिए 20 गेंदों में 42 रन की साझेदारी करते हुए टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। बॉश 18 गेंदों में दो छक्कों और तीन चौकों के साथ 32 रन बनाकर नाबाद रहे। विपक्षी खेमे से सौरभ दुबे, कैमरून ग्रीन और कार्तिक त्यागी ने दो-दो विकेट हासिल किए, जबकि सुनील नरेन ने एक विकेट निकाला।

इसके जवाब में केकेआर ने पहले ही ओवर में फिन एलन (8) का विकेट गंवा दिया। यहां से कप्तान अजिंक्य रहाणे ने मनीष पांडे के साथ 28 गेंदों में 38 रन की साझेदारी की। रहाणे 17 गेंदों में 4 चौकों के साथ 21 रन बनाकर आउट हुए। कुछ देर बाद कैमरन ग्रीन (4) भी पवेलियन लौट गए। टीम ने 7.1 ओवरों में 54 के स्कोर तक अपने तीन विकेट खो दिए थे। यहां से रोवमैन पॉवेल ने मनीष पांडे के साथ चौथे विकेट के लिए 64 रन की साझेदारी करते हुए टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचाया।

भारतीय अंडर-18 महिला हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हराया

भोपाल । भारतीय अंडर-18 महिला हॉकी टीम ने बुधवार को उद्धव दास मेहता (भाई जी) सेंट्रल साई सेंटर में सीरीज के चौथे और आखिरी मैच में ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हरा दिया। ऑस्ट्रेलिया ने पहले क्वार्टर की शुरुआत में ही ऑरोरा कोवासेविच (8') के गोल से बढ़त बना ली। भारतीय टीम ने जल्द जवाब दिया और कप्तान स्वीटी कुजूर (13') ने शुरुआती क्वार्टर खत्म होने से पहले पहला गोल कर टीम को बराबरी दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भारत की दीया (25') ने गोल दागा। इस गोल से भारतीय टीम हाफटाइम तक 2-1 से आगे रही।

भारतीय टीम ने दूसरे हाफ में नियंत्रण बनाए रखा और तीसरे क्वार्टर में प्रियंका मिंज (44') के गोल से अपनी बढ़त 3-1 की कर ली। नौशीन नाज (50') ने आखिरी क्वार्टर में एक और गोल किया और भारत की बढ़त 4-1 करते हुए जीत पक्की कर दी।

भारतीय टीम के लिए यह जीत बहुत अहम रही। इस जीत के बाद इस महीने के आखिर में जापान में शुरू होने वाले अंडर-18 एशिया कप के लिए भारतीय टीम का आत्मविश्वास बढ़ेगा।

हालांकि 4 मैचों की इस सीरीज में ऑस्ट्रेलिया ने 1-3 से जीत दर्ज की।सीरीज के पहले मैच में भारत को 3-4 से हार का सामना करना पड़ा था। दूसरे मैच में भारतीय टीम को 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। तीसरे मैच में भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया ने 1-2 से हराया था।

भारतीय टीम को निश्चित रूप से शुरुआती तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन टीम ने दमदार खेल का प्रदर्शन किया और ऑस्ट्रेलयाई टीम को मैचों के दौरान मुश्किल में रखा। पहला और तीसरा मुकाबला बेहद कांटे वाला रहा।

वर्ल्ड कप की शुरुआत से पहले ब्राजील को झटका; नेमार जूनियर फिर हुए चोटिल

रियो डी जनेरियो। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के आगाज से ठीक पहले ब्राजील को बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार खिलाड़ी नेमार एक बार फिर चोटिल हो गए हैं। नेमार को हाल ही में ब्राजील की विश्व कप टीम में चुना गया है। 'शिन्हुआ' की रिपोर्ट के मुताबिक, 34 साल के सैंटोस स्टार बुधवार को सैन लोरेंजो के खिलाफ अपनी टीम के घरेलू कोपा सुदामेरिकाना मैच में पिंडली की चोट के कारण नहीं खेल पाए। हालांकि ब्राजील के क्लब ने नेमार की इंजरी को गंभीर नहीं बताया है। सैंटोस टीम के डॉक्टर रोड्रिगो जोगैब ने कहा कि फॉरवर्ड खिलाड़ी 27 मई को ब्राजील के पहले प्री-वर्ल्ड कप ट्रेनिंग सेशन के लिए तैयार होंगे।

'ओ ग्लोबो' ने जोगैब के हवाले से कहा, 'नेमार नेशनल टीम में फिट या लगभग पूरी तरह से फिट होने की स्थिति में ही टीम को रिपोर्ट करेंगे। इस बात की भी संभावना है कि वह अगले मंगलवार को डेपोर्टिवो कुएनका के खिलाफ खेल सकते हैं।' ब्राजील के लिए 128 इंटरनेशनल मुकाबलों में सबसे ज्यादा 79 गोल करने वाले नेमार ने ब्राजील के लिए आखिरी मुकाबला अक्टूबर 2023 में खेला था।

उरुग्वे के खिलाफ हुए वर्ल्ड कप क्वालिफायर मुकाबले में उनका एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट फट गया था। बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन के पूर्व अटैकर तब से चोटों से जूझ रहे हैं; पिछले साल जनवरी में अपने बचपन के क्लब सैंटोस में लौटने के बाद नेमार ने 38 मुकाबलों में सिर्फ 17 गोल किए हैं।

यह नेमार का चौथा फीफा वर्ल्ड कप होगा। इससे पहले वह 2014, 2018 और 2022 एडिशन में खेल चुके हैं। वह कैस्टिलो, जल्मा सैंटोस, निल्टन सैंटोस, पेले, एमर्सन लीओ, कैफू, रोनाल्डो और थियागो सिल्वा के साथ सबसे ज्यादा बार इस टूर्नामेंट में खेलने वाले ब्राजील के खिलाड़ी बन जाएंगे।नेमार के पास पेले के साथ जुड़ने और चार अलग-अलग वर्ल्ड कप में ब्राजील की नंबर 10 शर्ट पहनने वाले दूसरे खिलाड़ी बनने का भी मौका है। विश्व कप में नेमार ने 13 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने आठ गोल किए हैं और तीन असिस्ट किए हैं। ब्राजील अपने अभियान का आगाज 13 जून को न्यू जर्सी में मोरक्को के खिलाफ टूर्नामेंट शुरू करेगा, जिसके बाद ग्रुप सी में टीम की भिड़ंत हैती और स्कॉटलैंड से होगी।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) — आपके पूंजीगत निवेशों से भी लाभ होगा। पारिवारिक उत्तरदायित्व अधिक रहेगें। पदोन्नति मिलने का योग हैं। आमदनी में वृद्धि होगी। यात्रा में सावधानी बरतें। क्षमता से अधिक कार्य करने से मर्ज बिगड़ सकता है। मनचाहा स्थानान्तरण मिल सकता है। अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहें। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। बौद्धिक कार्यों में दक्षता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मन: स्थिति से अधिक प्रभावित रहेगा। शुभांक-३-४-७

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) — पुरूषार्थ और कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में आप वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक समय उपलब्धिकारक रहेगा। शुभांक-4-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष से सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक -4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — निकटस्त व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में बाधा को दूर करेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-5-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) — विवादों व मुकदमेबाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। स्वयं को अधिक सक्रिय पाएंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी) — ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-2-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-3-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंग। धार्मिक कार्य में समय व धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 3896

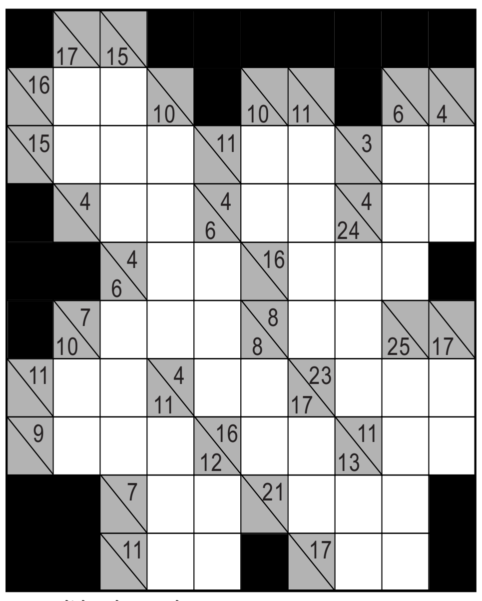

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

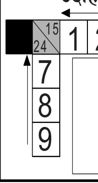

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3895 का हल

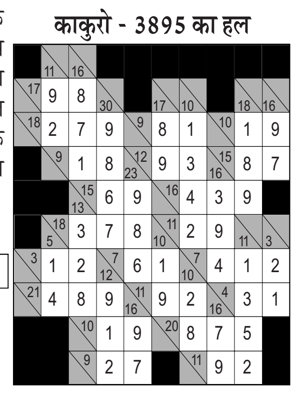

लॉफिंग ज़ोन

शादी के सीजन में जगह-जगह शादी में आने-जाने के कारण रमन के पास कपड़ों की कमी-सी हो जाती? है, फिर भी वो कुछ मैनेज करके अपने खास दोस्त की शादी में जाता है, वहाँ पर दोस्त के अंकल उससे पूछते है- बेटे! ये शर्ट तो बहुत अच्छी है!

रमन- जी, मेरी नहीं है।

अंकल- पैंट भी बहुत अच्छी है।

रमन- ये भी मेरी नहीं है।

अंकल- तो फिर किसकी है?

रमन- लाँड्री वाले की..!

□ □ □

रमन सर्कस देखकर आने के बाद अपने दोस्त से मिलने गया तो उससे कहा- यार! सर्कस में एक मोटी औरत एक दुबले जोकर को खूब मारती रहती है और वह सिर्फ हँसता ही रहता है।

परेश बोला- यार तू बता इसमें नया क्या है? यह तो मेरे घर में रोज ही होता है।

□ □ □

एडवोकेट (गवाह से)- अच्छा तो अब सही-सही बता दो फटाफट, नरेश की मौत आखिर हुई कैसे?

गवाह घबरा कर बोला- बड़ा ही भुलक्कड़ था हुजूर! हो सकता है घटना के समय वह साँस लेना भूल गया हो।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3896

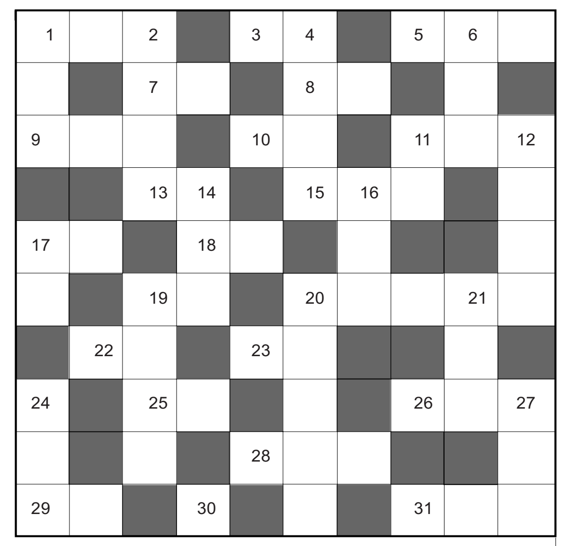

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, माधुरी की 'सात सुरों के तार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चांदी की साइकल' गीत वाली गोविंदा, जूही चावला की फिल्म-२
५. अक्षय, करिश्मा की 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली फिल्म-३
७. नसीरूद्दीनशाह, जैकी, नगमा, शिल्पा की एक फिल्म-२
८. फिल्म 'जाल' की नायिका कौन थी-२
९. 'आयेगा आनेवाला' गीत वाली अशोककुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१०. फिल्म 'हीरा पन्ना' में देव आनंद के किरदार का नाम क्या था-२
११. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुलराय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१३. जैकी श्राफ, डिम्पल की 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
१५. दक्षिण की फिल्म 'थेवर मगन' किस भाषा में बनी थी?-३
१७. 'वीरू' 'जय' और 'बसंती' आदि किस सुपर हिट फिल्म के पात्र हैं-२
१८. 'दिल है प्यारे जरा' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'अनकही' के गीत 'आँखों में अनजाने' का गायक कौन है-२
२०. 'आते आते तेरी याद' गीत वाली संजयदत्त, अनिता की फिल्म-२,१,२
२२. अमिताभ, जीनत की 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली फिल्म-२
२३. फिल्म 'सलाखें' में नायक कौन था-२
२५. 'क्यूं ऑचल हमारा गिरा' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-२
२६. गीत 'दिल के अरमां आँसुओं में' की गायिका कौन है-३
२८. 'काट दिये नाम सब' गीत वाली फिल्म-३
२९. फिल्म 'रॉकी' की नायिका कौन थी-२
३०. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़ें' गीत वाली फिल्म-१
३१. 'सजना के सामने मैं तो गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अजय देवगन, आयशा जुल्का, करिश्मा कपूर की 'बेशक तुम मेरी मुहब्बत हो' गीत वाली फिल्म-३
२. 'मेरी छतरी के नीचे आजा' गीत वाली धर्मेन्द्र, आदित्य, नसीरूद्दीन शाह, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
४. अशोक, प्रदीप, मीना कुमारी की 'दिल जो कह न सका' गीत वाली फिल्म-२,२
६. 'एक तो ये बैरी सावन' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
११. विश्वजीत, माला की 'रोकना है अगर रोक लीजे मगर' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'मुर्गी ने झूठ बोला' गीत वाली किशोरकुमार, साधना की फिल्म-४
१४. कंवलजीत, वहीदा की 'तुम अपना रंजोगम' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'गुरू' में नायक कौन था-३
१७. मनोजकुमार, नंदा, जया की 'पानी रे पानी तेरा रंग कैसा' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'सावन बरसता है तुझसे मिलने को' गीत वाली मिथुन, मीनाक्षी की फिल्म-४
२०. जीतेंद्र, रीना राय की 'तेरे हाथों में पहनाके चूड़ियां' गीत वाली फिल्म-२,३
२१. आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी की फिल्म-३
२४. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'हो जाता है प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'पानी पानी रे खारे पानी रे' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 3895

सूडोकु -3896

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3895 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

शब्द पहेली - 3896

बाएँ से दाएँ

1.महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाकाव्य-5
4.आज्ञापत्र, पतंगा-4
7.शरीर, बदन-2
8.होशियार, हुनरमंद-3
9.नस, नाड़ी-2
10.तीर रखने का पात्र-4
11.गधा, गर्दभ-2
13.जो बंदी हो-3
14.पत्नी, भार्या-2
15.दृष्टि, निगाह-3
17.खैरात, दक्षिणा-2
19.अपने ही घर में कैद होना-5
22.भाग्यवाला-5
25.जी, इच्छा-2
26.तन, काया-3
28.दुनिया, संसार-2
29.वेतन-3
30.भीगा हुआ-2
32.सागौन, एक प्रकार की मूल्यवान लकड़ी-4
34.परिणाम,हल,फ्रूट-2
36.सचेग-3
37.राजकपूर,नरगिस की फिल्म-2
38.चाणक्य के समय मगध की राजधानी-4
39.निरस्त करना-2,3

ऊपर से नीचे

1.आमिर,मनीषा कोइराला की फिल्म-2
2.रवि, सूर्य-3
3.तमाशा देखनेवाले-5
4.परीक्षण,जांच-3
5.सप्ताह का दिन-2
6.जो नापसंद हो (उर्दू-4)
7.गोविंदा व खुशबू की फिल्म-2,3
10.भाग्य,किस्मत-4
12.क्रिकेट में बनते हैं-2
16.नसीरुद्दीन शाह की एक फिल्म -3
17.खुजली-2
18.रस्सी पर अपराधी को लटकाना-2
20.आवश्यक-3
21.कैदी, बंधक-2
22.इसाई साध्वी-2
23.बालकपन-4
24.असावधान-5
25.महासमुद्र-5
26.सज्जनता, भद्रता-4
27.अभिषेक की फिल्म-2
31.मुद्दा (उर्दू-3)
33.वाचन करनेवाला-3
35.उद्देश्य-2
37.आगमन,आने का भाव-2

शब्द पहेली -3895 का हल

(फुल फैट मिल्क), अंडे की जर्दी, बकरे का मीट, कलेजी, जिगर इत्यादि में कोलेस्ट्रॉल बहुत ज्यादा मात्रा में पाया जाता है। इनसे एलडीएल की मात्रा बढ़ती है। कोल्ड ड्रिंक्स, चाय, कॉफी, शराब इत्यादि का इस्तेमाल भी कम करें।

कोलेस्ट्रॉल पर कंट्रोल

- हैल्दी न्यूट्रिशस डाइट लें। भोजन समयानुसार करें और कभी स्किप न करें। भोजन में रेशेयुक्त पदार्थ जैसे अनाज, साबुत व अंकुरित दालें, रंगबिरंगे फल व हरी सब्जियां एवं सलाद को जरूर शामिल करें। फल व सब्जियों में एंटीऑक्सीडैंट, मिनरल्स और विटामिन पाए जाते हैं। एंटीऑक्सीडैंट गंदे कोलेस्ट्रॉल की ऑक्सीडेशन घटाकर हार्ट की नाड़ियों में प्लाक बनने को रोकते हैं।
- डालडा घी का सेवन बिल्कुल न करें। बेकरी के बने पदार्थों व डिब्बाबंद पदार्थों का सेवन भी कम करें। देसी घी कम लें व करड़ी, सूरजमुखी, मूंगफली, सरसों इत्यादि का तेल इस्तेमाल करें।
- सूखे मेवे जैसे बादाम व अखरोट में ओमेगा- 3 फैट्टी एसिड्स होते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल कम करने में सहायक होते हैं। फिश ऑयल या कॉड लिवर ऑयल कैप्सूल भी कोलेस्ट्रॉल कम करते हैं। अलसी, इस्बगोल का छिलका, तिल के बीज (एक चम्मच रोज) भी कोलेस्ट्रॉल कम करने में सहायक हैं।
- वजन बढ़ने न दें। मोटापा सब बीमारियों की जड़ है। अपना बीएमआई 23-24.9 के बीच रखें। कमर का घेरा स्त्रियों में 80 सेंटीमीटर (31.5 इंच) तक होना चाहिए। वजन कम करने पर ट्राइग्लिसराइड कोलेस्ट्रॉल का लैवल कम करने और एचडीएल का स्तर बढ़ाने में मदद मिलती है।
- एक्सरसाइज जरूर करें। कम से कम आधा घंटा सैर के लिए जरूर निकालें। सैर के अलावा साइक्लिंग, स्विमिंग, डांसिंग इत्यादि भी बहुत फायदेमंद हैं। रैगुलर एक्सरसाइज से ट्राइग्लिसराइड का लैवल कम होता है और एचडीएल कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ता है।
- हाई ब्लड प्रैशर पर कंट्रोल रखें। यह हार्ट को बहुत अधिक नुकसान पहुंचाता है।
- अगर आप डायबिटीज से ग्रस्त हैं, तो अपना शुगर लैवल कंट्रोल में रखें।
- स्मोकर्स के बीच न बैठें। पैसिव स्मोकिंग भी बहुत हानिकारक होती है।
- कई स्टडीज से साबित हो चुका है कि स्ट्रेस के कारण लंबे समय में कोलेस्ट्रॉल का लैवल बढ़ जाता है। इसलिए तनावमुक्त रहें। खुशनुमा जिंदगी व्यतीत करें। हर पल जी भर कर जीएं व जिंदगी को एंज्वॉय करें।
- हर साल रैगुलर चैकअप करवाना बहुत जरूरी है।

कम नींद से डायबिटीज!

अगर आप रोजाना छह घंटे से कम सोते हैं, तो समझ लें कि आप कभी भी ब्लड शुगर की समस्या से दो-चार हो सकते हैं, जिसका सीधा मतलब है, डायबिटीज की चपेट में आना।

शोधकर्ताओं ने पाया है कि जो लोग रोजाना पांच घंटे की ही नींद लेते हैं, उनके टाइप-2 डायबिटीज की चपेट में आने की संभावना पांच गुना ज्यादा होती है। वैज्ञानिक कहते हैं कि अच्छी सेहत के लिए कम से कम सात घंटे की नींद जरूरी है, लेकिन जिस तरह से पूरी दुनिया में लाइफस्टाइल बदल रहा है, उससे इतने घंटे नींद ले पाना मुमकिन नहीं है।

शोधकर्ताओं का कहना है कि बहुत ज्यादा या बहुत कम सोने से हार्मोन में कुछ ऐसे बदलाव आते हैं, जिनसे मेटाबॉलिज्म व भूख पर कंट्रोल की प्रक्रिया प्रभावित होती है। शोध के दौरान वैज्ञानिकों ने पाया कि जो लोग छह घंटे से कम की नींद ले रहे हैं, उनमें ग्लूकोज फास्टिंग को प्रभावित करने वाली व्याधि पैदा हो जाती है। जो लोग छह से आठ घंटे सोते हैं, उनमें इस बीमारी की चपेट में आने का खतरा कम होता है।

कम सोने की वजह से सुबह के समय इंसुलिन घटने से शुगर लैवल बढ़ जाता है। इस शोध की लीडर और न्यूयॉर्क में बफैलो यूनिवर्सिटी की विज्ञानी लीजा राफाल्सन के अनुसार अब तक माना जाता था कि डायबिटीज होने के लिए अन्य कारणों के साथ ही आनुवांशिक वजहें भी होती हैं और खास तरह के जींस वाले लोग डायबिटीज की चपेट में आते हैं, लेकिन ताजा शोध से पता चला है कि ठीक ढंग से पूरी नींद न लेने से भी यह बीमारी हो सकती है।

सोडियम

सोडियम एक महत्वपूर्ण इलैक्ट्रोलाइट है। शरीर को सही ढंग से काम करने के लिए सोडियम की जरूरत होती है। यह शरीर में फ्लूइड्स का सही संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। किडनियां शरीर में सोडियम पर कंट्रोल रखती हैं। रोजाना की डाइट में एक टी स्पून नमक लेना चाहिए। एक टी स्पून नमक में 2300 मिलीग्राम सोडियम होता है। यदि आप बहुत ज्यादा नमक का सेवन करते हैं, तो आपकी किडनियां इन्हें पूरी तरह शरीर में से बाहर नहीं निकाल पातीं और सोडियम की मात्रा खून में बढ़ जाती है। इससे हाई ब्लड प्रैशर और शरीर में पानी भरने की समस्या हो सकती है। ब्रैड, दालें (सफेद चना, सोयाबीन, राजमां में नहीं होता), हरी पत्तेदार सब्जियां, नॉन वेज सोडियम के रिच स्रोत हैं, जबकि मिल्क व मिल्क प्रॉडक्ट्स सोडियम के बढ़िया स्रोत हैं।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

फिल्म 'आखिरी सवाल' का उद्देश्य समाज को बांटना नहीं, बल्कि लोगों को एक गंभीर सोच से जोड़ना है

अभिनेत्री त्रिधा चौधरी फिल्म 'आखिरी सवाल' में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। फिल्म की कहानी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और बाबरी मस्जिद जैसे मुद्दों के ईर्द-गिर्द बुनी गई है। फिल्म को लेकर अभिनेत्री त्रिधा चौधरी और समीरा रेड्डी ने अपने अनुभव और विचार शेयर किए। अभिनेत्री त्रिधा चौधरी का कहना है कि यह फिल्म महज एक प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि भावना है। उन्होंने कहा, 'मैंने इस फिल्म में 'सारा' नाम की छात्रा का किरदार निभाया है। मेरा मानना है कि शैक्षिक संस्थान ही वह जगह है, जहां भविष्य के नेता तैयार होते हैं। हम सभी की अपनी-अपनी विचारधाराएं होती हैं और उन पर हमारा अटूट विश्वास होता है।' त्रिधा ने आगे कहा कि सिनेमा में वह ताकत है, जो आपको अपनी बात रखने की 'सिनेमाई आजादी' देती है। उन्होंने पूरी टीम का जिक्र करते हुए कहा, 'इस फिल्म का उद्देश्य समाज को बांटना नहीं, बल्कि लोगों को एक गंभीर सोच से जोड़ना है। फिल्म के जरिए हमने इस बात पर जोर दिया है कि किसी भी व्यक्ति के जीवन में विचारधारा कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

अभिनेत्री समीरा रेड्डी फिल्म के जरिए लंबे समय बाद पर्दे पर वापसी कर रही हैं। उन्होंने 'आखिरी सवाल' में वामपंथी विचारधारा वाली महिला का किरदार निभाया है, जो कहानी के भीतर की स्थिति को चुनौती देती है।

समीरा ने कोलकाता आने पर प्रसन्नता जाहिर की और कहा, 'मैं यहां पर मौजूद सभी लोगों का दिल से शुक्रिया अदा करना चाहती हूं। साथ ही, सिटी ऑफ जॉय में वापस आकर बहुत खुश हूं। मैं कहना चाहूंगी कि मिथुन दा को 20 साल बाद देखकर मैं बहुत खुश हूं। तो यह वैसा पल है, जिसके लिए मैं सच में बहुत उत्साहित थी। मिथुन दा को देखकर बहुत अच्छा लगा। मुझे लगता है कि स्क्रिप्ट के बारे में सबसे प्रभावशाली बात, खासकर अभिजीत वरन जैसे नेशनल अवॉर्ड विजेता निर्देशक के साथ, यह थी कि वह कोई उपदेश नहीं दे रहे थे। वह बस तथ्य सामने रख रहे थे।'

अभिनेत्री ने अपने किरदार 'डॉ. पल्लवी' के बारे में बताया कि वह अलगाववादी विचारधारा की है। उन्होंने कहा, 'यह एक ऐसा पात्र है, जो समाज में दबे हुए सवालों को कुरेदता है और लोगों के बीच हलचल पैदा करता है। एक महिला कलाकार के तौर पर इस तरह का सशक्त और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना मेरे लिए मजेदार था।'

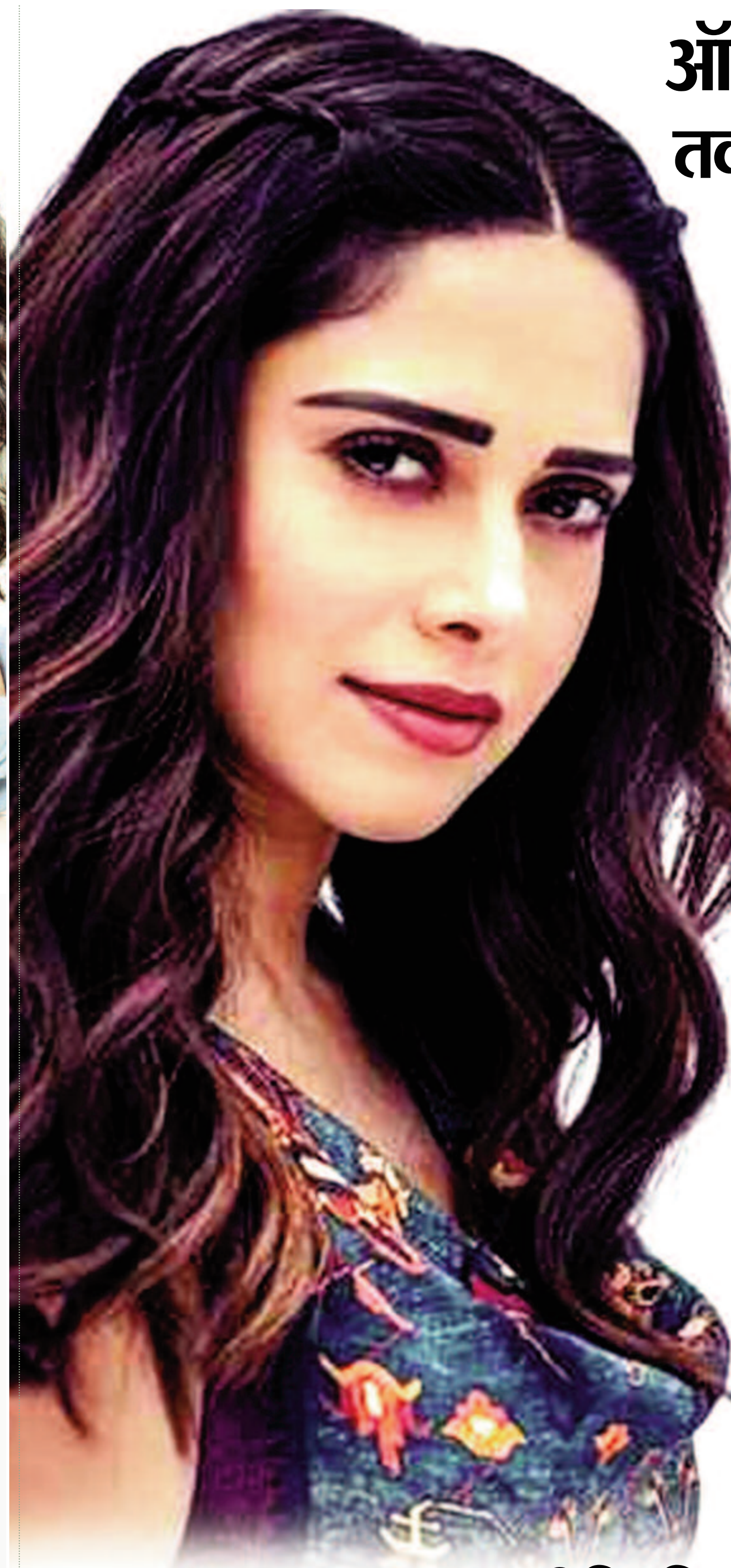

ऑडिशन की लाइन से स्टारडम तक, प्यार का पंचनामा ने बदली नुसरत भरूचा की किस्मत

मुंबई बॉलीवुड अभिनेत्री नुसरत भरूचा ने छोटे-छोटे रोल और लंबे संघर्ष के बाद इंडस्ट्री में अपनी मजबूत जगह बनाई, लेकिन उनकी किस्मत का असली मोड़ एक फिल्म से आया, जिसके लिए वह पहली पसंद नहीं थीं। कई ऑडिशन और टेस्ट के बाद जब उन्हें 'प्यार का पंचनामा' में मौका मिला तो उसी फिल्म ने उनकी पूरी जिंदगी बदल दी और उन्हें एक नई पहचान दिलाई। नुसरत भरूचा को बचपन से ही उन्हें अभिनय में दिलचस्पी थी और इसी वजह से उन्होंने बहुत कम उम्र में टीवी इंडस्ट्री की ओर कदम बढ़ाया। उनके करियर की शुरुआत साल 2002 में टीवी शो 'किट्टी पार्टी' से हुई थी। इस शो में उनका रोल छोटा था, लेकिन कैमरे के सामने काम करने का यह उनका पहला अनुभव था। इसके बाद वह टीवी शो 'सेवन' में भी नजर आईं, जहां उन्हें लीड रोल मिला, हालांकि टीवी पर उन्हें बड़ी पहचान नहीं मिल पाई और उन्होंने फिल्मों की ओर रुख कर लिया।

साल 2006 में नुसरत ने फिल्म 'जय संतोषी मां' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। यह फिल्म उनके लिए एक बड़ा मौका थी, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हो सकी। इसके बाद उन्होंने 'लव सेक्स और धोखा' जैसी फिल्मों में भी काम किया, लेकिन शुरुआती दौर में उन्हें लगातार संघर्ष और असफलताओं का सामना करना पड़ा। वह इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने के लिए लगातार ऑडिशन देती रहती थी। नुसरत के करियर का सबसे बड़ा मोड़ फिल्म 'प्यार का पंचनामा' से आया लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि इस फिल्म के लिए वह पहली पसंद नहीं थीं। इस रोल के लिए कई एक्ट्रेसेस के ऑडिशन हुए थे और नुसरत को भी कई टेस्ट देने पड़े थे। काफी मेहनत और स्क्रीन टेस्ट के बाद उन्हें यह किरदार मिला। जब फिल्म रिलीज हुई, तो उनकी एक्टिंग और स्क्रीन प्रजेंस को दर्शकों ने खूब पसंद किया। यह फिल्म हिट साबित हुई और यहीं से नुसरत को असली पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने 'प्यार का पंचनामा 2' में भी काम किया। यह भी बड़ी सफल साबित हुई।

आगे चलकर 'सोनू के टीटू की स्वीटी' फिल्म ने उन्हें और भी लोकप्रिय बना दिया। इसके बाद नुसरत ने 'ड्रीम गर्ल', 'जनहित में जारी', 'राम सेतु', 'सेल्फी' और 'छोरी' जैसी फिल्मों में भी काम किया। इन फिल्मों में उन्होंने अलग-अलग तरह के किरदार निभाए। नुसरत भरूचा ने अपने करियर में कई रिजेक्शन देखे, ऑडिशन दिए और संघर्ष किया, लेकिन हर बार खुद को बेहतर बनाया। आज नुसरत उन अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं, जिन्होंने बिना किसी फिल्मी बैकग्राउंड के अपने दम पर सफलता हासिल की है।

टैबू टॉपिक्स पर काम नहीं करना चाहते आयुष्मान खुराना?

अब चुनेंगे फैमिली सब्जेक्ट्स

'शुभ मंगल सावधान' में इरेक्टाइल डिसफंक्शन हो या आयुष्मान खुराना की पहली फिल्म 'विकी डोनर' में स्पर्म डोनेशन, आयुष्मान ने हमेशा अलग और बोल्ड विषयों को चुना। उनकी इन फिल्मों को बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा रिस्पॉन्स मिला। अब इस मामले पर एक्टर ने बयान दिया है।

मैंने सारे टैबू टॉपिक्स खत्म कर दिए हैं

अब इन सब फिल्मों के बाद आयुष्मान का नजरिया थोड़ा बदल गया है। अब वह ऐसी फिल्मों पर फोकस करना चाहते हैं, जिन्हें पूरा परिवार साथ बैठकर देख सके और जो ज्यादा ज्यादा लोगों से जुड़ सकें। हाल ही में द राइट एंगल दो दिए इंटरव्यू के दौरान जब आयुष्मान से पूछा गया कि वह आगे किस टैबू सब्जेक्ट पर फिल्म करना चाहेंगे, तो उन्होंने हंसते हुए कहा, 'मुझे लगता है मैंने सारे टैबू टॉपिक्स खत्म कर दिए हैं। मैंने ऐसे कई विषयों पर फिल्में की हैं। लेकिन इससे फैमिली ऑडियंस थोड़ी लिमिट हो जाती है। कोविड महामारी से पहले मैंने इस तरह की कई फिल्में कीं। उसके बाद मैंने 'चंडीगढ़ करे आशिकी' और 'डॉक्टर जी' जैसी फिल्में भी कीं, लेकिन उन्हें बॉक्स ऑफिस पर वैसा रिस्पॉन्स नहीं मिला जैसा मुझे उम्मीद थी।'

कोविड के बाद चीजें बदल गईं

हालांकि आयुष्मान का कहना है कि इससे उनके बोल्ड चुनावों पर कोई असर नहीं पड़ा। उन्होंने आगे कहा, 'ओटीटी के बड़ा होने के बाद मैंने ऐसी फिल्मों पर ध्यान देना शुरू किया जो ज्यादा लोगों तक पहुंच सकें। अब मैं ऐसे रिलेटेबल सब्जेक्ट्स चुनना चाहता हूं जिन्हें लोग परिवार के साथ बैठकर देख सकें। महामारी से पहले सब कुछ अलग था। उस समय मेरी फिल्मों को बॉक्स ऑफिस पर शानदार रिस्पॉन्स मिलता था, लेकिन कोविड के बाद चीजें बदल गईं।'

आयुष्मान खुराना का वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करें तो आयुष्मान खुराना की हालिया रिलीज 'पति पत्नी और वो दो' शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई, जिसे पहले दिन औसत ओपनिंग मिली। आने वाले समय में वह 'यह प्रेम मोल लिया' और 'उड़ता तीर' में नजर आएंगे।

क्या क्रिकेटर तिलक वर्मा को डेट कर रहीं हैं श्रीलीला

अभिनेत्री श्रीलाला इन दिनों कार्तिक आर्यन के साथ अपनी आगामी फिल्म की तैयारियों में व्यस्त हैं। मगर, फिलहाल वे अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। मुंबई इंडियंस टीम के क्रिकेटर के साथ उनका नाम जोड़ा जा रहा है। यूं तो पहले भी इन दोनों के अफेयर की अफवाहें आती रही हैं, मगर एक वायरल वीडियो के बाद एक बार फिर लोग अटकलें लगा रहे हैं। श्रीलीला का नाम जिस क्रिकेटर से जोड़ा जा रहा है, वे हैं तिलक वर्मा। उनके और श्रीलीला के अफेयर की अफवाहें एक वायरल वीडियो से शुरू हुईं। हालांकि, इस वीडियो में श्रीलीला और तिलक वर्मा साथ नजर नहीं आए। श्रीलीला की तो वीडियो में झलक तक नहीं दिखी। वीडियो में सूर्य कुमार यादव हैं और गौतम गंभीर दिखे। मगर, सूर्यकुमार यादव ने कुछ ऐसा कहा, जिसके बाद अचानक श्रीलीला का नाम तिलक वर्मा के साथ जोड़ा जाने लगा।

प्रीति जिंटा की इन बातों से प्रभावित हैं सोनम बाजवा

एक्ट्रेस सोनम बाजवा अपनी नई पंजाबी फिल्म 'पिट सियापा' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच उन्होंने आईपीएल सीजन के दौरान टीम पंजाब किंग्स को सपोर्ट किया है। उन्होंने टीम की को-ओनर प्रीति जिंटा से हुई मुलाकात के बारे में बात की है और तारीफ की है। सोनम बाजवा को आईपीएल 2026 के कई मैचों में पंजाब किंग्स के लिए चीयर करते देखा गया है।

प्रीति जिंटा पर सोनम ने रखी अपनी बात सोनम बाजवा ने प्रीति जिंटा को लेकर अपने विचार साझा किए। प्रीति के बारे में बात करते हुए, सोनम ने का 'वह उन सबसे खूबसूरत और हसीन महिलाओं में से एक हैं जिन्हें मैंने कभी देखा है। मैंने उनकी पहली फिल्म से ही उन्हें फॉलो किया है। एक एक्ट्रेस के तौर पर उनका सफर देखा है। अब, मैं एक एंटरप्रेन्योर के तौर पर भी उनका सफर देख रही हूं। वह आईपीएल टीम को लीड कर रही हैं। यह सचमुच प्रेरणादायक है।'

मैं अपनी मम्मी जैसी बनना चाहती हूं

पलक तिवारी इंडस्ट्री के उन स्टार किड्स में से हैं, जो एक्टिंग की दुनिया में आने से पहले ही सोशल मीडिया पर स्टार बन चुकी थीं, मगर जब जानी-मानी टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की इस बेटी ने एक्टिंग की असली दुनिया में कदम रखा है, तो उन्हें भी अग्नि परीक्षा से गुजरना पड़ रहा है। 'बिजली बिजली' गाने से अपने करियर की शुरुआत करने वाली पलक तिवारी सलमान खान के साथ 'किसी का भाई किसी की जान' में नजर आने के बाद 'भूतनी' में भी दिखीं, मगर इन दिनों वह अपनी नई सीरीज 'लुक्खे' की अपनी भूमिका से तारीफें बटोर रही हैं।

ग्लैमर जगत में आने के साथ ही पलक तिवारी की तुलना उनकी जानी-मानी मशहूर टीवी एक्ट्रेस मां श्वेता तिवारी से होने लगी थी। मगर पलक का कहना है कि लोग भले उन दोनों को एक्ट्रेस की तरह देखें, मगर असल जीवन में वो मां-बेटी हैं। पलक अपनी मां के लिए बहुत कुछ करना चाहती हैं। वह कहती हैं, 'मुझे आज तक पैसे का कोई डर नहीं रहा। जब मेरी मम्मी ने मुझे पैदा किया तो उन्हें जो बनना था, वो बन चुकी थीं। तो मुझे कभी पैसे या किसी चीज की कमी कभी नहीं रही। मगर वो जिस मध्यमवर्गीय माहौल से आती हैं, उनके दिमाग में अभी भी रहता है कि अरे 5 हजार खर्च हो गए, अरे इतने पैसे खर्च हो गए। पता नहीं मेरी मम्मी के लिए वो कितने पैसे होंगे, जब उन्हें ये सोचना न पड़े, मगर मैं इतना पैसा कमाना चाहती हूं कि वो पैसे के बारे में दो बार भी न सोचें। उन्हें कुछ खर्च करते हुए कटौती न करनी पड़े।'

मम्मी कभी कोई महंगी चीज नहीं खरीदती

'आपको एक दिलचस्प बात बताऊं, मेरी मम्मी कभी कोई महंगी चीज नहीं खरीदती, क्योंकि वो हमेशा यही सोचती हैं कि वो पैसा रेयांश और पलकू पर खर्च करूं। मेरी दिली तमन्ना है कि मैं इतनी अमीर बन जाऊं कि पैसे उन्हें हाथ का मैल लगने लगे।' अपनी बात आगे बढ़ाते हुए वे कहती हैं, 'मैं जैसे जैसे बड़ी होती जा रही हूं, अपनी मम्मी में मिलने लगी हूं। मेरे आस -पास के लोग भी यही कहते हैं, तो मैं चाहती हूं कि मैं ज्यादा से ज्यादा अपनी मां जैसी बनूं। मैं अपनी मम्मी की तरह बन रही हूं और मेरी मम्मी अपनी नानी की तरह।'

लक के साथ मेहनत जरूरी

पलक खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हैं कि फिल्मों में उनकी शुरुआत सलमान खान जैसे सुपरस्टार के साथ 'किसी का भाई किसी की जान' से से हुई। एक्टिंग की दुनिया में अपनी जमीन तलाशती पलक अपनी जर्नी को लेकर कहती हैं, 'हर प्रोजेक्ट और हर रोल के साथ बेहतर होने की कोशिश करती हूं। आपको एक अजीब-सी बात बताऊं? किसी भी ऑडिशन या रोल के लिए मैंने उस वक्त कितना भी अच्छा क्यों न किया हो? या उस वक्त मैं उसमें कितनी ही सही क्यों न लगी होऊं, मगर बाद में मैं खुद को कभी अच्छी नहीं लगी। आज पलट कर देखती हूं, तो लगता है, छि कितनी बुरी लग रही हूं। मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि वह मैंने कितना कमाल का काम किया है। मैं सोचती हूं कि ऐसा करने से मैं खुद को संवारती रह सकती हूं। जब मैंने सलमान खान जैसे सुपरस्टार के साथ भी काम किया था, तब भी लोगों ने कहा था, तू कितनी लकी है, मगर मुझे लगता है कि लक के साथ मेहनत भी बहुत जरूरी है।'

संक्षिप्त समाचार

सूडान के पश्चिमी कोरडोफान में ड्रोन हमला, 28 लोगों की मौत

खार्तूम, एजेंसी। एक स्थानीय मानवाधिकार समूह ने बताया कि मंगलवार को मध्य सूडान के एक व्यस्त बाजार पर ड्रोन हमले में 28 लोग मारे गए और दर्जनों अन्य घायल हो गए। यह हमला उस युद्ध का हिस्सा है जिसने 2023 से देश को तबाह कर दिया है। संघर्ष के दौरान हुए उल्लंघनों पर नज़र रखने वाले स्थानीय मानवाधिकार समूह 'इमरजेंसी लॉयर्स' ने एक्स पर बताया कि पश्चिमी कोरडोफान प्रांत के घुबायश कस्बे में स्थित बाजार को मंगलवार सुबह उस समय निशाना बनाया गया जब वह नागरिकों से खचाखच भरा हुआ था। समूह ने इस हमले के लिए सेना को जिम्मेदार ठहराया। सेना और उसके प्रतिद्वंद्वी अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के बीच लंबे समय से चले आ रहे तनाव के बढ़ने के बाद अप्रैल 2023 में एक पूर्ण पैमाने पर युद्ध छिड़ गया। आरएसएफ पश्चिमी कोर्डोफान पर नियंत्रण रखता है। सूडान की सेना के एक अधिकारी ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि सेना नागरिकों या नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना नहीं बनाती है। एक अन्य सैन्य सूत्र ने भी समूह के दावों का खंडन करते हुए कहा कि सेना के एक ड्रोन ने बाजार के पास ईंधन भरते समय आरएसएफ के दो लड़ाकू वाहनों पर हमला किया, जिससे वाहन पूरी तरह से नष्ट हो गए और उनमें सवार लोग मारे गए, लेकिन किसी भी नागरिक को कोई नुकसान नहीं हुआ।

दक्षिणी लेबनान पर इस्राइल का बड़ा हमला, बच्चों-महिलाओं समेत 19 लोगों की मौत

लेबनान, एजेंसी। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि मंगलवार को दक्षिणी लेबनान पर हुए इस्राइली हवाई हमलों में चार महिलाओं और तीन बच्चों सहित कम से कम 19 लोग मारे गए। यह इस्राइल-हिजबुल्ला युद्ध में अमेरिका की मध्यस्थता से हुए नाजुक युद्धविराम के बावजूद दोनों पक्षों द्वारा लगभग दैनिक रूप से किए जा रहे हमलों की श्रृंखला में नवीनतम घटना है, जो अभी तक रुकी नहीं है।

न्यूयॉर्क: खुले गड्ढे में गिरने से एक महिला की मौत

न्यूयॉर्क, एजेंसी। पुलिस और बिजली अधिकारियों ने बताया कि न्यूयॉर्क शहर की एक व्यस्त सड़क पर एक खुले गड्ढे में 56 वर्षीय महिला गिर गई और उसकी मौत हो गई। वे इस बात की जांच कर रहे हैं कि यह घटना कैसे हुई होगी। पुलिस के मुताबिक, सोमवार रात को मिडटाउन मैनहट्टन में फिफ्थ एवेन्यू और ईस्ट 52वीं स्ट्रीट के कोने के पास मरम्मत के लिए बने गड्ढे के ठीक बगल में डोनिके गोकाज ने अपनी कार खड़ी की। रात 11:30 बजे से कुछ देर पहले गाड़ी से बाहर निकलते समय उसमें गिर गई। दमकलकर्मियों द्वारा उसे बाहर निकालने के बाद स्थानीय अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया गया। यूटिलिटी कंपनी कॉन एडिसन ने कहा कि निगरानी कैमरे की फुटेज से ऐसा प्रतीत होता है कि महिला के गिरने से लगभग 12 मिनट पहले एक मल्टी-एक्सल ट्रक के ऊपर से गुजरने के कारण गड्ढे का ढक्कन हट गया था।

रूस-चीन संबंधों का नया अध्याय! राष्ट्रपति पुतिन पहुंचे बीजिंग

बीजिंग, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर एक अत्यंत महत्वपूर्ण आधिकारिक यात्रा के लिए चीन की राजधानी बीजिंग पहुंच चुके हैं। बीजिंग हवाई अड्डे पर चीन के शीर्ष नेता और विदेश मंत्री वांग यी ने राष्ट्रपति पुतिन का बहुत ही गर्मजोशी और सम्मान के साथ स्वागत किया। यह यात्रा दोनों देशों के बीच भविष्य के सहयोग के लिए एक नया और पहले से अधिक मजबूत रणनीतिक आधार तैयार करने वाली है। बीजिंग के राजनीतिक गलियारों में इस हाई-प्रोफाइल दौरे को लेकर सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम किए गए हैं और दुनिया की नजरें इस पर हैं। पुतिन की यह यात्रा दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक 'गुड-नेबरलीनेस एंड फ्रेंडली कोऑपरेशन' संधि की 25वीं वर्षगांठ के खास मौके पर आयोजित की जा रही है। साल 2001 में इस संधि की नींव स्वयं पुतिन ने रखी थी, जो आज दोनों देशों के अटूट और गहरे रिश्तों की एक बड़ी पहचान बन चुकी है। इस दौरे के माध्यम से रूस और चीन अपनी खास रणनीतिक साझेदारी को एक बिल्कुल नए और वैश्विक उच्च मुकाम पर ले जाने के लिए तैयार हैं। बीजिंग में होने वाली वार्ता दोनों देशों के व्यापक विकास और द्विपक्षीय सहयोग को और अधिक गहरा करने के एजेंडे पर आधारित होगी। बीजिंग में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का भव्य स्वागत चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर पुतिन मंगलवार 19 मई को बीजिंग पहुंचे जहां उनका जोरदार इस्तकबाल किया गया। हवाई अड्डे पर चीन के शीर्ष नेतृत्व और विदेश मंत्री वांग यी ने स्वयं मौजूद रहकर रूसी राष्ट्रपति का औपचारिक स्वागत किया। क्रेमलिन के अनुसार इस यात्रा से दोनों देशों को बेहद ऊंची उम्मीदें हैं और यह आपसी शक्ति प्रदर्शन का एक बड़ा मौका है। यह महत्वपूर्ण दौरा रूस और चीन के बीच हुई ऐतिहासिक मैत्री संधि की 25वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया है। इस ऐतिहासिक संधि की शुरुआत साल 2001 में की गई थी जब पुतिन और जियांग जेमिन ने इस पर हस्ताक्षर किए थे। अब पुतिन और शी जिनपिंग इसी पुरानी दोस्ती को आधुनिक वैश्विक संदर्भों में एक नई और मजबूत दिशा देने वाले हैं। दुनिया की टिकी निगाहें पुतिन का यह दौरा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बीजिंग यात्रा के ठीक एक हफ्ते बाद हो रहा है जो सामरिक रूप से अहम है। दुनिया भर के कूटनीतिज्ञ इसे रूस और चीन के गठबंधन को पश्चिम के सामने एक कड़े संदेश के रूप में देख रहे हैं। बीजिंग में होने वाली यह शिखर वार्ता वैश्विक राजनीति के शक्ति समीकरणों को पूरी तरह बदलने की क्षमता रखती है। पुतिन ने बीजिंग पहुंचने से पहले कहा कि रूस और चीन राजनीति, अर्थव्यवस्था और रक्षा के क्षेत्रों में अपना सहयोग बढ़ा रहे हैं। दोनों देश मानवीय आदान-प्रदान और लोगों के बीच आपसी संपर्क को बढ़ावा देने के लिए भी कई महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं। शी जिनपिंग के दीर्घकालिक सहयोग के प्रति कमिटमेंट की पुतिन ने जमकर तारीफ की और इसे भविष्य के लिए जरूरी बताया।

जेडी वेंस की ईरान को चेतावनी, डील नहीं हुई तो फिर शुरू हो सकता है सैन्य अभियान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप की सरकार ईरान के साथ गंभीर और लगातार बातचीत कर रही है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर तेहरान न्यूक्लियर हथियार हासिल करने से रोकने वाली डील पर सहमत नहीं होता है, तो अमेरिका मिलिट्री ऑपरेशन को फिर से शुरू करने के लिए तैयार है। व्हाइट हाउस में मीडिया से बात करते हुए वेंस ने कहा अमेरिकी राष्ट्रपति ने साफ कहा है कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार नहीं बना सकता। वेंस के मुताबिक, अगर ईरान परमाणु बम बना लेता है तो इससे दुनिया में हथियारों की नई दौड़ शुरू हो सकती है और मध्य पूर्व समेत कई इलाकों में अस्थिरता बढ़ सकती है। वेंस ने कहा कि सरकार को लगता है कि ईरान समझौता करना चाहता है और हाल की बातचीत में कुछ प्रगति भी हुई है। उन्होंने कहा कि हमें लगता है कि ईरान डील करना चाहता है। लेकिन इसका पता तभी चलेगा जब समझौते पर वास्तव में हस्ताक्षर होंगे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि उनकी हाल की कूटनीतिक यात्रा का मकसद यह दिखाना था कि अमेरिका ईमानदारी से बातचीत करना चाहता है। उन्होंने कहा, 'हम यह दिखाना चाहते थे कि हम अच्छे इरादे से बातचीत कर रहे हैं। लेकिन बातचीत नाकाम रही तो राष्ट्रपति ट्रंप सैन्य दबाव बढ़ाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि दूसरा विकल्प यह है कि हम फिर से सैन्य अभियान शुरू कर सकते हैं। हम ऐसा नहीं करना चाहते, लेकिन जरूरत पड़ी तो राष्ट्रपति इसके लिए पूरी तरह तैयार हैं। वेंस ने ईरान को 'बहुत जटिल देश' बताया और कहा कि वहां कई ताकतवर समूह हैं, इसलिए यह समझना मुश्किल होता है कि बातचीत में ईरान वास्तव में क्या चाहता है।

उन्होंने कहा कि कई बार यह समझना कठिन हो जाता है कि ईरान बातचीत से आखिर हासिल क्या करना चाहता है। वेंस ने उन खबरों को भी खारिज कर दिया, जिनमें कहा जा रहा था कि भविष्य के किसी समझौते के तहत रूस, ईरान के समृद्ध यूरेनियम भंडार को अपने नियंत्रण में ले सकता है। उन्होंने कहा कि? यह हमारी मौजूदा योजना नहीं है और कभी हमारी योजना रही भी नहीं।

प्रेस ब्रीफिंग के दौरान वेंस ने सरकार की व्यापक संघर्ष नीति का बचाव भी किया और कहा कि मौजूदा संघर्ष विराम को अंतहीन युद्ध नहीं समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि सक्रिय संघर्ष करीब पांच से साढ़े पांच हफ्ते चला। यह कोई हमेशा चलने वाला युद्ध नहीं है। हम अपना काम पूरा करेंगे और वापस घर आएंगे। उपराष्ट्रपति ने घरेलू मुद्दों पर भी बात की, जिनमें इमिग्रेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और राजनीतिक हिंसा शामिल थे। उन्होंने कहा कि व्हाइट हाउस की एंटी-फ्रॉड टीम ने मेडिकेयर, मेडिकेड और इमिग्रेशन सिस्टम में 'अरबों डॉलर की धोखाधड़ी' का पता लगाया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर वेंस ने कहा कि सरकार चाहती है कि अमेरिका इस तकनीक की दौड़ में सबसे आगे रहे, साथ ही लोगों की निजता और राष्ट्रीय सुरक्षा भी सुरक्षित रहे। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति चाहते हैं कि हम इनोवेशन के पक्ष में रहें। वे चाहते हैं कि एआई की दौड़ में अमेरिका दुनिया के बाकी देशों से आगे रहे।' वेंस ने हाल में हुई राजनीतिक और धार्मिक हिंसा की घटनाओं की भी निंदा की। इनमें कैलिफोर्निया में एक मुस्लिम कम्युनिटी सेंटर के पास हुई घातक गोलीबारी और रूढ़िवादी कार्यकर्ता चार्ली किर्क की हत्या जैसी घटनाएं शामिल थीं।

अगले महीने हो सकती है पीएम मोदी-राष्ट्रपति ट्रंप की मुलाकात, मैक्रों के निमंत्रण से चर्चाएं तेज

पेरिस, एजेंसी। अगले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात हो सकती है। यह मुलाकात फ्रांस में होने वाले जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान होने की संभावना है।

अगर ऐसा होता है, तो 16 महीनों से भी ज्यादा समय के बाद दोनों नेता पहली बार आमने-सामने होंगे। फिलहाल पूरी दुनिया की नजरें इस संभावित मुलाकात पर टिकी हैं। इमैनुएल मैक्रों के आमंत्रण पर पीएम मोदी जाएंगे फ्रांस फ्रांस के एवियन-लेस-बैंस में 15 से 17 जून तक जी7 शिखर सम्मेलन का आयोजन होगा। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने प्रधानमंत्री मोदी को इस बैठक में शामिल होने के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किया है। हालांकि भारत इस समूह का सदस्य नहीं है, फिर भी एक महत्वपूर्ण भागीदार देश के तौर पर भारत को बुलाया गया है। राष्ट्रपति मैक्रों ने फरवरी में भारत दौरे के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस सम्मेलन में आने का न्योता दिया था।

दक्षिणी कैलिफोर्निया के जंगल में लगी आग

सैक्रामेंटो, एजेंसी। दक्षिणी कैलिफोर्निया में मंगलवार को 17,000 से अधिक लोगों को निकासी के आदेश दिए गए, क्योंकि जंगल की आग से उपनगरीय घरों को खतरा था। तेज हवाओं के कारण लगी सैंडी आग सोमवार को लॉस एंजिल्स से लगभग 30 मील (48 किलोमीटर) उत्तर-पश्चिम में सिमी घाटी के ऊपर पहाड़ियों में देखी गई। वेंटुरा काउंटी अग्निशमन विभाग के अनुसार, मंगलवार सुबह तक आग ने दो वर्ग मील (पांच वर्ग किलोमीटर) से अधिक सूखे झाड़ियों को जलाकर राख कर दिया था और कम से कम एक घर को नष्ट कर दिया था। विभाग के प्रवक्ता एंड्रयू डाउड ने बताया कि आग की लपटें शुरू में 30 मील प्रति घंटे (48 किलोमीटर प्रति घंटे) से अधिक की रफ्तार वाली तेज हवाओं के कारण भड़क उठीं, लेकिन रात भर हवा शांत होने से दमकलकर्मियों को मदद मिली। उन्होंने कहा कि मौसम में सुधार होने से हमने इस आग पर काबू पाने में काफी प्रगति की है। उन्होंने बताया कि टीमें हवाएं फिर से तेज होने से पहले और अधिक प्रगति करने की उम्मीद कर रही हैं। 125,000 से अधिक आबादी वाले शहर सिमी वैली के कई इलाकों के लिए अभी भी निकासी के आदेश और चेतावनी जारी थी। इसी बीच, दमकलकर्मी दक्षिणी कैलिफोर्निया तट से दूर सांता रोजा द्वीप पर 23 वर्ग मील (59 वर्ग किलोमीटर) में फैली भीषण आग से जूझ रहे थे। आग ने एक केबिन और एक उपकरण शेड को नष्ट कर दिया और राष्ट्रीय उद्यान सेवा के 11 कर्मचारियों को वहां से सुरक्षित स्थान पर ले जाना पड़ा।

अमेरिकी विदेश मंत्री रूबियो 23 से 26 मई तक भारत दौरे पर, क्वाड और रक्षा सहयोग पर होगी अहम चर्चा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो चार दिवसीय दौरे पर भारत आ रहे हैं। वे शनिवार को भारत पहुंचेंगे और 23 से 26 मई तक देश के अलग-अलग राज्यों का दौरा करेंगे। इस दौरान क्वाड साझेदारी, ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और रक्षा सहयोग पर मुख्य रूप से चर्चा होने की उम्मीद है। जानकारी के अनुसार, मार्को रूबियो भारत यात्रा के दौरान कोलकाता, आगरा, जयपुर और दिल्ली जाएंगे। अमेरिकी विदेश विभाग ने मंगलवार को रूबियो की यात्रा योजनाओं की घोषणा की। विभाग ने जानकारी दी कि भारत आने से पहले 22 मई को मार्को रूबियो सबसे पहले स्वीडन के हेलसिंगबोर्ग जाएंगे, जहां वे नाटो विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगे। विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी

पिगॉट ने एक बयान में कहा, 'विदेश मंत्री भारतीय वरिष्ठ अधिकारियों के साथ होने वाली बैठकों के दौरान ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और रक्षा सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा करेंगे।' नई दिल्ली में भारतीय नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकों के अलावा, रूबियो के क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में भी शामिल होने की उम्मीद है। इस बैठक में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री शामिल होंगे। एक इंटरव्यू में संयुक्त राज्य अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच के अध्यक्ष मुकेश अघी ने कहा कि रूबियो की यह यात्रा इस क्षेत्र और व्यापक भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी, दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण समय पर हो रही है। अघी ने आईएएनएस से कहा, 'अब समय आ गया है कि हम क्वाड को फिर से सक्रिय करें। खासकर मध्य पूर्व में मौजूदा चुनौतियों को देखते हुए यह बहुत महत्वपूर्ण है।' उन्होंने बताया कि अमेरिका और भारत के बीच होने वाली चर्चाओं में होर्मुज स्ट्रेट से जुड़ी समुद्री सुरक्षा चिंताओं और व्यापक क्षेत्रीय स्थिरता के मुद्दों को भी शामिल किए जाने की उम्मीद है। अघी ने कहा, 'होर्मुज स्ट्रेट के संबंध में भारत और अमेरिका के बीच चर्चा होना बेहद जरूरी है। आपको यह समझना होगा कि इस क्षेत्र में भारत के पास सबसे बड़ी नौसेनाओं में से एक है।' अघी ने यह भी कहा कि भारत, चीन के साथ हाल ही में हुई राजनयिक वार्ताओं और इस क्षेत्र पर उनके संभावित प्रभावों के बारे में स्पष्टता चाहेगा। उन्होंने कहा, 'विदेश मंत्री रूबियो के लिए भारत सरकार को चीन यात्रा के बारे में जानकारी देना महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका भारत पर भी असर पड़ता है।' उन्होंने आगे कहा, 'भारत यह समझना चाहेगा कि इन घटनाक्रमों का उस पर किस तरह का प्रभाव पड़ेगा। अघी के अनुसार, यह यात्रा एक 'उपयुक्त समय' पर हो रही है और उम्मीद है कि इसमें दोनों देशों को प्रभावित करने वाले कई मोर्चों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी की इटली के कलाकारों ने जमकर की प्रशंसा, बोले- यादगार रहा अनुभव

रोम, एजेंसी। पांच देशों की अपनी यात्रा के अंतिम चरण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इटली पहुंचे हैं। यहां भारतीय नागरिकों के साथ-साथ इटली के लोग भी उनका स्वागत करने पहुंचे। इस अवसर पर इटालियन कलाकारों ने संगीत, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर प्रधानमंत्री का अभिनंदन किया। इटालियन कलाकार फ्रांसेस्को घेरार्दी ने प्रधानमंत्री मोदी के सामने प्रस्तुति देने के बाद अपना अनुभव शेयर किया। उन्होंने आईएएनएस से कहा कि भारतीय पीएम की मौजूदगी बेहद सकारात्मक थी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री पूरी प्रस्तुति के दौरान तालियां बजाते रहे और कलाकारों का उत्साह बढ़ाते रहे। फ्रांसेस्को ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री से हाथ मिलाने और तस्वीरें खिंचवाने का भी अवसर मिला। कलाकार वैलेरियो ब्रूनी ने कहा, 'मुझे लगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सचमुच बहुत उत्साहित थे। उन्होंने हमारी प्रस्तुति को ध्यान से देखा और बाद में तालियां बजाईं। मुझे लगता है कि उन्होंने हमारी प्रस्तुति की सराहना की।' निकोलो मेलोची ने इसे अपने लिए यादगार अवसर बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के सामने पूरी टीम के साथ प्रस्तुति देना शानदार अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री से कुछ शब्दों में बातचीत करने का भी मौका मिला। वहीं एक अन्य कलाकार सिमोन मैटिएलो ने कहा कि पूरा कार्यक्रम बहुत आनंदमय था। प्रधानमंत्री मोदी कलाकारों की प्रस्तुति से जुड़ाव महसूस कर रहे थे। लियो वर्तुन्नी ने कार्यक्रम के माहौल को ऊर्जा और उत्साह से भरपूर बताते हुए कहा कि वहां मौजूद भारतीय समुदाय का अपने प्रधानमंत्री के प्रति प्रेम साफ दिखाई दे रहा था। उन्होंने कहा, 'वहां जबरदस्त ऊर्जा थी और हम भारतीय लोगों का अपने प्रधानमंत्री के प्रति प्रेम महसूस कर सकते थे। वहां उत्सव और ऊर्जा का एक दिलचस्प मेल था। मार्टिना अर्गाडा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कलाकारों की प्रस्तुति को बेहतरीन बताया। उन्होंने इस अवसर के लिए रोम स्थित भारतीय दूतावास का आभार व्यक्त किया। मार्टिना अर्गाडा ने कहा, 'उन्होंने (पीएम मोदी) हमसे कहा कि प्रस्तुति बेहतरीन थी। हम रोम में भारतीय दूतावास के बहुत आभारी हैं कि उन्होंने हमें भारतीय प्रधानमंत्री के सामने प्रस्तुति देने का अवसर दिया।' वहीं, कथक कलाकार रोसेला फेनेली ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत में कथक प्रस्तुति देना उनके लिए बेहद भावुक और खास अनुभव रहा। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में उन्हें भारत में प्रधानमंत्री मोदी से मिलने का अवसर मिलेगा। फेनेली ने कहा, 'यह मेरे और मेरे दोस्तों के लिए बहुत अच्छा अनुभव था। हम लंबे समय से इंतजार कर रहे थे, इसलिए हमारी भावनाएं बहुत उमड़ रही थीं। मैं इस अवसर को एक बहुत अच्छा अनुभव मानती हूं और मुझे उम्मीद है कि हम भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिल पाएंगे।

राजनाथ सिंह ने शहीद सैनिकों को दी श्रद्धांजलि, भारत-दक्षिण कोरिया रक्षा सहयोग बढ़ाने पर फोकस

सियोल, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल स्थित सियोल नेशनल सेमेट्री पहुंचकर देश के लिए बलिदान देने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने विशेष रूप से कोरियाई युद्ध के दौरान जान गंवाने वाले सैनिकों को याद करते हुए राष्ट्रीय स्मारक स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की और मौन रखकर सम्मान प्रकट किया। सियोल नेशनल सेमेट्री दक्षिण कोरिया के उन सैनिकों और नागरिकों की स्मृति में बनाया गया है जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर किए। यह स्मारक राष्ट्रीय सम्मान, बलिदान और देशभक्ति का प्रतीक माना जाता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की यह यात्रा भारत और दक्षिण कोरिया के बीच रक्षा और रणनीतिक सहयोग को और मजबूत करने के उद्देश्य से हो रही है। वह मंगलवार को दक्षिण कोरिया पहुंचे थे, जहां भारत के राजदूत गौरंगलाल दास और वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

पीएम मोदी पर नस्लीय कार्टून बनाने पर विवाद; निशाने पर आया नॉर्वे का अखबार

ओस्लो, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नॉर्वे यात्रा के दौरान एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। नॉर्वे के प्रमुख अखबार 'आफ्टेनपोस्टन' ने पीएम मोदी का एक बेहद नस्लभेदी और आपत्तिजनक कार्टून प्रकाशित किया है। इस कार्टून में उन्हें एक सपेरे के रूप में चित्रित किया गया है, जिसके हाथ में सांप के आकार का फ्यूल स्टेशन पाइप है। इस घटना ने पश्चिमी मीडिया की पुरानी औपनिवेशिक मानसिकता को फिर से उजागर कर दिया है।

इस विवादित इलस्ट्रेशन के साथ 'एक चतुर और थोड़ा परेशान करने वाला आदमी' शीर्षक से एक लेख भी छापा गया है। यह घटना तब सामने आई जब एक नॉर्वेजियन पत्रकार हेले लिंग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस न करने पर सवाल उठाए थे। इंटरनेट पर इस कार्टून की कड़ी आलोचना हो रही है और लोग इसे भारत का सरासर अपमान बता रहे हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी देश की लोकतांत्रिक ताकत का मजबूती से बचाव किया है।

औपनिवेशिक मानसिकता का प्रदर्शन : इंटरनेट पर यूजर्स इस कार्टून को नस्लभेदी और पुराने औपनिवेशिक रूढ़ियों से प्रेरित बता रहे हैं। लोगों का कहना है कि पश्चिमी मीडिया अभी भी भारत को केवल सपेरों के देश के रूप में देखता है। यह नकारात्मक छवि भारत और उसके चुने हुए लोकतांत्रिक नेता दोनों के प्रति गहरी असम्मान की भावना दिखाती है।

यह घटना बेहद विडंबनापूर्ण है क्योंकि पीएम मोदी ने स्वयं इस पुरानी धारणा का स्पष्ट जिक्र किया था। साल 2014 में अमेरिका में उन्होंने कहा था

कि भारत अब सपेरों का नहीं बल्कि माउस चार्मर्स का देश है। तकनीक के क्षेत्र में भारत की भारी प्रगति के बावजूद पश्चिमी देशों में ऐसी पिछड़ी सोच आज भी जीवित है।

पश्चिमी मीडिया की कड़ी आलोचना : सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कई यूजर्स ने इस कृत्य की बहुत ही कड़े शब्दों में निंदा की है। एक यूजर ने लिखा कि यूरोपीय लोग अभी भी अपनी पुरानी औपनिवेशिक कल्पनाओं से पूरी तरह बाहर नहीं आ पाए हैं। साल 2022 में भी स्पेन के एक अखबार ने भारत की आर्थिक वृद्धि पर ऐसा ही एक विवादित कार्टून छापा था। यह पूरा विवाद नॉर्वेजियन पत्रकार हेले लिंग के एक तीखा सवाल पूछने के तुरंत बाद शुरू हुआ था। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस न होने और भारत में मानवाधिकारों को लेकर कई तीखे सवाल उठाए थे। इस बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ी बहस छिड़ गई। विदेश मंत्रालय की कड़ी प्रतिक्रिया भारतीय विदेश मंत्रालय के सचिव सिबी जॉर्ज ने आलोचकों को करारा जवाब देते हुए भारत का दृढ़ता से बचाव किया। उन्होंने कहा कि अकेले दिल्ली में 200 टीवी चैनल हैं जो हमारी मजबूत मीडिया की स्वतंत्रता को दर्शाते हैं। उन्होंने चुनिंदा और अज्ञानी एनजीओ की रिपोर्टों के आधार पर राय बनाने वालों की बहुत कड़ी आलोचना की।

भारतीय राजनयिक ने स्पष्ट किया कि पश्चिमी आलोचकों को भारत के बड़े पैमाने की कोई समझ बिल्कुल नहीं है। यहां हर दिन अलग-अलग भाषाओं में ब्रेकिंग न्यूज आती है जो हमारे मजबूत लोकतांत्रिक ढांचे का एक बड़ा सबूत है। संविधान द्वारा दिए गए अधिकार यह साबित करते हैं कि भारत एक जीवंत और पूरी तरह से स्वतंत्र देश है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)